CMYK

अधिकतम : 29° C
न्यूनतम : 23° C

खबरें छुपाता नहीं, छापता है

शाह टाइम्स

देहरादून, गुरुवार 17 जुलाई 2025 देहरादून संस्करण: वर्ष 24 अंक 344 पृष्ठ 12 मूल्य रुपये 5.00

www.shahtimesnews.com

विस्तृत खबरों के लिए QR कोड स्कैन करें। मुफ्त पढ़ें E-paper

shahtimes2015@gmail.com | श्रावण कृष्ण पक्ष 6 विक्रमी सम्वत् 2082 | 21 मुहर्रम 1447 हिजरी | नई दिल्ली, मुजफ्फरनगर, देहरादून, हल्द्वानी, मुरादाबाद, बरेली, मेरठ व लखनऊ से प्रकाशित

इस दिन का इंतजार था, राहुल-खड़गे के पत्र पर उमर की प्रतिक्रिया पेज 2

रूट ने फिर हासिल की नंबर-1 टेस्ट बल्लेबाज रैंकिंग खेल टाइम्स

'एक्सोलोटल' की अंग पुनर्जनन क्षमता का रहस्य उजागर सम्पादकीय

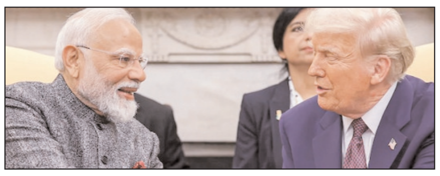

यूएस को भारतीय मार्केट में पहुंच मिलने वाली है: ट्रम्प पेज़ 12

कल के हथियारों से आज की जंग नहीं जीत सकते

विदेशी टेक्नोलॉजी पर निर्भरता हमें कमजोर बना रही

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने बुधवार को कहा कि हम कल के हथियारों से आज की लड़ाई नहीं जीत सकते। उन्होंने कहा कि विदेश से इम्पोर्ट की गई टेक्नोलॉजी पर निर्भरता हमारी युद्ध की तैयारियां कमजोर करती है। सीडीएस ने कहा कि यह हमें कमजोर बना रही है।

ऑपरेशन सिंदूर ने हमें दिखाया कि हमारे लिए स्वदेशी सी-यूएएस (काउंटर-अनमैंड एरियल सिस्टम) यानी एंटी ड्रोन सिस्टम क्यों जरूरी है। हमें अपनी सुरक्षा के लिए इन्वेस्टमेंट करना होगा। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान ने अनआर्म्ड ड्रोन्स का इस्तेमाल किया। अधिकतर ड्रोन्स मार गिराए गए। ये हमारे किसी भी मिलिट्री या सिविल इन्फ्रास्ट्रक्चर को कोई नुकसान नहीं पहुंचा सके। सीडीएस ने ये बातें दिल्ली के मानेकशा सेंटर में यूएवी और सी-यूएएस की प्रदर्शनी में कहीं। युद्ध में ड्रोन के इस्तेमाल पर जनरल चौहान ने कहा कि मुझे लगता है कि ड्रोन्स इवाल्यूशनरी (विकासवादी) हैं और युद्ध में उनका इस्तेमाल बहुत क्रांतिकारी रहा है। जैसे-जैसे उनकी तैनाती और दायरा बढ़ा, सेना ने क्रांतिकारी तरीके से ड्रोन का इस्तेमाल किया। हमारे लड़े गए कई युद्धों में आपने यह देखा है। हम इम्पोर्टेड टेक्नोलॉजी पर निर्भर नहीं रह सकते, क्योंकि यह हमारे युद्ध और डिफेंस ऑपरेशन के लिए महत्वपूर्ण हैं। विदेशी तकनीकों पर निर्भरता हमारी तैयारियों को कमजोर करती है। उत्पादन बढ़ाने की हमारी क्षमता को कम करती है। इससे अहम मैकेनिकल पार्ट्स की कमी होती है।

■ स्वदेशी एडवांस टेक्नोलॉजी जरूरी: सीडीएस अनिल चौहान

स्वर्ण मंदिर को तीसरी बार मिली बम से उड़ाने की धमकी

चंड़ीगढ़। पंजाब में अमृतसर स्थित स्वर्ण मंदिर को पिछले कुछ दिनों में तीसरी बार बम से उड़ाने की धमकी मिली है, जिसके बाद मंदिर और उसके आसपास सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक समिति (एसजीपीसी) को एक फर्जी ई-मेल आईडी से मेल मिला है, जिसमें मंदिर के अंदर आरडीएक्स से भरे पाइपों से विस्फोट करने की धमकी दी गई है। सुरक्षा कारणों से संदेश के विवरण का खुलासा नहीं किया गया है, लेकिन बम निरोधक दस्ते और खोजी स्वानों को विस्फोटक खोजने में लगाया गया है। एसजीपीसी और अमृतसर पुलिस को हाई अलर्ट पर रखा गया है। बीएसएफ और पुलिस कमांडो वहां तैनात हैं। आने-जाने वालों पर निगरानी बढ़ा दी गई है और सभी आगंतुकों पर कड़ी नज़र रखी जा रही है। एसजीपीसी अध्यक्ष हरजिंदर सिंह धामी के अनुसार मंगलवार को भी केरल के मुख्यमंत्री और पूर्व मुख्य न्यायाधीश के नाम से एक फर्जी ई-मेल आईडी से ऐसी ही धमकी मिली थी।

अदालतों में टॉयलेट की कमी पर सुप्रीम कोर्ट नाराज

नई दिल्ली। देश की अदालतों में टॉयलेट जैसी बुनियादी सुविधा की हालत पर सुप्रीम कोर्ट ने सख्त रुख अपनाया है। कोर्ट ने नाराजगी जताई कि देश के 25 में से 20 हाईकोर्ट ने अब तक ये नहीं बताया कि उन्होंने टॉयलेट की सुविधा सुधारने के लिए क्या कदम उठाए हैं? सुप्रीम कोर्ट ने 15 जनवरी 2025 को सभी हाईकोर्ट, सरकारों को निर्देश दिया था कि हर अदालत में पुरुष, महिला, दिव्यांग और ट्रांसजेंडर्स के लिए अलग-अलग टॉयलेट होने चाहिए।

'उदयपुर फाइल्स' की रिलीज पर रोक जारी

शाह टाइम्स ब्यूरो

■ सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी इस बात का सबूत, फिल्म के खिलाफ हमारी कानूनी लड़ाई सही: मौलाना अरशद मदनी

नई दिल्ली। उदयपुर फाइल्स नाम की विवादित हिंदी फिल्म की रिलीज़ पर बुधवार को सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार तक के लिए रोक को बरकरार रखा है, यानी अदालत ने फिल्म निर्माता को कोई राहत देने से इन्कार कर दिया है।

इससे पहले दिल्ली हाईकोर्ट ने भी इस पर स्टे लगाया था। फिल्म निर्माता की ओर से दाखिल की गई याचिका पर बुधवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। फिल्म निर्माता की ओर से वकील गौरव भाटिया एवं भाजपा प्रवक्ता ने बहस करते हुए कहा कि -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रीम कोर्ट ने प्रो. महमूदाबाद के खिलाफ SIT जांच पर उठाए सवाल

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने ऑपरेशन सिंदूर से संबंधित सोशल मीडिया पर कथित आपत्तिजनक पोस्ट करने के आरोपी अशोका विश्वविद्यालय के प्रोफेसर अली खान महमूदाबाद के खिलाफ हरियाणा के एसआईटी की जांच प्रक्रिया पर गंभीर सवाल उठाए और कहा कि यह गलत दिशा में जा रही है। पीठ ने प्रो. महमूदाबाद को बार-बार बुलाने पर सवाल उठाए।

पटना एयरपोर्ट पर टला बड़ा हादसा: दिल्ली से आ रहे विमान को रनवे ओवरशूट का सामना करना पड़ा

पटना। पटना एयरपोर्ट पर बड़ा विमान हादसा टल गया। दिल्ली से आ रहे विमान को रनवे ओवरशूट का सामना करना पड़ा। हालांकि, पायलट ने सूझबूझ से विमान को अनियंत्रित होने से बचा लिया। उन्होंने फौरन गो- अराउंड प्रक्रिया अपनाई और विमान को फिर से सफलतापूर्वक लैंड करवा लिया। इस मामले ने पटना एयरपोर्ट के छोटे रनवे को लेकर फिर सवाल खड़ा कर दिया है। मंगलवार रात नौ बजे दिल्ली से आ रही इंडिगो एयरलाइंस की फ्लाइट जीई 2482 ने लैंडिंग के दौरान रनवे के निर्धारित टचडाउन जोन को पार कर दिया।

प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना को कैबिनेट की मंजूरी

शाह टाइम्स ब्यूरो

■ हर साल खर्च होंगे 24000 करोड़, 100 जिले शामिल होंगे

नई दिल्ली। केंद्रीय कैबिनेट ने 36 योजनाओं को मिलाकर 24,000 करोड़ रुपये प्रति वर्ष के परिव्यय वाली प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना को मंजूरी दी।

सूचना व प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने यह ऐलान किया है। सरकार ने एनएलसीआईएल को नवीकरणीय ऊर्जा में निवेश के लिए 7,000 करोड़ रुपये की भी मंजूरी दे दी है। इसके अलावा कैबिनेट ने एनटीपीसी को नवीकरणीय ऊर्जा में निवेश के लिए 20,000 करोड़ रुपये की मंजूरी देने पर भी अपनी मुहर लगा दी है। मंत्रिमंडल ने बुधवार को छह साल की अवधि के लिए प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना को मंजूरी दी है।

संक्षिप्त समाचार

रीढ़विहीन राहुल बढ़ा रहे नेहरू की परंपरा को आगे: भाजपा

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को रीढ़विहीन करार देते हुए उन पर विदेशी ताकतों के समक्ष आत्मसमर्पण करने का आरोप लगाया है। भाजपा ने बुधवार को सोशल मीडिया 'एक्स' पर एक पोस्ट में पूर्व प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू पर अंग्रेजों के सामने आत्म समर्पण करने और दया याचिका लिखने का दावा किया है। पार्टी ने लिखा- राहुल गांधी सचमुच नेहरू के उत्तराधिकारी हैं। जिस तरह नेहरू ने नाभा जेल में रहते हुए अंग्रेजों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया था और दया याचिका लिखी थी, उसी तरह राहुल गांधी भी समर्पण और समझौते की परंपरा को आगे बढ़ा रहे हैं। इस राजवंश में रीढ़हीनता की गहरी विरासत है।

जेएंडके में आतंकियों के मददगारों की संपत्तियां कुर्क

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के बडगाम जिले में आतंकवादियों और उनके मददगारों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करते हुए पुलिस ने आज आतंकवादियों के तीन सहयोगियों की सपंत्तियां कुर्क कीं। आतंकवादी पाकिस्तान से ही अपनी गतिविधियों को इन मददगारों के सहयोग से अंजाम देते थे। पुलिस ने बताया कि कुर्क की गई संपत्तियों में हरवानी खानसाहिब में मंजूर अहमद चोपन उर्फ रईस का दो मंजिला आवासीय मकान, चेवा बडगाम में मोहम्मद यूसुफ मलिक उर्फ मोलवी के स्वामित्व वाली पांच कनाल से अधिक जमीन के साथ एक इमारत और बिलाल अहमद वानी उर्फ उमर के नाम पर खग में पंजीकृत लगभग 20 मरला जमीन शामिल है। पुलिस ने कहा कि संबंधित संपत्तियां कार्यकारी मजिस्ट्रेटों की मौजूदगी में कुर्क की गईं।

अब यूपी के युवाओं को फोन की जगह मिलेंगे टैबलेट

योगी सरकार कैबिनेट में जल्द ही पेश करेगी प्रस्ताव

शाह टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। यूपी की योगी सरकार ने स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तिकरण योजना के तहत चल रही स्मार्टफोन-टैबलेट योजना में बड़ा बदलाव करने का फैसला किया है। अब इस योजना के तहत युवाओं को स्मार्टफोन की जगह टैबलेट दिया जाएगा। सरकार ने शैक्षिक गतिविधियों के लिए टैबलेट को अधिक उपयोगी माना गया है। इस बदलाव को लागू करने के लिए योगी सरकार जल्द ही कैबिनेट के पुराने निर्णय को निरस्त कर नया प्रस्ताव मंजूर कराएगी।

नया प्रस्ताव जल्द ही कैबिनेट में पेश किया जाएगा। इस प्रस्ताव में टैबलेट वितरण की प्रक्रिया, बजट और पात्रता मानदंडों को स्पष्ट किया जाएगा। सरकार का लक्ष्य 2025-26 के वित्तीय वर्ष में 15 लाख स्मार्टफोन और 10 लाख टैबलेट वितरित करना है, जिसके लिए 4000 करोड़ रुपये का बजट निर्धारित किया गया है। यूपी सरकार का मानना है कि टैबलेट शैक्षिक उद्देश्यों के लिए स्मार्टफोन की तुलना में अधिक प्रभावी हैं। टैबलेट की बड़ी स्क्रीन और बेहतर प्रोसेसिंग क्षमता ऑनलाइन शिक्षा, ई-लर्निंग सामग्री और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए ज्यादा उपयुक्त है। कोविड-19 महामारी के बाद डिजिटल शिक्षा के बढ़ते महत्व को देखते हुए सरकार का यह कदम युवाओं को डिजिटल रूप से सशक्त बनाने की दिशा में एक बड़ा प्रयास माना जा रहा है।

सूत्रों के अनुसार यूपी सरकार ने पहले 25 लाख स्मार्टफोन खरीदने का निर्णय लिया था, जिसके लिए 2493 करोड़ रुपये का बजट मंजूर किया गया था। हालांकि अब इस निर्णय को निरस्त कर टैबलेट वितरण पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। यूपी फ्री टैबलेट स्मार्टफोन योजना 19 अगस्त 2021 में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुरू किया था। इसका मुख्य उद्देश्य राज्य के युवाओं को डिजिटल संसाधनों तक पहुंच प्रदान करना है। यह योजना ग्रेजुएशन, पोस्ट ग्रेजुएशन, टेक्निकल, और डिप्लोमा कोर्स करने वाले छात्रों के लिए है, जिसके तहत लगभग 1 करोड़ युवाओं को लाभ पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। टैबलेट में प्री-लोडेड शैक्षिक सामग्री होगी, जो ग्रामीण क्षेत्रों के छात्रों को इंटरनेट के बिना भी अध्ययन करने में मदद करेगी। योजना का लाभ लेने के लिए छात्रों को अपने कॉलेज या विश्वविद्यालय के माध्यम से आवेदन करना होगा। हाल ही में डुप्लीकेसी रोकने के लिए सरकार ने ई-केवाईसी को अनिवार्य कर दिया है। छात्र अब खुद भी ई-केवाईसी प्रक्रिया पूरी कर सकते हैं, जिससे योजना का लाभ में देरी नहीं होगी। डेटा सत्यापन के बाद छात्रों को उनके टैबलेट की स्थिति के बारे में एसएमएस के माध्यम से अपडेट मिलेगा।

लाभार्थियों को ऑन स्पाट मिलेंगे मैरिज सर्टिफिकेट

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना पर सरकार ने उठाया कदम

लखनऊ, वार्ता

उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत अब लाभार्थियों का स्पॉट पर ही रजिस्ट्रार, मैरेज ब्यूरो पंजीकरण कर मैरेज सर्टिफिकेट दिए जाएंगे। समाज कल्याण विभाग की तरफ से यह कदम योजना में पारदर्शिता को बनाए रखने के लिए उठाया गया है। इससे पूर्व विभाग की तरफ से लाभार्थियों के लिए आधार पंजीकरण किया गया था।

समाज कल्याण निदेशक कुमार प्रशांत ने बुधवार को बताया कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत अब लाभार्थियों का स्पॉट पर ही पंजीकरण किया जाएगा। इसके लिए रजिस्ट्रार, मैरेज ब्यूरो या उनकी तरफ से नामित अधिकारी मौके पर उपस्थित रहेंगे। जिससे शादी को लीगल घोषित किया जा सके। उन्होंने बताया कि फर्जीवाड़े को रोकने के लिए आधार से भी पंजीकरण कराया जा रहा है। जिससे सही लाभार्थियों को इसका लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि योजना के अंतर्गत कोई लक्ष्य नही रखा गया है, क्योंकि इससे पारदर्शिता प्रभावित होने का अंदेशा रहता है। कुमार ने कहा कि यदि किसी गांव में पांच लाभार्थी जोड़े सामूहिक विवाह के लिए आवेदन करते हैं, तो फिर उनका सत्यापन जिला स्तर के अधिकारी करेंगे। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री सामुहिक विवाह योजना के तहत बलिया के मनियर ब्लॉक में जनवरी 2024 में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना में फर्जीवाड़ा मिला था। शादीशुदा लोगों की शादी करा दी गई थी। इसका वीडियो वायरल हुआ था, जिसके बाद जांच शुरू कराई गई थी। इसमें पता चला कि दलालों ने मिलीभगत कर 240 से अधिक फर्जी शादियां करा दी थीं। इसके बाद एफआईआर दर्ज कर 17 लोगों को गिरफ्तार किया गया था। दो सहायक विकास अधिकारी और एक लिपिक को निलंबित किया गया था।

जिला निर्वाचन अफसरों को सीईओ ने दिया प्रशिक्षण

नवदीप ने केन्द्र के निर्देशों से अवगत कराया

लखनऊ, वार्ता

उत्तर प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बुधवार को विधानसभा/लोकसभा चुनाव के लिए मतदाता सूची को त्रुटिरहित अपडेट रखने के लिए प्रशिक्षण दिया और केंद्रीय निर्वाचन आयोग के कार्यक्रमों और दिशा-निर्देशों से अवगत कराया।

रिणवा ने मतदाता सूची को त्रुटिरहित बनाने, बीएलओ की नियुक्ति नियमानुसार करने और राजनैतिक दलों के साथ बैठक करने पर जोर दिया। जिला निर्वाचन अधिकारियों को ईआरओ नेट, बीएलओ एप और वोटर हेल्पलाइन एप की जानकारी दी गई। गौरतलब है कि पहली बार जिला निर्वाचन अधिकारियों का भौतिक प्रशिक्षण कराया जा रहा है, ताकि मतदाता सूची पुनरीक्षण के समय मतदाताओं को परेशानी न हो। निर्वाचन अधिकारियों से नागरिकों से फार्म भरवाते समय सही जानकारी दर्ज कराने और फार्म-6, 7 व 8 से संबंधित जानकारी प्रसारित करने के लिए कहा गया। आज लखनऊ में आगरा, मैनपुरी, फिरोजाबाद, कानपुर नगर, लखनऊ, रायबरेली, उन्नाव, सीतापुर, हरदोई, बाराबंकी, झांसी, जालौन, ललितपुर, बांदा, हमीरपुर, महोबा, चित्रकूट, गोण्डा, बहराइच, बलरामपुर, श्रावस्ती, फतेहपुर, बरेली, शाहजहांपुर, बदायूं, अलीगढ़, मुरादाबाद, गोरखपुर तथा पीलीभीत जनपदों के जिला निर्वाचन अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। लखनऊ में जिला निर्वाचन अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया गया, जबकि मेरठ और वाराणसी में भी पहले और दूसरा प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए जा चुके हैं।

कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे व नेता विपक्ष राहुल ने पीएम को लिखा पत्र

जम्मू-कश्मीर का पूर्ण राज्य दर्जा बहाल करें

नई दिल्ली, वार्ता

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल करने और लद्दाख को संविधान की छठी अनुसूची में शामिल करने के लिए विधेयक लाने की मांग की है।

खड़गे और गांधी ने कहा कि जम्मू- कश्मीर की जनता पिछले पांच साल से लगातार पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने की अपनी वैध, संवैधानिक और लोकतांत्रिक अधिकारों की मांग कर रही है। यह पहली बार हुआ है जब किसी राज्य का दर्जा कम कर उसे केंद्रशासित प्रदेश में बदला गया है। कांग्रेस नेताओं ने सरकार से आग्रह किया है कि वह मानसून सत्र में संसद में एक विधेयक लाकर जम्मू-कश्मीर का पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करे। उन्होंने इसके साथ ही लद्दाख को संविधान की छठी अनुसूची में शामिल करने के लिए भी विधेयक लाने का सरकार से अनुरोध किया है। उन्होंने कहा कि लद्दाख को छठी अनुसूची में शामिल करने से वहां की जनता की सांस्कृतिक, विकासात्मक और राजनीतिक आकांक्षाओं को पूरा करने में महत्वपूर्ण पहल साबित होगी और इससे वहां के लोगों के अधिकार, भूमि और पहचान की रक्षा सुनिश्चित की जा सकेगी। जम्मू-कश्मीर को लेकर उन्होंने कहा कि पहले किसी भी सरकार ने किसी भी राज्य को केंद्रशासित प्रदेश में नहीं बदला है। इसके उलट केंद्र शासित प्रदेशों को राज्य का दर्जा दिया गया है, लेकिन जम्मू-कश्मीर के मामले में सरकार ने अभूतपूर्व काम किया है और अब उसका राज्य का दर्जा बहाल करना आवश्यक हो गया है। उन्होंने मोदी को संबोधित पत्र में कहा कि उन्होंने पहले कई बार जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा वापस देने वादा किया है। उन्होंने उम्मीद जताई कि संसद के इसी सत्र में जम्मू-कश्मीर के लोगों के संवैधानिक अधिकारों की रक्षा करते हुए जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा मिल जाएगा।

इस दिन का इंतजार था, राहुल-खड़गे के पत्र पर उमर की प्रतिक्रिया

जम्मू। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की ओर से जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को लिखे गए संयुक्त पत्र पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने बुधवार को कहा कि वह इसी दिन की प्रतीक्षा कर रहे थे जब विपक्ष संसद और दिल्ली में आवाज उठाएगा। अब्दुल्ला ने बुधवार को कहा कि यह अच्छी बात है। हम तो इसी दिन का भी इंतजार कर रहे थे जब विपक्ष संसद और दिल्ली में हमारी आवाज उठाएगा। मैं मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी का आभारी हूं कि उन्होंने केंद्र के समक्ष जम्मू-कश्मीर के राज्य के दर्जे का मुद्दा उठाया। हम ऐसी कोई चीज नहीं मांग रहे, जिसका हमसे वादा न किया गया हो। संसद में और संसद के बाहर सार्वजनिक कार्यक्रमों में और शीर्ष न्यायालय में भी बार-बार कहा गया है कि उचित समय पर जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा दिया जाएगा। जब शीर्ष न्यायालय ने अपना फैसला सुनाया था, तो उसने कहा था कि जम्मू- कश्मीर को जल्द से जल्द राज्य का दर्जा दिया जाना चाहिए।

सेंसेक्स 83634.48
निफ्टी 25212.05

सोना रु. 97460
प्रति 10 ग्राम (24 कैरेट)

अर्थ व्यापार

चांदी रु. 110996
प्रति किलो

शेयर बाजारों में हल्की तेजी, लगातार दूसरे दिन हरे निशान में बंद हुए प्रमुख सूचकांक

मुंबई, वार्ता

ग्रामीण अर्थव्यवस्था में मांग में उभार के संकेतक बीच ऑटो, एफएमसीजी, आईटी और पीएसयू बैंकिंग शेयरों में लिवाली के समर्थन से बुधवार को घरेलू शेयर बाजार लगातार दूसरे दिन हरे निशान में बंद हुए। सीमित और सावधानी भरे कारोबार के बीच शुरुआती गिरावट से उबरता कर बीएसई का सेंसेक्स 0.08 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ 82,634.48 अंक पर बंद हुआ।

नेशलन स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के निफ्टी50 में 0.06 प्रतिशत की हल्की तेजी रही और कारोबार की समाप्ति पर यह 25,212.05 अंक पर रहा। तीस शेयरों वाले संवेदी सूचकांक सेंसेक्स की 15 कंपनियां लाल निशान में बंद हुईं। महिंद्रा एंड महिंद्रा में सबसे ज्यादा 2.10 प्रतिशत की तेजी रही। बुधवार को जारी मजबूत तिमाही आंकड़ों के दमपर टेक महिंद्रा के शेयर 1.94 प्रतिशत चढ़े। इटरनल में सबसे ज्यादा 1.58 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई।

एशियाई बाजारों के लाल निशान में रहने और रुपए में गिरावट के कारण शेयर बाजारों के प्रमुख सूचकांक दोपहर तक गिरावट में थे। हालांकि बाद में यूरोपीय बाजारों से मिले सकारात्मक संकेतों से बाजार में तेजी लौटी। एनएसई के ज्यादा शेयरों वाले सूचकांकों में हल्की तेजी रही। निफ्टी 100 में 0.09 प्रतिशत, निफ्टी मिडकैप 100 में 0.01 प्रतिशत और निफ्टी स्मॉलकैप 100 में 0.03 प्रतिशत की मामूली बढ़त दर्ज की गई। एनएसई में ऑटो, एफएमसीजी, आईटी, पीएसयू बैंक, रियलिटी और तेल एवं गैस सेक्टरों में लिवाली का जोर रहा। गैर-बैंकिंग वित्तीय सेवाओं, हेल्थकेयर, फार्मा और धातु सेक्टर दबाव में रहे।

विदेशों में एशियाई बाजारों में गिरावट रही। जापान का निक्केई, हांगकांग का हैंगसेंग और चीन का शंघाई कंपोजिट लाल निशान में बंद हुए यूरोपीय बाजारों में ब्रिटेन का एफटीएसई तेजी पर था। एलकेपी सिक्योरिटीज़ के वरिष्ठ तकनीकी विश्लेषक रूपक डे ने एक बाजार. टिप्पणी में कहा कि निफ्टी 50 सूचकांक 50.दिवसीय सचल औसत 50 डीएमए से ऊपर बना हुआ है, जो एक सकारात्मक अल्पकालिक रुझान को दर्शाता है।

सोने और चांदी के दाम गिरे

नई दिल्ली। सोने-चांदी के दाम में बुधवार को गिरावट दर्ज की गई है। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन के अनुसार 24 कैरेट सोने का दाम आज 456 रुपए गिरकर 97,460 रुपए प्रति 10 ग्राम पर आ गया है। इससे पहले इसका दाम 97,916 रुपए पर था। वहीं चांदी की कीमत 1,001 कम होकर 1,10,996 प्रति किलोग्राम हो गई है। इससे पहले ये 1,11,997 पर थी।

देश के चार महानगरों दिल्ली में 24 कैरेट सोने की कीमत 99,439 और 22 कैरेट सोने की कीमत 91,150 रही, वहीं मुंबई में 24 कैरेट सोने की कीमत 99,280 और 22 कैरेट सोने की कीमत 91,000 थी। जबकि कोलकाता में 24 कैरेट सोने की कीमत 99,280 और 22 कैरेट सोने की कीमत 91,000 रही। वहीं चेन्नई में 24 कैरेट सोने की कीमत 99,280 और 22 कैरेट सोने की कीमत 91,000 रही। हमेशा ब्यूरो आफ इंडियन स्टैंडर्ड का हॉलमार्क लगा हुआ सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें। सोने पर 6 अंकों का हॉलमार्क कोड रहता है।

अन्नपूर्ति एटीएम से राशन पाने का डिजिटल और आसान तरीका

नई दिल्ली, वार्ता

आपने पैसे निकालने के लिए एटीएम मशीन का इस्तेमाल किया होगा, लेकिन अब आपको एटीएम मशीन से राशन भी मिल सकता है। डिपार्टमेंट आफ फूड एंड पब्लिक डिस्ट्रिब्यूशन ने 'अन्नपूर्ति एटीएम' की एक वीडियो शेयर की है। इसकी मदद से आप अपने हिस्से का राशन ले सकते हैं।

इससे मशीन की वजह से लोगों राशन की दुकानों पर लंबी-लंबी कतारें पर खड़े होने की जरूरत नहीं पड़ेगी। इस मशीन का ठीक इस तरह इस्तेमाल किया जा सकता है, जैसे पैसे निकालने के लिए एटीएम का उपयोग होता है। इसमें पैसे की गेहूं, चावल और चीनी जैसे अनाज निकलेंगे। डिपार्टमेंट आफ फूड एंड पब्लिक डिस्ट्रिब्यूशन की ओर से सोशल मीडिया पर भी शेयर किए गए वीडियो में बताया है कि यह मशीन 5 मिनट में 50 किलो तक अनाज डिस्ट्रिब्यूट करती है। इससे लोगों का 70 प्रतिशत तक समय बचता है। यह मशीन ऑटोमैटिक तरीके से राशन डिस्ट्रिब्यूट का काम करती है। यह राशन पाने का एक डिजिटल और आसान तरीका है। यह मशीन राशन डिस्ट्रिब्यूशन से जुड़ी कई परेशानियों को दूर कर सकती है। इसकी मदद से कोई भी शख्स सिर्फ राशन कार्ड नंबर और अंगूठे की मदद से अपने हिस्से का राशन ले सकता है। इस मशीन की वजह से लोगों को सरकारी राशन की दुकान पर खड़े रहकर अपनी बारी आने का इंतजार नहीं करना पड़ेगा, साथ ही इससे राशन लेने आए लोगों का समय भी बचेगा। इसके अलावा मशीन से अनाज बिखरने से भी बटाएगी।

प्रथम पृष्ठ के शेष...

उदयपुर फाइल्स...

दिल्ली हाईकोर्ट का फैसला असंवैधानिक है, क्योंकि हाईकोर्ट ने मौलाना अरशद मदनी की याचिका पर सुनवाई करते हुए महज़ दो दिनों में फिल्म की रिलीज़ पर रोक लगा दी, जबकि मेरे मुवक्किल के पास सेंसर बोर्ड का सर्टिफिकेट है।

गौरव भाटिया ने यह भी कहा कि फिल्म की रिलीज़ रुकने से निर्माता को करोड़ों का नुकसान हो रहा है। हालांकि, अदालत ने भाजपा प्रवक्ता एवं एडवोकेट गौरव भाटिया की दलीलों से सहमति नहीं जताई और कहा कि मौलाना अरशद मदनी ने सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय में सर्टिफिकेट पर पुनर्विचार की याचिका दी है, जिस पर बुधवार दोपहर 2:30 बजे सुनवाई होनी है। ऐसे में अभी फिल्म की रिलीज़ पर लगी रोक हटाना उचित नहीं होगा। अदालत ने कहा कि दिल्ली हाईकोर्ट का फैसला सही है या नहीं, इस पर बाद में फैसला होगा। फिलहाल, मंत्रालय को मौलाना मदनी की याचिका पर फैसला लेने दिया जाए। गौरव भाटिया ने अदालत से अनुरोध किया कि मंत्रालय को निर्देश दिया जाए कि वह आज ही याचिका पर निर्णय ले और फिर अदालत शुक्रवार को मामले की सुनवाई करे, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने यह अनुरोध खारिज कर दिया और कहा कि मंत्रालय को सभी पक्षों की दलीलें सुनकर फैसला लेने के लिए उचित समय दिया जाना चाहिए। अगली सुनवाई अब सोमवार को होगी। सुप्रीम कोर्ट में बुधवार की कार्यवाही पर प्रतिक्रिया देते हुए जमीयत उलमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी ने संतोष जताया और कहा कि पीठ में शामिल जजों की टिप्पणियां बहुत महत्वपूर्ण हैं, जो इस मामले की संवेदनशीलता को दर्शाती हैं। भले ही जजों ने खुद फिल्म नहीं देखी, लेकिन दिल्ली हाईकोर्ट की हिदायतों और फिल्म के कई आपत्तिजनक दृश्यों को हटवाने की कार्रवाई को देखकर अदालत को यह अहसास है कि मौजूदा रूप में फिल्म की रिलीज़ से देश की शांति और कानून व्यवस्था को खतरा हो सकता है। मौलाना मदनी ने कहा कि अदालत की यह टिप्पणी कि फिल्म की रिलीज़ में देरी से कोई नुकसान नहीं होगा, लेकिन अगर रिलीज़ से देश का माहौल बिगड़ा, तो यह बड़ा नुकसान होगा, हमारी कानूनी लड़ाई को सही ठहराती है। उन्होंने विश्वास जताया कि सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय संविधान और कानून की मर्यादा को ध्यान में रखते हुए ऐसा फैसला देगा, जो भविष्य में एक मिसाल बनेगा, और उन फिल्म निर्माताओं को सबक देगा जो सांप्रदायिक शक्तियों को खुश करने के लिए समाज में ज़हर घोलते हैं। इस बीच, मौलाना अरशद मदनी की ओर से पैरवी कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने अदालत को बताया कि उन्होंने खुद यह फिल्म देखी है और देखने के बाद वे भीतर से हिल गए क्योंकि इसमें एक विशेष समुदाय के खिलाफ नफरत फैलाने वाले दृश्य हैं। कपिल सिब्बल ने आग्रह किया कि अदालत को यह फिल्म देखनी चाहिए। उन्होंने कहा कि जो भी जज यह फिल्म देखेगा, वह इसकी रिलीज़ की अनुमति नहीं देगा। इस पर जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची ने हैरानी जताई कि कपिल सिब्बल ने फिल्म देखी है। अदालत ने मौखिक रूप से कहा कि अभी के हालात में मामला उन याचिकाकर्ताओं के पक्ष में ज्यादा मजबूत है, जिन्होंने फिल्म पर स्टे की मांग की है, क्योंकि फिल्म के सर्टिफिकेट की वैधता पर पुनर्विचार अभी बाकी है। सुनवाई के दौरान अदालत ने फिल्म निर्माता और कन्हैयालाल के बेटे को सुरक्षा देने के लिए पुलिस कमिश्नर से संपर्क करने का आदेश भी दिया। अदालत ने मोहम्मद जावेद की याचिका पर भी सुनवाई की, जो कन्हैयालाल हत्याकांड में आरोपी हैं और उन्होंने भी फिल्म की रिलीज़ के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की है। वरिष्ठ वकील मेनका गुरुस्वामी ने अदालत को बताया कि फिल्म में न केवल एक समुदाय के खिलाफ नफरत फैलाई गई है, बल्कि न्यायपालिका पर भी आपत्तिजनक टिप्पणियां हैं। इसके अलावा, फिल्म में ज्ञानवापी और कन्हैयालाल हत्याकांड जैसे मामलों का ज़िक्र भी किया गया है, जो अभी अदालत में विचाराधीन हैं। उन्होंने कहा कि फिल्म की रिलीज़ निष्पक्ष ट्रायल को प्रभावित कर सकती है। फिल्म निर्माता के वकील गौरव भाटिया ने कोर्ट से अनुरोध किया कि शुक्रवार को मामले की सुनवाई की जाए, लेकिन दो सदस्यीय पीठ ने कहा कि फिल्म की रिलीज़ में देरी से कोई नुकसान नहीं होगा, लेकिन अगर इससे देश की शांति प्रभावित हुई, तो यह ज्यादा बड़ा नुकसान होगा। अदालत ने कहा कि हो सकता है कि केंद्र सरकार फिल्म से और भी आपत्तिजनक दृश्य हटवाए, जिसके खिलाफ निर्माता कोर्ट का रुख कर सकते हैं। इसलिए पहले सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय को फैसला लेने दिया जाए।

उच्च न्यायालय ने पॉक्सो एक्ट के दुरुपयोग पर की सख्त टिप्पणी

लखनऊ। इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ ने बच्चों की लैंगिक उत्पीड़न से हिफाजत के कानून (पॉक्सो एक्ट) के दुरुपयोग के मामले में सख्त टिप्पणी की है। कोर्ट ने कहा कि संपत्ति हड़पने या संपत्ति विवादों को लेकर परिवार के लोगों के खिलाफ बच्चों के लैंगिक उत्पीड़न समेत गंभीर आरोप लगाने का आमतौर पर काफी चलन हो गया है। इस टिप्पणी के साथ कोर्ट ने दुष्कर्म समेत पॉक्सो एक्ट के आरोपों वाले मामले में नौ साल जेल में बंद सजायाफ्ता व्यक्ति की अपील मंजूर करके तत्काल रिहा करने का आदेश दिया है। न्यायाधीश सुभाष विद्यार्थी की एकल पीठ ने यह फैसला हरदोई के राम सनेही की जेल से भेजी गई अपील को मंजूर करके दिया।

शाह टाइम्स क्लासीफाइड्स Sale

स्त्री के सामने लज्जित होने से बेहतर है
आज ही इलाज करा लेना खोई हुई मर्दाना ताकत दोबारा प्राप्त करने के लिए आज ही मिलें या फोन करें।
काजीजादा, अमरोहा-UP
हाशमी दवाखाना
9997161320, 8272800800

काम कोर्स उदास क्यों?
अधिक संतुष्टि, हैरतअंगेज पावर, शीघ्रपतन, नपुंसकता, बचपन की गलतियों से हमेशा के लिए छुटकारा।
फोन कर घर बैठे औषधियां डाक द्वारा प्राप्त करें।
ऋषि इन्टरनेशनल
08899787114
09808917010

Cipzer
HEALTH WITH CARE
जॉन्डिस क्योर
लिवर का जिगरी दोस्त
भूख की कमी, बदहजमी, जॉन्डिस, फैटी लीवर, एल्कोहलिक लिवर डिजीज आदि से लड़ने की ताकत देता है ताकि आप रहें फिट एण्ड एक्टिव
प्रमुख मेडिकल स्टोर पर उपलब्ध।
86 8484 5757 info@cipzer.com

वैधानिक सूचना
पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार में प्रकाशित होने वाले सभी विज्ञापनों पर कार्यवाही करने से पहले पूरी जांच-पड़ताल कर लें तथा उचित सलाह ले लें। कोई भी अभिदाता जो इस अखबार में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संदर्भ में कोई राशि भेजता है, किसी चिकित्सीय सलाह पर कोई कार्यवाही या खर्च करता है या कोई वचन देता है, तो ऐसा वह स्वविवेक, बुद्धि तथा जोखिम पर करेंगे। कम्पनी, प्रकाशक या उसका कोई कर्मचारी विज्ञापनदाता या उसके किसी उत्पाद या सेवा हेतु किये गये किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन नहीं देते तथा ऐसे विज्ञापनों विश्वास करके किसी व्यक्ति को हुई क्षति, हानि परिणाम के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

पर्वतारोहण व साहसिक पर्यटन को मिलेगी नई उड़ान: धीराज

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। उत्तराखण्ड पर्यटन विकास परिषद के सीईओ और पर्यटन सचिव धीराज सिंह गर्ब्याल की अध्यक्षता में साहसिक पर्यटन और पर्वतारोहण के विस्तार को लेकर एक उच्चस्तरीय बैठक आयोजित की गई।

बैठक में कई प्रमुख विभागों, पर्वतारोहण फाउंडेशन, ईकोटूरिज्म निगम और विभिन्न हितधारकों ने हिस्सा लिया। बैठक में 13 अहम बिंदुओं पर निर्णय लिए गए। सचिव धीराज सिंह ने कहा कि उत्तराखण्ड अब साहसिक पर्यटन को संरचित रूप से बढ़ाने की दिशा में मजबूत कदम बढ़ा चुका है। बैठक में आई.एम.एफ. अध्यक्ष कर्नल विजय सिंह, निदेशक कर्नल मदन गुरूंग, सीसीएफ प्रसन्न कुमार पात्रो, टी.टी.एफ. के राकेश पंत, एडवेंचर एक्सप्लोरर्स के वैभव काला, डॉ. पूजा गर्ब्याल समेत कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

उच्च स्तरीय बैठक में 13 अहम बिंदुओं पर निर्णय लिए गए

नंदा देवी शिखर खोलने का प्रस्ताव: पर्वतारोहण हेतु नंदा देवी को पुन: खोलने की प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश। सीमावर्ती चोटियों पर अभियानों की स्वीकृति में तेजी: राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के दिशा-निर्देशों के अनुरूप प्रस्ताव। शीतकालीन पर्यटन को बढ़ावा: गंगोत्री राष्ट्रीय उद्यान को अक्टूबर से मार्च तक खुला रखने की मांग, हिम तेंदुए आधारित ईको-टूरिज्म को समर्थन। पर्यटकों की सुरक्षा पर जोर: वन विभाग, टूर ऑपरेटर और ५.ड.४. के बीच समन्वित सुरक्षा तंत्र विकसित करने के निर्देश। सिंगल विंडो पोर्टल निर्माणाधीन: ट्रैकिंग पंजीकरण प्रक्रिया को सरल बनाने हेतु एकीकृत पोर्टल जल्द लॉन्च होगा। 6000 मीटर से कम ऊंचाई वाली चोटियों को ओपन पीक घोषित करने की पहल: बलजूरी, लस्पाधुरा, भनोल्टी और रूद्रगयेरा शामिल। उत्तरकाशी के सांद्रा पुल ख भोजबासा पुल का पुनर्विकास: हितधारकों की अपेक्षाओं के अनुरूप योजना। ट्रेकिंग रूट्स की वहन क्षमता का पुनर्मूल्यांकन: स्थलों की सूची बनाकर कार्य शीघ्र आगे बढ़ाने के निर्देश। ट्रैकरों की संख्या पर सीमा निर्धारित करने का प्रस्ताव: निगरानी और पारदर्शिता को बढ़ावा देने हेतु। दुर्घटनाओं पर त्वरित कार्रवाई: साहसिक गतिविधियों में घटनाओं की तत्काल रिपोर्टिंग और आवश्यक कार्रवाई की व्यवस्था। ग्राउंड स्तर पर सहभागिता और प्रशासनिक समन्वय: स्थानीय कर्मचारियों की भागीदारी अनिवार्य; जिला प्रशासन को पूर्व सूचना देने के निर्देश। राष्ट्रीय स्तर पर वार्षिक सम्मेलन का प्रस्ताव: सभी स्टेकहोल्डर्स और ऑपरेटर्स को एक मंच पर लाने की योजना। भविष्य में नियमित बैठकें: बेहतर समन्वय और संगठित विकास के लिए निरंतर संवाद की सहमति।

कांग्रेस ने उठाई निर्वाचन आयुक्त को बर्खास्त करने की मांग

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष करन माहरा ने राज्य निर्वाचन आयुक्त सुशील कुमार को पद से हटाने की मांग करते हुए राज्यपाल ले. जन. (सेनि.) गुरमीत सिंह को पत्र लिखा है।

माहरा ने इस मुद्दे को लोकतांत्रिक प्रक्रिया की निष्पक्षता पर हमला बताते हुए इसे गंभीर संवैधानिक चूक करार दिया।

कांग्रेस अध्यक्ष ने अपने पत्र में कहा कि राज्य निर्वाचन आयुक्त की और से लिया गया निर्णय, जिसमें शहरी और ग्रामीण निकायों दोनों में

मतदाता पंजीकरण वाले व्यक्ति को ग्राम पंचायत चुनाव लड़ने की अनुमति दी गई है, सीधा-सीधा प्रति. निधित्व अधिनियम 1950 और 1951 का उल्लंघन है। इसके अलावा यह निर्णय उत्तराखंड उच्च न्यायालय के पूर्ववर्ती आदेशों के भी खिलाफ है।माहरा ने कहा कि आयोग का यह फैसला न केवल कानून के खिलाफ है, बल्कि इससे आयोग की निष्पक्षता और विश्वसनीयता पर भी प्रश्नचिह्न लगते हैं। उन्होंने राज्यपाल से मांग की है कि ऐसी संवैधानिक मर्यादाओं का उल्लंघन करने वाले अधिकारी को तत्काल प्रभाव से पद से हटाया जाए। प्रदेश अध्यक्ष ने राज्यपाल से इस विषय पर मिलने का समय भी मांगा है और भरोसा जताया कि राज्यपाल इस गंभीर मामले में शीघ्र, निष्पक्ष और संवैधानिक कदम उठाएं।

सीएम ने लगाया रुद्राक्ष, दिया प्रकृति संरक्षण का संदेश

- देहरादून सहित राज्यव्यापी पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित
- हरेला का त्योहार मनाओ, धरती मां का ऋण चुकाओ थीम पर पौधारोपण

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। उत्तराखंड के लोकपर्व हरेला के पावन अवसर पर गोरखा मिलिट्री इंटर कॉलेज परिसर, देहरादून में "हरेला का त्योहार मनाओ, धरती माँ का ऋण चुकाओ" थीम पर आयोजित राज्यव्यापी पौधारोपण कार्यक्रम में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को प्रतिभाग करते हुए समस्त प्रदेशवासियों को हरेला पर्व की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर उन्होंने रुद्राक्ष का पौधा रोपा।

इस अवसर पर विधायक सविता कपूर, खजान दास, देहरादून के मेयर सौरभ थपलियाल, मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन, प्रमुख सचिव आर.के. सुधांशु, पुलिस महानिदेशक दीपम सेठ, प्रमुख वन संरक्षक समीर सिन्हा सहित वन विभाग के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

पेड़ बनना ही पौधारोपण की सच्ची सफलता: धामी

मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल की जाए, जब तक वे वृक्ष का रूप न ले लें। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड प्राकृतिक सौंदर्य और जैव विविधता से समृद्ध राज्य है, जिसकी रक्षा करना हम सभी का नैतिक कर्तव्य है।

हरेला हमारी संस्कृति और चेतना का पर्व: मुख्यमंत्री ने कहा कि हरेला केवल एक पर्व नहीं, बल्कि उत्तराखंड की संस्कृति, प्रकृति और चेतना से जुड़ा एक गहरा भाव है, जो हमें पर्यावरण के प्रति हमारी जिम्मेदारियों की याद दिलाता है। उन्होंने बताया कि हरेला पर्व के दिन लगभग 5 लाख पौधे रोपे जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

पीएम के नेतृत्व में पर्यावरण संरक्षण को नया आयाम: मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में चल रहे 'पंचामृत संकल्प', 'नेट जीरो इमिशन', 'लाइफस्टाइल फॉर एनवायरनमेंट' और 'एक पेड़ माँ के नाम' जैसे अभियानों का उल्लेख करते हुए कहा कि राज्य सरकार भी इन्हीं मूल्यों को आत्मसात करते हुए कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष देशभर में 108 करोड़ पौधे लगाए जाने का लक्ष्य रखा गया है।

जल स्रोतों के संरक्षण की पहल: सारा का गठन- मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में पर्यावरण संरक्षण के लिए 'स्प्रिंग एंड रिवर रिजुविनेशन अथॉरिटी का गठन किया गया है। इसके माध्यम से अब तक 6,500 से अधिक जल स्रोतों का संरक्षण और 3.12 मिलियन घन मीटर वर्षा जल का संचयन किया गया है। उन्होंने कहा कि राज्य में सिंगल यूज प्लास्टिक पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया गया है और वाहनों में कूड़ेदान अनिवार्य कर दिया गया है।

मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से आह्वान किया कि वे अपने जीवन के विशेष अवसरों पर एक पौधा अवश्य लगाएं और उसकी देखभाल करें, जिससे पर्यावरण संरक्षण को जनांदोलन बनाया जा सके।

प्रकृति की रक्षा करना एक पुनीत कर्तव्य: गणेश जोशी

कृषि मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि उत्तराखंड में श्रावण मास में हरेला पूजन के उपरांत वृक्षारोपण करने की परंपरा सदियों से चली आ रही है, जो हमारी सांस्कृतिक चेतना और पर्यावरणीय जिम्मेदारी का प्रमाण है। हरेला पर्व हमें यह सिखाता है कि प्रकृति की रक्षा करना केवल दायित्व नहीं, बल्कि एक पुनीत कर्तव्य है।

पौधों का सर्वाइवल रेट 80 प्रतिशत से अधिक: सुबोध उनियाल

वन मंत्री सुबोध उनियाल ने कहा कि लोकपर्व हरेला प्रदेश के 2,389 स्थानों पर मनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पिछले तीन वर्षों में हरेला पर्व पर लगाए गए पौधों का सर्वाइवल रेट 80 प्रतिशत से अधिक रहा है। उन्होंने जल स्तर में हो रही गिरावट को गंभीर चिंता का विषय बताया और कहा कि इसके लिए हमें पौधारोपण एवं जलधाराओं के संरक्षण हेतु निरंतर प्रयास करने होंगे।

एक वृक्ष लगाना दस बच्चों के समान: जोशी

- कृषि मंत्री ने हरेला पर अपनी धर्मपत्नी के साथ शासकीय आवास पर किया वृक्षारोपण

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। प्रदेश के कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने बुधवार को लोकपर्व हरेला के पावन अवसर पर अपने शासकीय आवास पर अपनी धर्मपत्नी निर्मला जोशी के साथ फलदार वृक्ष का रोपण किया। इस अवसर पर मंत्री ने प्रदेशवासियों को हरेला पर्व की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

कृषि मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि हरेला का अर्थ हरियाली से जुड़ा है और यह पर्व हरियाली, समृद्धि एवं नई ऋतु की शुरुआत का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि परंपरागत मान्यताओं के अनुसार हरेला जितना बड़ा होगा, किसान की फसल उतनी ही अधिक फलदायी होगी। उन्होंने कहा कि हरेला उत्तराखंड की सांस्कृतिक विरासत और पर्यावरण संरक्षण से जुड़ा पर्व है, जो हमें हरियाली, पशुपालन और प्रकृति के साथ सामंजस्य का संदेश देता है। मंत्री ने कहा कि श्रावण मास में हरेला पूजन के उपरांत वृक्षारोपण की परंपरा उत्तराखंड की विशेष पहचान रही है। कृषि मंत्री ने इस अवसर पर लोगों से आह्वान किया कि "एक वृक्ष लगाना दस बच्चों के समान है", इस भावना के साथ सभी को पर्यावरण संरक्षण में भागीदारी निभानी चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश भर में विभिन्न संस्थाओं, स्वयंसेवी संगठनों और आम जनमानस की सहभागिता से फलदार पौधों का रोपण किया जा रहा है।

विकास के मुद्दे पर सभी 12 जिला पंचायत अध्यक्ष सीट पर खिलेगा कमल: भट्ट

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून । भाजपा के पंचायत चुनाव अभियान को गति देने प्रवास पर निकले प्रदेशाध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद महेंद्र भट्ट ने विकास के मुद्दे पर सभी 12 जिला पंचायत अध्यक्ष सीट पर कमल खिलने का दावा किया है। उन्होंने कहा कि, हमारे सभी पदाधिकारी, विधायक गांव गांव पार्टी समर्थित प्रत्याशियों और कार्यकर्ताओं को जिताने में जुटे हैं और विपक्ष अभी भी चुनाव टालने के लिए राजनैतिक टोटके करने में लगा है।

- भाजपा के पंचायत अभियान को गति देने के लिए चार दिवसीय प्रवास पर हैं प्रदेश अध्यक्ष

अपने चार दिवसीय प्रवास के पहले दिन देहरादून ग्रामीण के सहसपुर क्षेत्र पहुंचे प्रदेश अध्यक्ष का कार्यकर्ताओं ने सुधोवाला , सेलाकुई , सहसपुर, हर्बटपुर विकास नगर में स्वागत किया । इस अवसर पर उन्होंने विकासनगर में सहसपुर और विकासनगर पंचायत चुनाव से संबंधित कार्यकर्ताओं, जिला अध्यक्ष, जिला प्रभारी, सह प्रभारी, विधानसभा प्रवासी कार्यकर्ताओं और संयोजकों की समीक्षा बैठक ली। वहां मीडिया से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा की एक ही चुनाव पद्धति है, कार्यकर्ताओं के उत्साह और एकजुटता से अपनी उपलब्धियों के आधार जनता का विश्वास जीतना। हमारे महामंत्री संगठन एवं सभी महामंत्री, पदाधिकारी विधायकों के साथ गांव-गांव जनता के बीच पहुंच रहे हैं। जहां हम अपनी केंद्र एवं राज्य सरकारों के उपलब्धियां के आधार पर जनता से विकास की गाड़ी में तीसरा इंजन लगाने का अनुरोध कर रहे हैं। बैठक में सहसपुर विधायक सहदेव पुंडीर, देहरादून ग्रामीण अध्यक्ष मीता सिंह, जिला प्रभारी महिला मोर्चा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष नेहा जोशी, कुलदीप कुमार , नीरू देवी आदि मौजूद रहे । इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष के साथ प्रदेश मीडिया प्रभारी मनवीर चौहान भी मौजूद रहे।

भाजपा ने हरेला पर प्रदेश भर में किया वृक्षारोपण

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद महेंद्र भट्ट के नेतृत्व में भाजपा परिवार ने बुधवार को प्रदेशभर में लोकपर्व हरेला के शुभ अवसर पर वृक्षारोपण किया। पीएम नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से ष्एक पेड़ माँ के नामष अभियान के अंतर्गत प्रदेश अध्यक्ष ने विकास नगर में कार्यकर्ताओं के साथ पौधारोपण किया।

इस दौरान अपने संदेश में उन्होंने कहा, हरेला केवल एक पर्व नहीं, बल्कि उत्तराखंड की सांस्कृतिक चेतना, हमारी पारंपरिक आस्था और प्रकृति के प्रति हमारे कर्तव्य का प्रतीक है। यह पर्व हमें न केवल वृक्षारोपण का संदेश देता है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और मातृभूमि के प्रति हमारी जिम्मेदारियों की भी याद दिलाता है। देवभूमि का यह पावन पर्व देवतुल्य और पर्यावरण से आच्छादित स्वरूप का बोध कराता है। पार्टी कार्यकर्ताओं द्वारा हर वर्ष लाखों की संख्या में वृक्ष लगाए जाते हैं। इस वर्ष भी मंडल स्तर पर इस अभियान को चलाया जा रहा है, ताकि देवभूमि से जाने वाला हरियाली का यह संदेश और अधिक प्रभावी हो।

हरेला पर कांग्रेस अध्यक्ष माहरा ने बच्चों संग किया वृक्षारोपण

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष करन माहरा ने देहरादून के रेसकोर्स क्षेत्र में स्थित माउंट स्कूल के छात्र-छात्राओं के साथ हरेला पर्व के पावन अवसर पर वृक्षारोपण किया। इस अवसर पर उन्होंने बच्चों को मिष्ठान वितरित किए तथा हरेला पर्व के महत्व और वृक्षारोपण से होने वाले लाभों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी।

माहरा ने छात्रों को पर्यावरण संरक्षण का संकल्प दिलाया और आह्वान किया कि वे भविष्य में निरंतर वृक्षारोपण करेंगे तथा अपने जन्मदिन

एवं अन्य विशेष अवसरों पर अपने मित्रों को पौधे उपहार स्वरूप भेंट करेंगे। इस अवसर पर रोज माउंट स्कूल की शिक्षिकाएं, महानगर कांग्रेस अध्यक्ष जसविंदर सिंह गोगी, अध्यक्ष के सलाहकार अमरजीत सिंह, कांग्रेस के महामंत्री नवीन जोशी, एससी विभाग के अध्यक्ष मदनलाल, कांग्रेस प्रवक्ता गिरिराज किशोर, वार्ड नंबर 21 के पूर्व पार्षद अनूप कपूर व गुल मोहम्मद सहित अनेक समाजसेवी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बीकेटीसी अध्यक्ष ने उड़ाई डीजीसीए के निर्देशों की धज्जियां: कांग्रेस

देहरादून(शाह टाइम्स संवाददाता)। चारधाम यात्रा के दौरान डीजीसीए की और से मानसून में हेलीकॉप्टर उड़ानों पर लगाए गए प्रतिबंध के बावजूद बीकेटीसी अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी की और से केदारनाथ धाम की हवाई यात्रा करने पर कांग्रेस की मुख्य प्रवक्ता गरिमा मेहरा दसौनी ने कड़ा एतराज जताया है। गरिमा ने आरोप लगाया कि यह वीआईपी संस्कृति का घोर प्रदर्शन है और नियमों की खुली अवहेलना है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब आम श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए उड़ानों पर रोक है तो बीकेटीसी अध्यक्ष को यह विशेष छूट किस आधार पर दी गई? उन्होंने तीन मांगें रखीं, कहा कि हेमंत द्विवेदी पर तत्काल कार्रवाई हो। यूकाडा व डीजीसीए स्पष्ट करें कि अनुमति कैसे मिली।

कांग्रेस के धृतराष्ट्र हैं हरीश रावत : चौहान

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। भाजपा के प्रदेश मीडिया प्रभारी मनवीर सिंह चौहान ने कहा कि हिंदू सनातन मतावलंबियों का अपने महाग्रंथ भागवत गीता और रामायण मे अगाध श्रद्धा है और ये हमारी दिनचर्या तथा जीवनचर्या का महत्वपूर्ण हिस्सा है, लेकिन कांग्रेस के वरिष्ठ नेता हरीश रावत जिस तरह से भागवत गीता मे श्रीकृष्ण के उपदेशों को दुर्योधन से घालमेल की कोशिश कर रहे हैं वह एक तरह से धर्म शास्त्र का उपहास भी है।

चौहान ने कहा कि कर्म योग को नये सिरे से परिभाषित कर रहे हरदा को यह खुद ही तय करना चाहिए कि वह कांग्रेस के बुजुर्ग नेता हैं और उन पर कौन सा किरदार फिट बैठता है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस में बड़े से छोटे नेताओं की लम्बी फेहरिस्त हैं जो उन्हें धृतराष्ट्र के रूप मे देखते हैं।

उन्होंने कहा कि देश और राज्य के बजाय वह परिवार के मोह मे शुरू से ही फंसे रहे हैं और अपनी सुविधा के अनुसार न्याय के तराजू को पकड़ने का नाटक करते हैं। चौहान ने कहा कि उन्हे देश की संसद के लिए भी उम्मीदवार परिवार से चाहिए तो राज्य की विधान सभा के लिए परिवार का कोई सदस्य हो और जब सीएम की बात हों तो वह स्वभाविक दावेदार रहते हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस मे चल रही महाभारत मे वह खुद ही धृतराष्ट्र और खुद ही दुर्योधन की भूमिका मे हैं।

मदरसा फैजुल उलूम में हरेला पर्व हर्षोल्लास से मनाया गया

देहरादून। मदरसा फैजुल उलूम कावली में बुधवार को हरेला पर्व धूमधाम और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर बच्चों, शिक्षकों और स्टाफ ने मिलकर विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपे और पर्यावरण संरक्षण का सामूहिक संकल्प लिया। कार्यक्रम की शुरुआत विशेष दुआ के साथ हुई, जिसमें सभी ने उत्तराखंड की परंपरा और प्रकृति को संरक्षित रखने की प्रार्थना की। इसके बाद शिक्षकों और विद्यार्थियों ने मदरसे परिसर में आम, नीम, गुलमोहर, तुलसी और पीपल जैसे पौधे लगाए। बच्चों को पौधों की देखभाल की जिम्मेदारी भी सौंपी गई। इस अवसर पर मदरसे के प्रबंधक मौलाना हुसैन अहमद ने कहा कि ष्हरेला पर्व सिर्फ एक परंपरा नहीं, बल्कि हमारी आने वाली पीढ़ियों के लिए एक हरित भविष्य की ओर कदम है।

हरेला हमारी सांस्कृतिक विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा: महाराज

- नौलों-धारों के संरक्षण लिए जलागम ने बनाया भगीरथ एप
- जलागम मंत्री ने हरेला पर किया वृक्षारोपण, जलागम दर्पण पत्रिका का भी किया लोकार्पण

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। हमारी सरकार उत्तराखण्ड के प्राकृतिक संसाधनों और यहां की हरियाली के संरक्षण के लिए अत्यंत गंभीर है। इसके लिए हर स्तर प्रयास किए जा रहे हैं। जलागम विभाग भी केन्द्र पोषित श्प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना जलागम घटक 2.0 तथा विश्व बैंक वित्त पोषित उत्तराखण्ड जलवायु अनुकूल बारानी कृषि परियोजना के माध्यम से हरियाली और पानी को संरक्षित करने के लिए लगातार प्रयासरत है।

यह बात प्रदेश के जलागम, पर्यटन, धर्मस्व, संस्कृति, पंचायतीराज, लोक निर्माण, सिंचाई एवं ग्रामीण निर्माण, मंत्री सतपाल महाराज ने बुधवार को इंदिरानगर स्थित जलागम निदेशालय परिसर में लोक पर्व हरेला पर वृक्षारोपण करने के बाद आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि कही। उन्होंने प्रदेशवासियों को हरेला पर्व की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हरेला पर्व उत्तराखण्ड की संस्कृति का एक महत्वपूर्ण लोकपर्व है। यह पर्व प्रकृति और हरियाली के प्रति हमें अपनी जिम्मेदारी का एहसास करवाता है। हर वर्ष श्रावण मास में मनाया जाने वाला यह लोकपर्व नई फसलों की शुरूआत का प्रतीक है। यह सामाजिक सद्भाव के साथ-साथ हमारी सांस्कृतिक विरासत का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। जलागम एवं संस्कृति मंत्री महाराज ने कहा कि प्रदेश सरकार उत्तराखण्ड के प्राकृतिक संसाधनों और यहां की हरियाली के संरक्षण के लिए अत्यंत गंभीर है और इसके लिए हर स्तर पर प्रयास किए जा रहे हैं। हमारी वनस्पतियों और पेड-पौधों के कारण ही पानी संरक्षित होता है। उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि जलागम विभाग द्वारा केन्द्र पोषित श्प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना जलागम घटक 2.0श तथा विश्व बैंक वित्त पोषित उत्तराखण्ड जलवायु अनुकूल बारानी कृषि परियोजना के माध्यम से हरियाली और पानी को संरक्षित करने के लिए लगातार प्रयास किये जा रहे हैं। जलागम मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में जलागम विभाग के अंतर्गत श्स्प्रिंग एण्ड रिवर रिजुविनेशन एथॉरिटी (सारा) का गठन भी किया गया है। इसके अंतर्गत नौलों और धारों के संरक्षण में सभी प्रदेशवासियों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए श्भगीरथ एपश बनाया गया है। इसके माध्यम से वह अब तक पाँच हजार से अधिक जलस्रोत चिन्हित किए जा चुके हैं। महाराज ने कार्यक्रम के दौरान जलागम द्वारा प्रदेश में किए गये कार्यों पर आधारित पत्रिका ष्जलागम दर्पणष का भी लोकार्पण किया। इस अवसर पर विधायक सविता कपूर, जलागम सचिव दिलीप जावलकर, परियोजना निदेशक डॉक्टर हिमांशु खुराना, डॉक्टर एस के डिमरी, डॉक्टर एस के सिंह, नवीन सिंह बरफाल, डॉ मीनाक्षी जोशी व दीपचंद सहित जलागम के अनेक कर्मचारी एवं अधिकारियों उपस्थित थे।

हरेला पर्व पर पौधरोपण, डीएम ने बच्चों संग रोपे रुद्राक्ष

■ 'धरती मां का ऋण चुकाओ, एक पेड़ मां के नाम' थीम पर रोपे गए 56 हजार पौधे, जिलाधिकारी ने की अपील: पौधारोपण से जोड़ें जीवन, पर्यावरण को बनाएं सुरक्षित

शाह टाइम्स संवाददाता

नई टिहरी। उत्तराखंड की सांस्कृतिक और पर्यावरणीय परंप. राओं को सहेजते हुए बुधवार 16 जुलाई को जनपद टिहरी गढ़वाल में हरेला पर्व के उपलक्ष्य में भव्य पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी नितिका खंडेलवाल स्वयं पर्यटक स्थल शिवपुरी पहुंचीं, जहां उन्होंने स्कूली बच्चों के साथ रुद्राक्ष का पौधा रोपित किया। इस मौके पर अन्य लोगों द्वारा भी विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपे गए। साथ ही वन क्षेत्र में बीज बम भी फेंके गए और औषधीय महत्त्व की लेमन ग्रास का भी रोपण किया गया।

जिलाधिकारी ने जनपदवासियों को हरेला पर्व की शुभकामनाएं देते हुए अपील की कि सभी लोग अधिक से अधिक पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण में अपनी भागीदारी निभाएं। उन्होंने कहा कि "हरेला का त्योहार मनाओ, धरती माँ का ऋण चुकाओ, एक पेड़ माँ के नाम" थीम के तहत जनपद में इस वर्ष हरेला पर्व के अवसर पर 56 हजार पौधे रोपित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में शिवपुरी में बुधवार को दो हजार पौधे रोपे गए।

उन्होंने जानकारी दी कि यह पौधारोपण अभियान केवल एक दिन का नहीं है, बल्कि 14 अगस्त 2025 तक जनसहभागिता के माध्यम से यह अभियान निरंतर जारी रहेगा। इसका उद्देश्य न केवल पर्यावरण को सुरक्षित बनाना है, बल्कि लोगों को प्रकृति के प्रति संवेदनशील बनाना भी है।

इस दौरान जिलाधिकारी ने स्कूली बच्चों से संवाद करते हुए उनके भविष्य की योजनाओं के बारे में जानकारी ली और उन्हें नियमित योग करने, संतुलित आहार लेने व स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की प्रेरणा दी। उन्होंने बच्चों से कहा कि वे पर्यावरण संरक्षण के सच्चे प्रति. निधि बनें और समाज में जागरूकता फैलाएं।

इस अवसर पर कार्यक्रम में डीएफओ नरेंद्रनगर वन प्रभाग, जगतगुरु स्वामी दयाराम दास महाराज, एसडीएम नरेंद्रनगर आशीष घिल्डियाल, तहसीलदार ए. पी. उनियाल, समून फाउंडेशन से विनोद जैठूड़ी, राम मंदिर ब्रह्मपुरी आश्रम से स्वामी ग्रीवा चार्य, आचार्य रंजन, दीपक, चंदन, गृजेश शर्मा, गंगादास, चौतन्य दास, जामदास, शिवम मिश्रा सहित आईटीबीपी के जवान, वन विभाग के कर्मचारी, स्कूली छात्र-छात्राएं और अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।जिलाधिकारी की अगुवाई में आयोजित यह कार्यक्रम पर्यावरणीय जागरूकता को जनांदोलन का रूप देने की दिशा में एक सराहनीय कदम माना जा रहा है, जो निश्चित ही आने वाली पीढ़ियों के लिए एक हरित और संतुलित भविष्य की नींव रखेगा।

गुप्तकाशी-ल्वारा मोटरमार्ग पर खाई में गिरा यात्रियों से भरा वाहन

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रप्रयाग। बुधवार दोपहर लगभग साढ़े 12 बजे सोनप्रयाग से यात्रियों को लेकर लौट रहा एक मैक्स वाहन गुप्तकाशी-ल्वारा मोटरमार्ग पर टेमरिया के निकट अनियंत्रित होकर खाई में जा गिरा। वाहन में चालक सहित कुल नौ लोग सवार थे। दुर्घटना की जानकारी मिलने के बाद रेस्क्यू टीमे एवं स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और सभी घायलों को उपचार के लिये स्वास्थ्य केन्द्र अगस्त्यमुनि पहुंचाया। घटना में सभी लोग घायल हो गये थे, जिनका उपचार जारी है।

जानकारी के अनुसार एक मैक्स वाहन सोनप्रयाग से यात्रियों को लेकर गुप्तकाशी-ल्वारा मोटरमार्ग से अगस्त्यमुनि की और रहा था। वाहन में चालक सहित कुल नौ

लोग सवार थे। इस दौरान टेमरिया गांव के निकट वाहन अनियंत्रित होकर गहरी खाई में जा गिरा। सूचना मिलने के बाद स्थानीय ग्रामीण और रेस्क्यू टीमे मौके पर पहुंची। जिसके बाद घायलों को खाई से बाहर निक. ाला गया और उपचार के लिये अगस्त्यमुनि स्थित स्वास्थ्य केन्द्र भेजा गया। दुर्घटना में सभी लोग घायल हो गये। घायलों की स्थिति स्थिर बताई जा रही है और उनका उपचार किया जा रहा है।

द्वितीय चरण के प्रशिक्षण सत्र का आयोजन

रुद्रप्रयाग। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव को लेकर अगस्त्यमुनि स्थित क्रीड़ा हॉल में द्वितीय चरण का प्रशिक्षण आयोजित किया गया, प्रशिक्षण सत्र में 684 मतदान कार्मिकों ने दो शिफ्टों में प्रतिभाग किया।मास्टर ट्रेनर लोकेन्द्र बिष्ट एवं सहायक मास्टर ट्रेनर मनोज बिष्ट ने मत पेटी संच. ालन, मतदाता पर्ची प्रबंधन, टेंडर वोट, अभिकर्ता नियुक्ति, मतदान प्रक्रिया, पोलिंग बूथ की व्यवस्था सहित अन्य महत्वपूर्ण पहलुओं पर विस्तृत जानकारी दी।

जिलाधिकारी ने किया स्थलीय निरीक्षण, भूस्खलन रोकथाम कार्यों की सराहना

शाह टाइम्स संवाददाता

नई टिहरी। जिलाधिकारी टिहरी गढ़वाल नितिका खंडेलवाल ने बुधवार को नरेंद्रनगर के अंतर्गत नीरगढ़ शिवपुरी रेंज का स्थलीय निरीक्षण किया और वहां चल रहे चेकडैम निर्माण व भूस्खलन रोकथाम से जुड़े सुरक्षात्मक कार्यों का गहनता से जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने इन कार्यों की गुणवत्ता की सराहना की और कहा कि ऐसे प्रयासों से न केवल भूमि का क्षरण रोका जा सकता है, बल्कि क्षेत्र की भौगोलिक स्थिरता और पर्यावरणीय संतुलन भी बनाए

रखा जा सकता है।

जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि नेशनल हाईवे (एनएच) समेत जिले के अन्य भूस्खलन संभावित क्षेत्रों में भी इसी प्रकार के सुरक्षात्मक कार्य किए जाएं ताकि मानसून के दौरान जनहा. नि व अवरोधों से बचा जा सके। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक आपदाओं की आशंकाओं को देखते हुए समय रहते ऐसे स्थायी समाधान अपनाना बेहद आवश्यक है।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने भूस्खलन नियंत्रण की दिशा में किए जा रहे तकनीकी उपायों की विस्तृत जानकारी भी प्राप्त की और सुझाव दिया कि भविष्य में इन कार्यों की प्रभावशीलता का मूल्यांकन कर उन्हें और अधिक सुदृढ़ बनाया जाए।

इस अवसर पर डीएफओ नरेंद्रनगर वन प्रभाग, एसडीएम नरेंद्रनगर आशीष घिल्डियाल, तहसीलदार ए. पी. उनियाल सहित वन विभाग व राजस्व विभाग के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी भी उपस्थित रहे। सभी ने संयुक्त रूप से यह सुनिश्चित करने पर सहमति जताई कि जिले के भूस्खलन संभावित क्षेत्रों में ऐसी योजनाएं प्राथमिकता के आधार पर लागू की जाएं, जिससे जनसुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

एक नजर ....

श्रीनगर को दिसंबर माह तक मिलेगी एनआईटी की सौगात:डा. रावत

श्रीनगर। विधाानसभा श्रीनगर के दौरे पर पहुंचे कैबिनेट मंत्री डॉ. धान सिंह रावत ने बुधावार को श्रीनगर पहुंचकर एनआईटी के अस्थायी परिसर के निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होने निर्माणदायी कंपनी को गुणवत्ता और समय सीमा तक निर्माण कार्य पूरा करने के निर्देष दिए। कहा कि दिसंबर माह तक एनआईटी के निर्माण कार्य का लोकापर्ण केंद्रीय षिक्षा मंत्री धार्मेंद्र प्रधाान द्वारा किया जायेगा। कहा कि श्रीनगर में बने सुभाश चंद्र बोस आवासीय विद्यालय का लोकपर्ण किया जायेगा। कैबिनेट मंत्री डॉ. धान सिंह रावत ने कहा कि श्रीनगर विधाानसभा के विकास के लिए कोई कोर कसर नहीं छोड़ी जायेगी। कहा मेडिकल कॉलेज के छात्रें के लिए 150 बैडों का छात्रवास का निर्माण कार्य गतिमान है उसका भी जल्द लोकापर्ण किया जायेगा। कहा कि जनता की सुविधाा को देखते हुए प्रत्येक वार्ड में कैंप लगाकर आयुश्मान कार्ड बनावाएं जायेंगे। जिससे लोगों को दिक्कतों का सामना न करना पड़े। मौके पर भाजपा मंडल अधयक्ष विनय घिल्ड़ियाल, भाजपा जिला मीडिया प्रभारी गणेष भट्ट्, दिनेष पटवाल सहित आदि मौजूद थे।

आश्वासन मिलने पर चुनाव बहिष्कार का फैसला वापस लिया

श्रीनगर। विकासखंड कीर्तिनगर के डागर ग्राम पंचायत के कुलेड़ी गांव के ग्रामीणों ने पंचायत चुनाव बहिष्कार का फैसला प्रशासनिक आ्रवासन के बाद वापस ले लिया है। ग्रामीण गांव तक स्वी.त मोटर मार्ग के निर्माण की मांग को लेकर चुनाव बहिष्कार पर अड़े थे। वर्ष 2016 में सड़क स्वी.त होने के बावजूद अब तक निर्माण कार्य शुरू नहह्ल हो पाया था, जिससे ग्रामीणों को सड़क तक पहुंचने के लिए तीन किमी पैदल चलना पड़ता है। बुधवार को उपजिलाधिकारी कार्यालय में लोक निर्माण विभाग व पीएमजीएसवाम्र अधिकारियों के साथ बैठक में समस्या पर चर्चा हुम्र। अधिकारियों ने तकनीकी कारणों से निर्माण में हुम्र देरी की जानकारी दी तथा जल्द निर्माण कार्य शुरू करने का लिखित आ्रवासन दिया। इसके बाद ग्रामीणों ने सर्वसम्मति से बहिष्कार का निर्णय वापस लिया। लोनिवि कील्र्तनगर के अधीशासी अभियंता धीरेंद्र कुमार ने बताया कि ग्राम सभा की सहमति से मार्ग का पुन: परीक्षण एवं सरेखण किया जाएगा। 18 जुलाम्र को विभागीय टीम निरीक्षण कर मार्ग निर्माण की संभावनाएं देखेगी।

विद्युत लाइनों की जर्जर हालत को लेकर सौंपा ज्ञापन

कोटद्वार । दुगड्डा ब्लाक के अंतर्गत विद्युत सब स्टेशन कस्याली से पोषित नालीखाल, सिमलना, जौरासी तल्ली व जौरासी मल्ली सहित अन्य गांवों के ग्रामीण सब स्टेशन से जा रही विद्युत लाइनों की जर्जर हालत के कारण परेशान हैं। हालत यह है कि एक गांव में बिजली गुल होने से सभी गांवों की बिजली आपूर्ति बाधित हो रही है और ग्रामीणों को रतजगा करना पड़ रहा है। इस संबध में गढ़वाल सांसद प्रतिनिधि चंडी प्रसाद कुकरेती की ओर से उत्तराखंड पावर कारपोरेशन के प्रबंध निदेशक को प्रेषित ज्ञापन में कहा गया है कि वर्तमान में विद्युत सब स्टेशन कस्याली से पोषित सभी विद्युत लाइनों की हालत जर्जर हो रखी है। इस कारण स्टेशन से पोषित किसी न किसी गांव में विद्युत समस्या हर समय बनी रहती है। इस कारण अन्य गांवों की आपूर्ति पर भी असर पड़ता है। कहा कि क्षेत्रीय गांवों की विद्युत आपूर्ति में सुधार के लिए उत्तराखंड पावर कारपोरशन की ओर से सब स्टेशन कस्याली के द्वितीय खंड की स्थापना का आश्वासन दिया गया था, लेकिन इस पर अभी तक अमल नहीं हो पाया है। कहा कि इस कार्य के लिए लापरवाह अधिकारियों की जिम्मेदारी तय कर उन पर कार्रवाई की जानी चाहिए। ज्ञापन में उन्होंने प्रबंध निदेशक से इस संबध में संबधित अधिकारियों को तत्काल निर्देशित करने की मांग की है और ऐसा न होने पर आंदोलन की चेतावनी दी है।

हरेला पर्व पर विभिन्न स्थानों पर किया वृक्षारोपण

उत्तरकाशी। पर्यावरण संरक्षण और हरियाली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से उत्तराखंड का लोकपर्व हरेला की शुरुआत विधिवत पूजा -अर्चना मंत्रोच्चारण के साथ उत्साह पूर्वक हुई। बुधवार को हरेला पर्व कार्यक्रम के बतौर मुख्य अतिथि क्षेत्रीय सुरेश चौहान, जिलाधिकारी प्रशांत आर्य , पुलिस अधीक्षक सरिता डोभाल, भाजपा जिलाध्यक्ष नागेंद्र सिंह चौहान प्रभागीय वनाधिकारी डीपी बलूनी, नगर पालिका अध्यक्ष भूपेंद्र चौहान ने जिला मुख्यालय के समीप कोटियाल गांव के पुलिस फायर स्टेशन के निकट संयुक्त रूप से पौधारोपण कर वृक्षारोपण अभियान का शुभारंभ किया।

इस दौरान क्षेत्रीय विधायक ने हरेला पर्व की जनपदवासियों को शुभकामनाएं दी।

इस दौरान जिलाधिकारी प्रशांत आर्य ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि हरेला पर्व हमारी संस्कृति और प्रकृति के बीच गहरे संबंध का प्रतीक है, यह सिर्फ एक त्यौहार नहीं है, बल्कि यह पेड़-पौधों और वृक्षारोपण के महत्व तथा उनके संरक्षण के प्रति हमारी जिम्मेदारी का अनुभव कराता है। उन्होंने सभी नागरिकों से इस अभियान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने और अपने आसपास अधिक से अधिक पौधे लगाने और पर्यावरण संरक्षण व संवर्धन को बढ़ाने को कहा।

नई टिहरी। उत्तराखंड की समृद्ध पारंपरिक और पर्यावरणीय संस्कृति का प्रतीक हरेला पर्व बुधवार को टिहरी जनपद के लंबगांव क्षेत्र में बड़े उत्साह और जनभागीदारी के साथ मनाया गया। इस अवसर पर वन रेंज लंबगांव, नगर पंचायत लंबगांव, उद्यान विभाग सहित विभिन्न सरकारी एवं गैर-सरकारी संस्थानों के अधिकारियों और कर्मचारियों ने मिलकर वृहद स्तर पर वृक्षारोपण किया।

हरेला पर्व पर नगर पंचायत लंबगांव द्वारा ट्रेंचिंग ग्राउंड के आसपास, वन रेंज लंबगांव द्वारा अपने कार्यालय परिसर के चारों ओर, वन बीट प्रतापनगर द्वारा मांजफ क्षेत्र में और उद्यान विभाग द्वारा नगर क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर पौधारोपण किया गया।

स्थानीय नागरिकों ने भी इस अभियान में पूरे उत्साह से भाग लिया। उन्होंने अपने-अपने घरों के आसपास फलदार पौधे लगाकर हरियाली का संदेश फैलाया और आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ और हरा-भरा वातावरण सुनिश्चित करने की दिशा में योगदान दिया।

चिन्यालीसौड़ : एक पेड़ध्मॉ के नाम कार्यक्रम के तहत हरेला पर्व पर वन विभाग के साथ -साथ सरकारी एवं गैर सरकारी विद्यालयों, क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि विभागीय कर्मीयों ने विभिन्न प्रजाति के वृक्षों का रोपण किया ।

टिहरी डैम वन प्रभाग द्वितीय की दशगी गाढ़ रेंज के वन क्षेत्राधिकारी बलवीर सिंह लोल्दीयाल , धनारी गाड़ रेंज आशीष कुमार के नेतृत्व मे आयोजित वृक्षा रोपण कार्यक्रम का शुभारम्भ पालिक अध्यक्ष मनोज कोहली ने दीप प्रज्वलित कर सिविल भूमी डाबरी नामे तोक पर वन विभाग की टीम फलदार पौधो का रोपण किया गपा ।

गोपेश्वर।चमोली जनपद में पर्यावरण संरक्षण का लोक पर्व हरेला हर्षोल्लास व पर्यावरण संरक्षण के संकल्प के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विभिन्न स्थानों पर पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किए गए। पर्यावरणविद् चंडी प्रसाद भट्ट और जिलाधिकारी संदीप तिवारी ने पौधारोपण कर जनपद में कार्यक्रम का शुभारम्भ किया।

जिलाधिकारी संदीप तिवारी ने कहा कि हरेला केवल एक पर्व नहीं, बल्कि प्रकृति से जुड़ाव और पर्यावरण के प्रति हमारी जिम्मेदारी का प्रतीक है। साथ ही रोपित पौधों के संरक्षण की भी व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए हैं।

पर्यावरणविद् चंडी प्रसाद भट्ट ने कहा कि युवा, महिलाएं और छात्र आज पर्यावरण संरक्षण के सबसे बड़े सहयोगी बनकर सामने आ रहे हैं। सभी को मिलकर वनों की सुरक्षा के लिए जिम्मेदारी लेनी होगी। इस दौरान कार्यक्रम में मौजूद लोगों को पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलाई गई।

थराली हरेला पर्व पर थराली से भाजपा विधायक भूपालराम टम्टा ने वन विभाग के लीसा डिपो परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम में भाग लिया ,वृक्षारोपण कार्यक्रम में उपजिलाधिकारी थराली पंकज भट्ट वन क्षेत्राधिकारी मध्य पिंडर रेंज मनोज देवराड़ी ,भाजपा नेता महाव. ीर पंवार,पूर्व जिलाध्यक्ष भाजपा रघुवीर बिष्ट समेत वन विभाग के कर्मचारी मौजूद रहे

वृक्षारोपण कार्यक्रम में वन विभाग द्वारा बांज ,तेजपत्ता, माल्टा अखरोट,भेकल, समेत फलदार और छायादार पौधों का रोपड़ किया गया वहीं इन रोपे गए नवजात पौधों की युवा होने तक सुरक्षा की भी जिम्मेदारी ली गयी । वहीं उपजिलाधिकारी थराली पंकज भट्ट ने हरेला पर्व पर तहसील परिसर में वृक्षारोपण किया साथ ही थानाध्यक्ष थराली पंकज कुमार ने भी थाना परिसर में पुलिसकर्मियों संग हरेला पर्व पर वृक्षारोपण किया

श्रीनगर। उत्तराखंड का लोक पर्व हरेला श्रीनगर में बड़े हर्शोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर सरकारी एवं गैरसरकारी संस्थानों में वृहद स्तर पर वृक्षारोपण कर प्रकृति को हरभरा रखने का संकल्प लिया। इस मौके पर कैबिनेट मंत्री डॉ. धान सिंह रावत ने एनआईटी, नेताजी सुभाश चंद्र बोस छात्रवास, राजकीय इंटर कॉलेज श्रीनगर व षारदानाथ घाट में पौधाारोपण किया। इस मौके पर उन्होने नींबू, किनू सहित आदि फलदार और छायादार वृक्षों का रोपण किया।

वृक्षारोपण कर दिया मतदान करने का संदेश

जागरूक मतदान ही सशक्त लोकतंत्र की नींव: डीएम

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रप्रयाग। हरेला पर्व पर जनपद में एक अनूठी पहल देखने को मिली। मुख्य निर्वाचन अधिकारी/जिलाधिकारी प्रतीक जैन के निर्देशन में स्वीप टीम की ओर से हरेला पर्व को मतदाता जागरूकता से जोड़ते हुए वृक्षारोपण और शपथ कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जवाड़ी स्थित रतनपुर में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रतीक जैन ने आम जनमानस को मतदाता जागरूकता

की शपथ दिलाई। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों, स्कूली छात्र-छात्राओं, प्रथम बार मतदान करने जा रहे युवाओं और विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारियों ने प्रतिभाग किया।

जिला निर्वाचन अधिकारी प्रतीक जैन ने कहा कि हरेला केवल एक पर्व नहीं, बल्कि जीवन, हरियाली और जागरूकता का प्रतीक है। उन्होने कहा निष्पक्ष, सक्रिय और जागरूक मतदान ही सशक्त लो. कतंत्र की नींव है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में प्रथम बार वोटर बन रहे युवाओं ने प्रतिभाग किया।

इस मौके पर युवाओं को न केवल वृक्षारोपण में भागीदारी का अवसर मिला, बल्कि उन्होंने लोकतांत्रिक प्रक्रिया को समझते हुए अपने मताधिकार के प्रति प्रतिबद्धता भी जताई।

इस अवसर पर वृक्षारोपण करते हुए विद्यार्थियों ने एक वोट, एक जिम्मेदारी, हरेला हरियाली का नहीं, बदलाव का भी त्यौहार जैसे नारों के माध्यम से जन-जागरूकता का संदेश दिया। इस दौरान मुख्य विकास अधिकारी राजेन्द्र सिंह रावत, डिप्टी डायरेक्टर जलागम आरपी सिंह, अपर जिलाधिकारी श्याम सिंह राणा, मुख्य शिक्षा अधिकारी प्रमेन्द्र बिष्ट, अधिशासी अभियंता ग्रामीण निर्माण विभाग नीलम गुलाटी, उपजिलाधिकारी रुद्रप्रयाग याक्षी अरोड़ा सहित अन्य मौजूद थे।

तीसरी बार जिला पंचायत सदस्य बनने की जताई उम्मीद

नई टिहरी। प्रतापनगर क्षेत्र के गढसिनवालगांव जिला पंचायत सीट से कांग्रेस के अधिकृत प्रत्याशी उदय रावत ने बुधवार को पट्टी भदूरा के तिनवालगांव, खिट्टा, आबकी, खलडगांव और गलियाखेत में घर-घर जाकर जनसंपर्क किया और आगामी पंचायत चुनाव के लिए वोट मांगे। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों से संवाद करते हुए अपने पुराने कार्यकाल के अनुभव साझा किए और क्षेत्र में किए गए कार्यों की जानकारी दी।

यूजेवीएन लिमिटेड में वृहद वृक्षारोपण व पर्यावरण संरक्षण कार्यक्रम

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। उत्तराखंड की पारंपरिक हरियाली एवं प्रकृति प्रेम का प्रतीक हरेला पर्व यूजेवीएन लिमिटेड द्वारा पर्यावरण संरक्षण की भावना के साथ मनाया गया। इस अवसर पर निगम के मुख्यालय ष्उज्ज्वलष तथा इक्कीस परिचालन के अंतर्गत परियोजनाओं के साथ साथ अन्य निर्माणाधीन परियोजनाओं के कार्यस्थलों पर वृहद वृक्षारोपण एवं पर्यावरण संरक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर यूजेवीएन लिमिटेड के प्रबंध निदेशक डॉ. संदीप सिंघल ने सभी को हरेला पर्व की शुभकामनाएं दीं और कहा कि

हरेला पर्व न केवल एक परंपरा है, बल्कि यह उत्तराखंड की जनता की पर्यावरण के प्रति जागरूकता और प्रतिबद्धता का प्रतीक भी है। उन्होंने सभी से वृक्षारोपण के साथ-साथ उनके संरक्षण का भी संकल्प लेने का आग्रह किया।

कार्यक्रम के अंतर्गत परिसर में विभिन्न फलदार वृक्षों के साथ ही नीम, अशोक आदि पर्यावरण के सहयोगी वृक्षों का रोपण किया गया। वृक्षारोपण में प्रबंध निदेशक डॉ. संदीप सिंघल के साथ-साथ निद. ेशक परियोजनाएं सुरेश चंद्र बलूनी, अधिशासी निदेशक सुधाकर बडोनी, आशीष जैन, विवेक आत्रेय, ए.के. सिंह, महाप्रबंधक संजीव लोहानी, सी.पी. दिनकर, महकार सिंह, भरत भारद्वाज, उपमहाप्रबंधक नीरज डैनी, मनोज केशरवानी, संजय बिष्ट, विनोद भाकुनी, हेमंत श्रीवास्तव, मनीष इंग्ले, अधिशासी अभियंता प्रभाकर गुप्ता, राकेश कुमार चौहान, रेखा डंगवाल, दिनेश भारद्वाज सहित दिनेश सेमवाल, भूपेश पांगती, वीरेन्द्र सिंह नेगी, विनोद तिवारी, देवेंद्र नौटियाल, सुधीर कुमार, संजय कुमार, शमशेर सिंह, विकास भद्री, जयवीर तड़ियाल व आनंद सिंह रावत आदि मौजूद रहे।

दिव्यांग बच्चों ने किया वृक्षारोपण, दिया प्रकृति के संरक्षण का संदेश

उत्तरकाशी: जिले का एकलोता ब्लाइंड स्कूल परमार्थ विजय पब्लिक स्कूल तुनाल्का के दिव्यांग छात्र -छात्राओं ने उत्तराखंड का हरेला पर्व पर वृक्षारा. ेपण कर प्रकृति संरक्षण का संदेश दिया है। इस अवसर पर दिव्यांग बच्चों मिल कर वृक्षारोपण कर लोगों को वृक्षारोपण के लिए प्रेरित किया है । इस मौके पर विद्यालय के प्रबन्धक वीरेंद्र दत्त जोशी, विद्यालय के संचालक विजय लक्ष्मी जोशी ने बच्चों के साथ पौधारोपण कर पर्यावरण बचाने का संदेश दिया। संरक्षण करने के लिए लोगों को प्रेरित करने हुए जिलाधिकारी उत्तरकाशी।।

पंचायत चुनाव के लिए 1020 कार्मिकों का प्रशिक्षण आज दूसरे दिन सम्पन्न

शाह टाइम्स संवाददाता

गोपेश्वर।त्रिस्तरीय पंचायत सामान्य निर्वाचन को सफलतापूर्वक सम्पन्न कराने के उद्देश्य से बुधवार को राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय और राजकीय इंटर कॉलेज गोपेश्वर में प्रशिक्षण सत्र के द्वितीय चरण के दूसरे दिन प्रशिक्षण में मास्टर ट्रेनरों द्वारा प्रशिक्षण दिया गया।

उप जिला निर्वाचन अधिकारी एवं मुख्य विकास अधिकारी डॉ. अभिषेक त्रिपाठी की अध्यक्षता में आयोजित इस प्रशिक्षण सत्र में 1020 कार्मिकों को प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में जोनल और सेक्टर मजिस्ट्रेटों को मतदान केंद्रों की निगरानी, शांतिपूर्ण व निष्पक्ष मतदान सुनिश्चित करने, आदर्श आचार सं. हिता के अनुपालन, मतदान सामग्री की आपूर्ति एवं आपात स्थितियों से निपटने की रणनीतियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।

वहीं पीठासीन अधिकारियों एवं मतदान अधिकारियों (प्रथम से चतुर्थ) को मतपेटी की सीलिंग, मत पत्र लेखा, टेंडर वोट, अभिकर्ता नियुक्ति, मतदान केंद्र की व्यवस्था, मतदाता पर्ची वितरण तथा संपूर्ण मतदान प्रक्रिया की सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक जानकारी दी गई।

प्रशिक्षण शिविर में परियोजना अधिकारी आनंद सिंह भाकुनी, जिला शिक्षा अधिकारी श्रीकांत पुरोहित सहित प्रशिक्षक आत्म प्रकाश डिमरी, मनोज तिवारी, जयदीप झिंक्वाण, केसी पंत, खीम सिंह, दिगपाल रावत, चंदन पंवार और जेएस रावत आदि उपस्थित रहे।

हरेला संस्कृति और जिम्मेदारी का संगमः तिवारी

हरेला पर्व पर एमडीडीए की हरित पहल, वृक्षारोपण एवं पौध वितरण कार्यक्रम का भव्य आयोजन

■ डिफेंस कॉलोनी के गौरा देवी पार्क और आढ़त बाजार में फलदार व औषधीय पौधों का रोपण

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। उत्तराखंड की सांस्कृतिक धरोहर और पर्यावरणीय चेतना का प्रतीक हरेला पर्व आज मसूरी-देहरादून विकास प्राधिकरण ने एक वृहद वृक्षारोपण अभियान के माध्यम से मनाया। इस अवसर पर डिफेंस कॉलोनी स्थित गौरा देवी पार्क और नव-निर्माणाधीन आढ़त बाजार क्षेत्र में सैकड़ों पौधे लगाए गए। कार्यक्रम की शुरुआत प्रातः 10 बजे प्राधिकरण के उपाध्यक्ष बंशीधर तिवारी की अध्यक्षता में हुई। इस अवसर पर सचिव मोहन बर्निया, संयुक्त सचिव गौरव चटवाल, मुख्य अभियंता एचसीएस. राणा, सहित विभागीय अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

इस अवसर पर बोलते हुए प्राधिकरण उपाध्यक्ष बंशीधर तिवारी ने कहा कि हरेला उत्तराखंड की आत्मा है। यह पर्व सिर्फ परंपरा नहीं, बल्कि हमारी पर्यावरणीय जिम्मेदारियों की अभिव्यक्ति है। एमडीडीए इस अवसर को हरियाली बढ़ाने के एक अभियान के रूप में देखता है, जिससे शहरवासियों में प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण और पर्यावरणीय चेतना का भाव प्रबल हो।

60,000 पौधों का वितरण और रोपण का लक्ष्य

प्राधिकरण ने इस अवसर पर केवल वृक्षारोपण ही नहीं, बल्कि लगभग 25,000 से 30,000 हजार पौधों का वितरण भी विभिन्न सामाजिक संस्थाओं, स्कूलों, स्थानीय नागरिकों व अन्य हितधारकों को किया गया। साथ ही, शहर के अन्य चिन्हित स्थलों विशेषकर शिमला बायपास व आस-पास के क्षेत्रों में भी 25 से 30 हजार पौधे रोपित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

500 से अधिक पौधों का रोपण

एमडीडीए की ओर से विकसित किए जा रहे गौरा देवी पार्क में 500 से अधिक पौधों का रोपण किया गया। इसके अतिरिक्त, आढ़त बाजार क्षेत्र में जामुन, नीम, आंवला, कटहल, पॉम आदि जैसे फलदार एवं औषधीय महत्व के पौधों को रोपा गया।

प्राकृतिक संतुलन और सामुदायिक सहभागिता की मिसाल

इस कार्यक्रम के माध्यम से प्राधिकरण ने केवल हरियाली बढ़ाने का कार्य नहीं किया, बल्कि स्थानीय समुदाय की सक्रिय भागीदारी को भी बढ़ावा दिया। इस पहल के माध्यम से हरित शहरी विकास को एक नई दिशा देने का प्रयास किया गया है।

न केवल एक आयोजन, बल्कि एक प्रेरणा

मसूरी देहरादून विकास प्राधिकरण ने यह विश्वास व्यक्त किया कि यह अभियान केवल वृक्षारोपण तक सीमित न रहकर, हरित जीवनशैली को अपनाने के लिए प्रेरणा बनेगा। साथ ही, यह प्रयास नागरिकों को स्थायी पर्यावरण संरक्षण की दिशा में योगदान देने के लिए प्रेरित करेगा।

सुभारती विवि में हरेला पर्व पर पर्यावरण संरक्षण का संदेश

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। हरेला पर्व के अवसर पर रास बिहारी बोस सुभारती विश्व. विद्यालय, देहरादून के संस्कृति विभाग की ओर से ष्एक पेड़ माँ के नामष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय परिसर में पौधारोपण कर हरियाली और प्रकृति संरक्षण का संदेश दिया गया।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता मेजर जनरल डॉ. जी.के. थपलियाल ने कहा कि ष्प्रकृति माँ के समान है, उसका संरक्षण हमारा धर्म है।ष विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. डॉ. हिमांशु ऐरन ने छात्रों को प्रेरित करते हुए कहा कि पौधारोपण केवल रस्म नहीं, जिम्मेदारी भी है। उन्होंने लगाए गए पौधों की देखरेख की जिम्मेदारी संकायों को सौंपी। विशिष्ट अतिथि के रूप में मेरठ से आए डॉ. कपिल कुमार ने कहा कि ऐसे आयोजन छात्रों में पर्यावरणीय चेतना और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना जागृत करते हैं। कार्यक्रम में रजिस्ट्रार खालिद हसन, डॉ. रविंद्र प्रताप सिंह और विनय सेमवाल सहित शिक्षक, कर्मचारी और छात्र बड़ी संख्या में शामिल हुए।

पत्रकार यूनियन 'मीडिया राइट' ने हरेला पर किया पौधारोपण

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। हरेला पर्व के अवसर पर देहरादून के सौडा सरोली क्षेत्र में पत्रकार यूनियन (मीडियाराइट) के अध्यक्ष अमित सिंह नेगी के नेतृत्व में एक भव्य पौधा रोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में कई सामाजिक संगठनों और मैड संस्था के कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

पेड़ लगाओ, जीवन पाओ, शुद्ध हवा का सुख उठाओ, पर्यावरण की रक्षा, धरती की सुरक्षा" के संदेश को आत्मसात करते हुए इस आयोजन में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने और धरती को हरा-भरा रखने का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम के दौरान पत्रकार यूनियन के प्रदेश उपाध्यक्ष विक्रम श्रीवास्तव ने पौधा रोपण की महत्ता पर जोर देते हुए कहा, "पेड़ हमारे भविष्य के लिए बेहद जरूरी हैं। इस अवसर पर यूनियन की ओर से वरिष्ठ पत्रकार संजीव वर्मा ,कुलदीप सिंह , विकास कुमार , सुभाष गौड़, आशीष रमोला , मोनिका डबराल, बीना नेगी, माहेश्वरी, परवीन भारद्वाज, अनुपमाआदि मौजूद रहे।

हिमालय वेलनेस कंपनी में हरेला मनाया गया

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। हिमालय वेलनेस कंपनी के अध्यक्ष डॉ. एस. फारूक ने हरेला के अवसर पर कर्मचारियों और श्रमिकों को बधाई दी। यह त्यौहार वृक्षारोपण और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता की समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा का प्रतीक है।

कंपनी के पर्यावरणीय प्रयासों पर प्रकाश डालते हुए, डॉ. फारूक ने बताया कि हिमालय ने विभिन्न गैर-सरकारी संगठनों के सहयोग से देश भर में 86 प्रजातियों के लगभग 12 लाख पौधे लगाए हैं। कंपनी ने दून में वन क्षेत्र और ष्वन में वनष परियोजनाएँ विकसित की हैं। इस शुभ अवसर पर, हिमालय की सामूहिक वृक्षारोपण अभियान की दीर्घकालिक परंपरा को जारी रखते हुए, श्रमिकों को वृक्षारोपण के लिए 100 पौधे वितरित किए गए। इस वर्ष, कंपनी का लक्ष्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाते हुए, देश भर में 2,00,000 से अधिक पौधे लगाना है।

राजभवन में पारंपरिक उल्लास के साथ मनाया हरेला

प्रकृति का संरक्षण केवल आज की आवश्यकता नहीं, बल्कि भविष्य की पीढ़ियों के प्रति हमारा दायित्व : राज्यपाल

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। राजभवन में उत्तराखण्ड की लोक संस्कृति, प्रकृति प्रेम और पर्यावरण संरक्षण के प्रतीक पर्व 'हरेला' को पारंपरिक हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) ने हरेला पर्व के अवसर पर राजभवन स्थित राजप्रज्ञेश्वर मंदिर में पूजा-अर्चना कर प्रदेश की सुख-समृद्धि और खुशहाली के लिए कामना की। इसके बाद राज्यपाल सहित प्रथम महिला श्रीमती गुरमीत कौर, सचिव रविनाथ रामन, अपर सचिव रीना जोशी सहित राजभवन के अधिकारियों, कर्मचारियों ने राजभवन परिसर में पौधरोपण किया। हरेला पर्व के अवसर पर छोलिया नर्तक दल ने पारंपरिक वाद्ययंत्रों के साथ विभिन्न कार्यक्रम प्रस्तुत किए और इस लोक पर्व की शोभा बढ़ाई।

हरेला पर्व के अवसर पर देश एवं प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए राज्यपाल ने कहा कि उत्तराखण्ड में प्रकृति को महत्व देने की हमारी परंपरा रही है। राज्यपाल ने कहा कि प्रकृति का संरक्षण केवल आज की आवश्यकता नहीं, बल्कि भविष्य की पीढ़ियों के प्रति हमारा दायित्व है। इसलिए हम सभी को मिलकर प्रकृति के साथ संतुलन बनाए रखना होगा। राज्यपाल ने इस अवसर पर स्कूलों में वन संरक्षण व पर्यावरण जागरूकता में उल्लेखनीय योगदान देने के लिए राइका गुनियाल गांव की अध्यापिका जयन्ती उनियाल और छात्रा कुमारी कामिनी सैनी एवं सनातन धर्म इण्टर कॉलेज मसूरी की अध्यापिका डॉ. नम्रता श्रीवास्तव और छात्रा कुमारी मानसी को सम्मानित किया।

इस अवसर पर प्रथम महिला श्रीमती गुरमीत कौर, सचिव राज्यपाल रविनाथ रामन, अपर सचिव रीना जोशी, वन संरक्षक यमुना कहकशा नसीम, डीएफओ मसूरी अमित कंवर, संयुक्त निद. ेशक उद्यान डॉ. रतन कुमार, उद्यान अधिकारी दीपक पुरोहित सहित राजभवन के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

पुलिस ने पकड़ी शराब से भरी स्कॉर्पियो, एक तस्कर गिरफ्तार

■ पंचायत चुनाव के लिए लाई जा रही थी शराब

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। पंचायत चुनाव के लिए लाई जा रही शराब से भरी एक गाड़ी को प्रेम नगर पुलिस ने पड़कर शराब तस्कर को गिरफ्तार किया।

पंचायत चुनाव चलते बाहरी राज्यो से अवैध शराब की तस्करी की संभावना को देखते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा सभी थाना प्रभारियों को अपने-अपने थाना क्षेत्रों में सघन चेकिंग अभियान चलाने तथा अवैध मादक पदार्थों/ शराब की तस्करी/बिक्री में लिप्त आरोपियों को चिन्हित करते हुए उनके विरूद्ध कठोर वैधानिक कार्यवाही करने के लिए आदेश जारी किए थे। जिसके चलते पुलिस अपने-अपने थाना क्षेत्र में चेकिंग अभियान में जुट गई थी। मुखबिर द्वारा प्रेम नगर थाना अध्यक्ष कुंदन राम को सूचना मिली कि एक गाड़ी में चुनाव में बांटे जाने के लिए शराब भरकर लाई जा रही है जिसके चलते पुलिस चेकिंग अभियान में जुट गई।

प्रेम नगर थाना अध्यक्ष कुंदन राम ने बताया कि जब पुलिस ने झाझरा मे चौकिंग अभियान के दौरान एक वाहन स्कॉर्पियो को रोक कर चेक किया तो वाहन से 15 पेटी (720 पव्वे) अंग्रेजी शराब बरामद हुई। शराब तस्कर को अवेध शराब परिवहन करने के जुर्म में गिरफ्तार किया। पूछताछ में शराब तस्कर द्वारा बताया गया कि उक्त शराब पंचायत चुनाव के लिए ले जायी जा रही थी। पकड़े गए शराब तस्कर दरमियान सिंह राणा पुत्र प्रताप सिंह राणा निवासी कुराली लक्ष्या पोस्ट देवीधार ममनी जखोली रुदरपरयागके विरुद्ध पुलिस ने कानूनी कार्यवाही कर उसे जेल भेजा।

विदेशों में रोजगार दिए जाने की पत्रावली प्राथमिकता पर भेजे शासन : जोशी

■ सैनिक कल्याण मंत्री ने ली उपनल की कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने अपने शासकीय आवास पर उपनल के प्रबंध निद. ेशक ब्रिगेडियर (सेनि) जेएनएस बिष्ट के साथ बैठक कर उपनल कार्मिकों से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। सैनिक कल्याण मंत्री ने स्पष्ट निर्देश दिए कि मुख्यमंत्री घोषणा के क्रम में विदेशों में रोजगार दिये जाने की पत्रावली को प्राथमिकता पर शासन को प्रेषित किया जाए। उन्होंने उपनल कर्मियों की शासन स्तर पर लम्बित समस्याओं का समाधान सम्बंधी विषय पर भी गम्भीरता से वार्ता जानकारी ली।

सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने उपनल के माध्यम से कार्यरत कार्मिक की ड्यूटी के दौरान दुर्घटना में मृत्यु की स्थिति में आश्रित को मिलने वाली रुपये 50 लाख की एकमुश्त सहायता राशि त्वरित रूप से लाभार्थियों को प्रदान किए जाने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि दुर्घटना के बाद कार्मिक के परिवार को दिये जाने वाली रुपये 1. 50 लाख की त्वरित सहायता राशि को भी तत्काल उनके परिवार को दी जाए। शनि कल्याण मंत्री ने कहा कि उपनल के माध्यम से कार्यरत पूर्व सैनिक एवं उनके परिजनों की भलाई सरकार की प्राथमिकता है और उनके कल्याण के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। उपनल के प्रबंध निदेशक ब्रिगेडियर (सेनि) जेएनएस बिष्ट ने सैनिक कल्याण मंत्री को बताया कि उत्तराखण्ड के साथ-साथ अन्य 16 प्रदेशों में कार्मिकों की भर्ती और तैनाती की जा रही है।

हर्रावाला पुलिस चौकी परिसर में सिद्धेश्वर मंदिर का उद्घाटन

देहरादून। हर्रावाला पुलिस चौकी परिसर में बुधवार को सिद्धेश्वर मंदिर का उद्घाटन देहरादून की वरिष्ठ ग्रामवासी और समाजसेविका जया बलूनी ने जल चढ़ाकर विधिवत रूप से किया। उद्घाटन अवसर पर धार्मिक वातावरण और श्रद्धालु भावनाओं की विशेष छटा देखने को मिली। इस अवसर पर क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों और गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति रही, जिनमें पुलिस चौकी के इंचार्ज रघुवर सिंह कपूरवान, तरुण चौहान, विकास रावत, दिनेश रावत, धर्मान सिंह नेगी, बबीता रावत, प्रेम सिंह बिष्ट, रविंद्र टम्टा, पूर्व ग्राम प्रधान मूलचंद शीर्षवाल, पार्षद देविदयाल, राहुल कुमार, अर्जुन गुनीयाल, महंत भारत भूषण भारती (लक्ष्मण सिद्ध) और कान्ति कुमार प्रमुख रूप से शामिल रहे। मंदिर की पूजा-अर्चना और उद्घाटन संस्कार आचार्य उमाकांत भट्ट द्वारा वैदिक विधि-विधान से सम्पन्न कराए गए।

कांग्रेस को घर घर में नल से जल पहुंचना नहीं हो रहा हजमः सुरेश

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। भाजपा ने पूर्व सीएम हरीश रावत के जल जीवन मिशन पर लगाए आरोपों पर पलटवार किया कि कांग्रेस को घर घर में नल से जल पहुंचना हजम नहीं हो रहा है। हैरानी है कि जो लंबे शासन के बाद भी, घर छोड़िए, गांव में भी जल उपलब्ध नहीं करा पाए, वे अब सभी घरों में जल पहुंचने की स्वर्णिम उपलब्धि पर सवाल खड़े कर रहे हैं।

प्रदेश प्रवक्ता सुरेश जोशी ने हरीश रावत की सोशल मीडिया पोस्ट पर टिप्पणी करते हुए कहा कि, उनके द्वारा लगाए आरोप बेबु. नियाद और अनर्गल हैं। वहीं निशाना साधा कि जब कांग्रेस की सरकार थी, तब उत्तराखंड में सिर्फ एक लाख 30 हजार घरों में पानी के नल मौजूद थे। इतना ही नहीं, कुल 39 हजार ग्रामीण बस्तियों में से सिर्फ 13 हजार बस्तियों में ही पानी पहुंच पाया था। इन बस्तियों में भी लोगों को घर से बाहर निकल पानी लेने आना पड़ता था। घरों में शौचालय तक नहीं थे, जिसकी तकलीफ विशेषकर हमारी मातृ शक्ति को उठानी पड़ती थी।

उन्होंने कहा, भाजपा की सरकार आने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस समस्या को गंभीरता से लेते हुए, हर घर नल से जल का संकल्प लिया। आज 14 लाख 14 हजार 567 घरों को सीधे नल से जोड़ दिया गया है और बहुत जल्द शत प्रतिशत घरों को नल से जोड़ दिया जाएगा। अब सिर्फ 34267 घरों को ही नल से जोड़ा जाना शेष है। ये सब कांग्रेस शासन में ये सिर्फ एक सपना था, जिसे भाजपा सरकार ने साकार कर दिखाया है। डबल इंजन की सरकार में आज जल के अतिरिक्त उत्तराखंड के हर घर में शौचालय है, हर घर को बिजली से जोड़ा गया है।

असहाय का शोषण तिरस्कार होगा दण्डनीयः डीएम

देहरादून। जिलाधिकारी सविन बंसल के सम्मुख 15 जुलाई को अजबपुर निवासी एक 72 वर्षीय बुजुर्ग महिला सरस्वती देवी ने अपनी गुहार लगाई कि पूर्ति विभाग उनका राशन देने में आनाकानी कर रहा है। बुजुर्ग सरस्वती ने जिलाधिकारी को बताया कि उनके 3 पुत्र हैं जो सभी अपने-अपने परिवार संग अलग-अलग रहते हैं। वह अपना गुजारा अपनी विधवा पेंशन से चलाती हैं। उन्होंने डीएम को बताया कि राशन डीलर पूर्ति विभाग की सूची में नाम न होने का कारण बताकर राशन नहीं दे रहा है, जबकि पूर्व में उसे राशन मिलता था। उसने डीएम से राशन दिलाने की गुहार लगाई। जिस पर डीएम ने पूर्ति अधिकारी को तलब करते हुए तत्काल वस्तुस्थिति से अवगत कराने तथा महिला को राशन दिलाने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी तक मामला पहुंचते ही पूर्ति विभाग के अधिकारी/ कार्मिकों के हाथ पांव फूल गए।

डॉ. तृप्ता ठाकुर यूटीयू की कुलपति नियुक्त, छात्रों में खुशी की लहर

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। आखिरकार छात्रों का छह माह लम्बा संघर्ष रंग लाया। राज्यपाल ने उत्तराखंड तकनीकी विश्विद्यालय के विवादित कुल. पति डॉ. ओमकार यादव की जगह बुधवार को राष्ट्रीय विद्युत् प्रशिक्षण प्रतिष्ठान, फरीदाबाद की महानिदेशक डॉ. तृप्ता ठाकुर को उत्तराखंड तकनीकी विश्विद्यालय का नई कुलपति नियुक्त कर दिया है। नए कुलपति की नियुक्ति से छात्रों में खुशी की लहर दौड़ गयी।

इस दौरान छात्र संघ अध्यक्ष सिद्धार्थ अग्रवाल के साथ सौरभ सेमवाल,स्वयं रावत,दक्ष रावत,मंथन,आकाश,आर्यन,नितिन,आदि कई एनएसयूआई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

इस अवसर पर छात्र संघ अध्यक्ष सिद्धार्थ अग्रवाल ने सम्पूर्ण संघर्षरत छात्र शक्ति तथा सभी मीडिया बंधुओं का दिल से धन्यवाद किया है। उन्होंने कहा कि छात्र प्रतिनिधिमंडल जल्द नए कुलपति का अभिनन्दन करेगा एवं छात्रों की समस्याओ से अवगत कराएगा।

■ विवादों के बाद कुलपति पद से हटाए गए डॉ. ओमकार यादव

साथ ही उन्होंने मांग कि परीक्षा नियंत्रक डॉ. वी. के पटेल को भी तुरंत बर्खास्त किया जाये एवं विश्वविद्यालय के 8 करोड रु के घालमेल की रिकवरी के लिए डॉ. ओमकार सिंह एवं संलिप्त अधिकारियों के विरुद्ध जाँच को तेजी से आगे बढ़ाया जाये एवं इ. डी की भी मदद ली जाये ।अब बाकी संलिप्त अधिकारियों के विरुद्ध भी आंदोलन जारी रहेगा।

उल्लेखनीय है कि वीर माधो सिंह भंडारी उत्तराखंड तकनीकी विश्विद्यालय में चल रहे फर्जी डिग्री जाँच प्रकरण, भ्रष्टाचार एवं वित्तीय अनिमिताओ की शिकायतो को लेकर डी.ए.वी. छात्र संघ अध्यक्ष सिद्धार्थ अग्रवाल के नेतृत्व में छात्र पिछले छह माह से सड़कों पर आंदोलन. रत थे।

एलटी अभ्यर्थियों के समर्थन में उतरी कांग्रेस

■ माहरा ने किया नियुक्ति पत्र दिलाने को सड़क से सदन तक की लड़ाई का ऐलान

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। एलटी चयनित अभ्यर्थियों की नियुक्ति की मांग को लेकर चल रहे धरने को कांग्रेस ने खुला समर्थन दे दिया है। बुधवार को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष करण माहरा और वरिष्ठ उपाध्यक्ष संगठन सूर्यकांत धस्माना शिक्षा निदेशालय स्थित धरनास्थल पहुंचे और आंदोलनरत अभ्यर्थियों को हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया।

माहरा ने कहा कि सरकार और सिस्टम की उदासीनता के चलते पिछले छह महीनों से 1352 एलटी चयनित अभ्यर्थी नियुक्ति पत्र के लिए दर-दर भटक रहे हैं। बरसात में भी खुले आसमान के नीचे धरना दे रहे अभ्यर्थियों की स्थिति बेहद दयनीय है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अभ्यर्थियों के साथ खड़ी है और जरूरत पड़ने पर मुख्यमंत्री और राज्यपाल से मिलकर समाधान की पहल की जाएगी। वहीं, वरिष्ठ उपाध्यक्ष सूर्यकांत धस्माना ने कहा कि कांग्रेस पार्टी इन अभ्यर्थियों के एक सूत्रीय मुद्दे को लेकर सड़क, सदन और न्यायालय में पूरी ताकत से खड़ी रहेगी।

उन्होंने बताया कि 25 जुलाई को नैनीताल उच्च न्यायालय में सुनवाई प्रस्तावित है और कांग्रेस यह सुनिश्चित करेगी कि राज्य सरकार के महाधिवक्ता इस मामले की गंभीरता से पैरवी करें। धस्माना ने चेतावनी दी कि यदि 25 जुलाई को भी समस्या का समाधान नहीं हुआ, तो कांग्रेस इस मुद्दे को आगामी विधानसभा मानसून सत्र में जोरशोर से उठाएगी और सरकार को कठघरे में खड़ा करेगी। इस अवसर पर कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता जैसे अमरजीत सिंह, नवीन जोशी, डॉ. जसविंदर सिंह गोगी, दिनेश कौशल, मदन लाल और गिरिराज किशोर हिंदवाण भी उपस्थित रहे। वहीं अभ्यर्थियों की ओर से रोहित असवाल, गौरव नौटियाल, जोगेंद्र नाथ, रमेश पांडे, बलदेव पंवार, नरेंद्र सिंह, विवेक उनियाल और आरती असवाल सहित बड़ी संख्या में चयनित अभ्यर्थी धरनास्थल पर मौजूद रहे।

हरेला पर्व पर डीएम ने पत्नी संग रोशनाबाद जिला कार्यालय परिसर में किया पौधारोपण

पर्यावण असंतुलन को रोकने में वृक्षों की रहती है महत्वपूर्ण भूमिकाः जिलाधिकारी

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। हरेला पर्व के अवसर पर जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने प्रदेश एवं जनपदवासियों को हरेला पर्व की बधाई एवं शुभकामनाएं दी। हरेला पर्व के अवसर पर जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने अपनी पत्नी प्रज्ञा दीक्षित के संग जिला कार्यालय परिसर रोशनाबाद में पौधारोपण कर ''एक पेड़ मां के नाम'' अभियान का शुभारंभ करते हुए तीन स्थानों पर वृक्षारोपण किया। इस दौरान जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने पौधारोपण हेतु स्वयं फावड़ा चलाया। विभिन्न विभागों, संगठनों, जनप्रतिनिधियों के सहयोग से हरेला पर्व पर जनपद में 20 हजार पौधों का रोपण किया गया।

जिलाधिकारी ने इस अवसर पर कहा कि प्रकृति को हरा भरा करने तथा पर्यावरण एवं जल स्रोतों के संरक्षण के प्रति सभी को जागरूक होते हुए अधिक से अधिक वृक्षारोपण करना चाहिए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के निर्देशन में चलने वाला यह कार्यक्रम जनजागरुकता के साथ मनाया जाए तथा ''एक पेड़ मां के नाम'' अभियान को सफल बनाए जाने में के लिए जन सहभागिता एवं सभी का योगदान आवश्यक है। उन्होंने कहा कि हरेला पर्व हमें अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जिम्मेदारियों की याद दिलाता है। यह पर्व केवल एक पर्व ही नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक विरासत का हिस्सा है जोकि हमें प्रकृति के साथ सामंजस्य बिठाना सिखाता है।

जिलाधिकारी ने कहा कि पर्यावण असंतुलन को रोकने में वृक्षों की महत्वपूर्ण भूमिका रहती है और वृक्षों की महत्वपूर्ण भूमिका को देखते हुए एक पेड़ मां के नाम अभियान की शुरूआत की गई है। उन्होंने कहा कि अभियान के माध्यम से अधिक से अधिक पौधारोपण के साथ ही भावनात्मक जुड़ाव के माध्यम से पौधों का संरक्षण एवं देखभाल हो सके ताकि अभियान केवल पौधारोपण तक ही सीमित न रहे।यह अभियान समाज में पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी का भी संदेश देता। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन समय की आवश्यकता होने के साथ-साथ सभी की नैतिक जिम्मेदारी भी है।

हरेला पर्व के अवसर पर जिलाधिकारी ने वेयर हाउस परिसर में गुरियाल के पौधा रोपित कर (मेरा वोट मेरी पहचान मेरा वृक्ष मेरी जान) थीम पर स्वीप कार्यक्रम के तहत उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को मतदाता की शपथ दिलाते हुए सभी निर्वाचनों में अपने मताधिकार का प्रयोग करने की अपील की।

इस दौरान मुख्य विकास अधिकारी आकांक्षा कोण्डे, अपर जिलाधिकारी दीपेंद्र सिंह नेगी, अपर जिलाधिकारी पीआर चौहान, परियोजना अधिकारी के एन तिवारी, जिला विकास अधिकारी वेद प्रकाश, मुख्य शिक्षा अधिकारी केके गुप्ता, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी आशुतोष भंडारी, जिला निबंधक सहकारिता पुष्कर सिंह पोखरियाल, जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी मीरा रावत, आरटीओ नेहा झा, आरटीओ निखिल शर्मा, जिला प्रोविजन अधिकारी अविनाश भदौरिया, सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी अरुणेश पैन्यूली, जिला स्वीप आईकॉन वैशाली शर्मा, स्वीप समन्वयक डा. संतोष चमोला सहित अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

बारिश में डीएम व एसएसपी ने कांवड़ मार्ग का किया भ्रमण

कांवड़ियों को बांटे फल और बिस्कुट

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। कांवड़ मेले को सकुशल संपन्न कराने में जुटे डीएम मयूर दीक्षित एवं एसएसपी प्रमेंद्र डोबाल ने भारी बारिश के बीच नगर क्षेत्र व कांवड़ मार्ग का भ्रमण किया और अलकनंदा तिराहे सहित विभिन्न ड्यूटी प्वाइंट पर तैनात जवानों से यात्रा का हाल जाना।

इस दौरान डीएम और एसएसपी ने कांवड़ लेकर लौट रहे कांवड़ियों को फल और पेयजल का वितरण भी किया। सवेरे से ही हो रही बारिश के बीच डीएम मयूर दीक्षित एवं एसएसपी प्रमेंद्र सिंह डोबाल अधीनस्थों के साथ नगर क्षेत्र एवं कांवड़ यात्रा मार्ग के भ्रमण पर पहुंचे। इस दौरान एसएसपी ने बरसात में ड्यूटी कर रहे जवानों से बरसाती, छाते इत्यादि की उपलब्धता की जानकारी लेने के साथ ही कांवड़ यात्रा के सकारात्मक पक्ष एवं पेश आ रही परेशानियों के बारे में जानकारी। डीएम व एसएसपी ने अलकनंदा तिराहा कांवड़ यात्रा मार्ग पर कांवड़ यात्रियों को फल, पानी, शीतल पेय, बिस्किट एवं ग्लूकोज आदि वितरित कर मंगलमय यात्रा की शुभकामनाएं दी।

विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों ने किया पौधारोपण

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। हरेला पर्व के अवसर पर कृषि उत्पादन मंडी समिति के पूर्व अध्यक्ष संजय चोपड़ा के संयोजन में विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों ने त्रिशूल पार्क में बेल व पीपल के पौधों का रोपण किया। संजय चोपड़ा ने कहा कि हरेला प्रकृति के संरक्षण का पर्व है। हरेला पर प्रत्येक व्यक्त को पौधरोपण करना चाहिए और वृक्ष बनने तक पौधे का संरक्षण भी करना चाहिए।

पर्यावरण के संरक्षण के लिए सभी को मिलकर योगदान करना होगा। सभी के सहयोग से ही लगातार बिगड़ रहे पर्यावरण को संतुलित किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि गंगाजल लेने आ रहे कांवड़ियों को भी पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया जाएगा। पौधारोपण करने वालों में तीर्थ मर्यादा रक्षा समिति के सहसंयोजक पंडित मनीष शर्मा, लघु व्यापारी नेता ओमप्रकाश भाटिया, पंडित विपिन शर्मा पंडित कृष्ण शर्मा, मोहनलाल, सुनील आदि प्रमुख रूप से शामिल रहे।

शिवालिक नगर में पर्यावरण संरक्षण के संकल्प के साथ मनाया हरेला पर्व

पालिका अध्यक्ष राजीव शर्मा के नेतृत्व में किया पौधारोपण

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। प्रकृति के संरक्षण से जुड़ा उत्तराखंड का लोकपर्व हरेला शिवालिक नगर पालिका क्षेत्र में पर्यावरण संरक्षण के संकल्प के साथ मनाया गया।

इस अवसर पर नगर पालिका शिवालिक नगर के अध्यक्ष राजीव शर्मा के संयोजन में एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत नवोदय नगर क्षेत्र में फलदार एवं छायादार पौधों का रोपण किया गया। इस दौरान भाजपा शिवालिक नगर मंडल के कार्यकर्ता व बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी शामिल रहे। नगर पालिका अध्यक्ष राजीव शर्मा ने सभी को ट्री गार्ड सहित पौधे भेंट किए और अपने मोहल्लों व घरों के आसपास लगाकर वृक्ष संरक्षण का संकल्प दिलाया। राजीव शर्मा ने कहा कि हरेला केवल एक पर्व नहीं, बल्कि यह हमारे जीवन और प्रकृति के बीच के गहरे रिश्ते का प्रतीक है। वृक्ष वातावरण को शुद्ध करने के साथ जल संरक्षण, छाया, आक्सीजन और जैव विविधता के पोषण में भी अहम भूमिका निभाते हैं। यदि हम अपनी आने वाली पीढ़ियों को एक स्वच्छ व सुरक्षित पर्यावरण देना चाहते हैं, तो हमें अधिक से अधिक वृक्ष लगाने चाहिए और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी द्वारा पर्यावरण संरक्षण के लिए शुरू किए गए एक पेड़ माँ के नाम अभियान में प्रत्येक व्यक्ति को योगदान देना चाहिए। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष कैलाश भंडारी, मंडल महामंत्री पंकज चौहान व अंशुल शर्मा, सभासद दीपक नौटियाल, मंडल उपाध्यक्ष श्वेता सिंह, कार्यालय मंत्री भानु प्रताप सिंह, सोशल मीडिया प्रभारी संचित डागर, प्रमोद डोभाल, अवधेश राय, मुकेश रावत, सौरभ सक्सेना, रामनिवास गुर्जर, दीपा सिंह, भागेश्वरी, नीरज प्रेमी, दीपक सेमवाल, अजय मलिक, रवि वर्मा, रविन्द्र उनियाल, अशोक उपाध्याय, रामशकल मौर्य, बीना कोटनाला, अमन, वतन वर्मा पार्टी सहित पार्टी कार्यकर्ता व क्षेत्रवासी मौजूद रहे।

जनपद हरिद्वार में हरेला पर्व पर सीडीओ आकांक्षा कोण्डे ने किया वृक्षारोपण

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। हरिद्वार जनपद के जिला मुख्यालय, विकास भवन और कलेक्ट्रेट के प्रांगण में मुख्य विकास अधिकारी श्रीमती आकांक्षा कोण्डे ने हरेला पर्व के उपलक्ष्य में वृक्षारोपण किया। इस अवसर पर उन्होंने समस्त जनपद वासियों को पर्यावरण संरक्षण का महत्वपूर्ण संदेश दिया। श्रीमती कोण्डे ने जनपद के नागरिकों से अपील की कि वे हरेला पर्व के महत्व को समझते हुए और पर्यावरण को स्वच्छ रखने की दिशा में अपना योगदान दें। उन्होंने जोर देकर कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने आसपास वृक्षारोपण करना चाहिए और पर्यावरण को हरा-भरा तथा प्रदूषण मुक्त बनाए रखने के लिए सक्रिय रूप से प्रयास करना चाहिए। उनका यह संदेश प्रकृति के प्रति हमारी जिम्मेदारी और एक स्वस्थ भविष्य के निर्माण की दिशा में एक प्रेरणादायक कदम था।

इस अवसर पर जिला विकास अधिकारी श्री वेद प्रकाश, वरिष्ठ व्यक्तिगत सहायक (सीडीओ) श्री वीरेंद्र सिंह रावत, मुख्य कृषि अधिकारी, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी, तथा अन्य कई अधिकारी व कर्मचारीगण उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर इस वृक्षारोपण अभियान में भाग लिया और पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

यह आयोजन न केवल हरेला पर्व की परंपरा को आगे बढ़ाता है, बल्कि हरिद्वार जनपद में पर्यावरण जागरूकता और वृक्षारोपण के महत्व को भी रेखांकित करता है। यह पहल निश्चित रूप से जनपद वासियों को अधिक से अधिक पेड़ लगाने और अपने पर्यावरण को बेहतर बनाने के लिए प्रोत्साहित करेगी।

सीएम के निर्णय को पंचायत सदस्य ने बताया ऐतिहासिक कदम

गीता और रामायण से बच्चे बनेंगे न्यायप्रिय और संस्कारी : शिवानी

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा राज्य के स्कूलों में भगवद्गीता और रामायण जैसे भारतीय सांस्कृतिक ग्रंथों को शिक्षा में शामिल करने के निर्णय को लेकर सराहना का सिलसिला शुरू हो गया है। मुख्यमंत्री ने कहा है कि भगवद्गीता में भगवान श्रीकृष्ण द्वारा अर्जुन को दिया गया ज्ञान बच्चों में अच्छे संस्कारों का संचार करेगा और उन्हें न्यायप्रिय बनाएगा।

मुख्यमंत्री के इस फैसले को फेरुपुर ग्राम पंचायत की सदस्य कुमारी शिवानी ने समय की जरूरत और बच्चों के चरित्र निर्माण के लिए एक सराहनीय पहल बताया है। उन्होंने कहा कि ऐसे ग्रंथों का अध्ययन बच्चों को सिर्फ शिक्षा ही नहीं, बल्कि जीवन जीने की सही दिशा देगा। फेरुपुर ग्राम पंचायत की सदस्य कुमारी शिवानी ने मीडिया को दिए बयान में कहा कि गीता और रामायण जैसे ग्रंथों से बच्चों में नैतिकता, कर्तव्य भावना और आत्मसंयम जैसे गुण विकसित होंगे। ये ग्रंथ न केवल धार्मिक, बल्कि दार्शनिक और व्यावहारिक दृष्टि से भी अत्यंत समृद्ध हैं। शिक्षा सिर्फ ज्ञान देने तक सीमित न रहे, बल्कि वो जीवन में दिशा देने वाली हो- यही सच्ची शिक्षा है। उन्होंने मुख्यमंत्री धामी को धन्यवाद देते हुए कहा कि जो भी चीज बच्चों को सही राह पर ले जाए, उसका स्वागत पूरे समाज को करना चाहिए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री धामी की इस पहल को शिक्षा और संस्कृति के समन्वय की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास माना जा रहा है। यदि इस निर्णय को जमीनी स्तर पर ठीक से लागू किया गया, तो उत्तराखंड देशभर में एक आदर्श मॉडल बन सकता है, जहां आधुनिक शिक्षा के साथ-साथ सांस्कृतिक मूल्य भी बच्चों के व्यक्तित्व का हिस्सा होंगे।

शिविर में सिडकुल की सायनोकेम कंपनी के कर्मचारियों ने किया रक्तदान

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। सिडकुल में मंगलवार को सायनोकेम कंपनी ने हरिद्वार चेरिटेबल ब्लड सेंटर के सहयोग से रक्तदान शिविर का आयोजन किया। इस अवसर पर कंपनी के सभी कर्मचारियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और मानवता की सेवा में महत्वपूर्ण योगदान दिया। जिसमें लगभग 200 कर्मचारियों ने रक्तदान किया। सायनोकेम कंपनी कई वर्षों से रक्तदान जैसे सामाजिक कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभा रही है। कंपनी का उद्देश्य केवल व्यापारिक विकास नहीं, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारियों को भी बखूबी निभाना है। रक्तदान जैसे कार्यों के माध्यम से कंपनी समाज के प्रति अपनी सेवा भावना को निरंतर प्रकट करती आ रही है और भविष्य में भी इस तरह के जनहितकारी कार्यों से जुड़ी रहने की प्रतिबद्धता जताई है।

इस अवसर पर सायनोकेम कंपनी के प्रेसिडेंट रंजन नायक ने बताया कि हमारी कंपनी पिछले कई वर्षों से लगातार सामाजिक कार्यों में बढ़ चढ़कर भार लेती आ रही है उन्होंने बताया कि रक्तदान सबसे बड़ा दान होता है और इसकी आवश्यकता पढ़ने पर लोगों को आसानी से मिल सके इसके लिए हमारे यहां प्रतिवर्ष रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाता है। कंपनी के अन्य अधिकारियों ने राजदान शिविर में उपस्थित होकर कर्मचारियों का उत्साहवर्धन किया और इस आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वहीं दूसरी और हरिद्वार चौरिटेबल ब्लड सेंटर की ओर से संदीप चौधरी ने सायनोकेम कंपनी की पूरी टीम का आभार व्यक्त किया उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन समाज में सकारात्मक संदेश फैलाते हैं और लोगों को दूसरों की सहायता के लिए प्रेरित करते हैं। सायनोकेम का यह प्रयास निश्चित रूप से अन्य संस्थानों के लिए भी एक प्रेरणा का स्रोत बनेगा।

रूद्राभिषेक के दौरान माता पार्वती का भी करें ध्यान

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। निरंजन पीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी कैलाशानंद गिरी ने कहा कि भगवान शिव ही इस संसार के अधिपति हैं। सावन में महादेव शिव की आराधना साधक को करोड़ों गुना पुण्य फल प्रदान करती है। श्री दक्षिण काली मंदिर में आयोजित पूरे सावन चलने वाली विशेष शिव आराधना के दौरान श्रद्धालु भक्तों को शिव महिमा से अवगत कराते हुए स्वामी कैलाशानंद गिरी महाराज ने कहा कि त्रिदेवों में भगवान शिव का स्थान सर्वोच्च है। कैलाशवासी भगवान शिव को प्रकृति से बेहद लगाव है। सावन प्रकृति के संरक्षण संवर्घन को समर्पित है। इसलिए सावन में महादेव शिव की आराधना का विशेष महत्व है। उन्होंने कहा कि सावन में सात्विक रहकर प्रतिदिन नियमित रूप से शिव आराधना करें।

जेल में श्री शिव महापुराण कथा का आयोजन

कथाव्यास स्वामी रामेश्वरानंद ने कराया माता पार्वती और शिव विवाह कथा का श्रवण

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। श्री अखंड परशुराम अखाड़े की और से जिला कारागर रोशनाबाद में आयोजित की जा रही श्री शिव महापुराण कथा के पांचवे दिन कथाव्यास महामंडलेश्वर स्वामी रामेश्वरानंद सरस्वती महाराज ने माता पार्वती और भगवान शिव के विवाह की कथा श्रवण कराते हुए बताया कि जब माता सती ने दक्ष यज्ञ में अपने शरीर का त्याग कर दिया और ब्रह्मा से केवल शिव पुत्र के हाथों ही मृत्यु का वरदान तारकासुर ने उत्पात मचाना शुरू कर दिया। तारकासुर के अत्याचार से दुखी सभी देवता भगवान नारायण की शरण में गए। भगवान नारायण ने कहा कि मां भगवती की उपासना करो। सभी देवताओं ने मिलकर मां भगवती की उपासना की। प्रसन्न होकर मां भगवती ने हिमाचल के घर पुत्री के रूप में जन्म लिया। पिता हिमाचल और मां मैना ने उनका नाम पार्वती रखा। शिव को पाने के लिए पार्वती ने कठोर तप किया। माता पार्वती की कठोर साधना से शिव प्रसन्न हो गए और उनका माता पार्वती के साथ विवाह संपन्न हुआ। इसके बाद भगवान शिव और माता पार्वती के पुत्र कार्तिकेय ने तारकासुर का अंत किया। श्री अखंड परशुराम अखाड़े के राष्ट्रीय अध्यक्ष पंडित अधीर कौशिक ने बताया कि कथा के प्रभाव से जेल में सजा काट रहे बंदियों को आध्यात्मिक मार्गदर्शन मिलेगा और वे सही मार्ग का अनुसरण करते देश व समाज की प्रगति में योगदान करेंगे।

इस अवसर पर श्री अखंड परशुराम अखाड़े के राष्ट्रीय सचिव भागवताचार्य पंडित पवनकृष्ण शास्त्री, आचार्य विष्णु शर्मा, आचार्य संजय शर्मा, सत्यम शर्मा, कुलदीप चौहान, रूपेश कौशिक, विष्णु गौड़, जितेंद्र सैनी, मनोज कुमार, अनिल तिवारी, राहुल शर्मा, मनोज ठाकुर, बृजमोहन शर्मा, जलज कौशिक सहित जेल में बंद कैदियों ने कथा श्रवण का लाभ लिया।

स्कूलों में भगवद गीता पढ़ाए जाने के मुख्यमंत्री के निर्णय का अखाड़ा परिषद अध्यक्ष ने किया स्वागत

सनातन धर्म को आगे बढ़ाने के लिए निरंतर पहल कर रहे हैं सीएम धामी : श्रीमहंत रविंद्रपुरी

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद एवं मनसा देवी मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष श्रीमहंत रविंद्रपुरी महाराज ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के सभी स्कूलों में भगवद् गीता का पाठ और गीता पढ़ाए जाने के निर्णय का स्वागत किया है। निर्णय का स्वागत करते अखाड़ा परिषद अध्यक्ष श्रीमहंत रविंद्रपुरी महाराज ने चरण पादुका मंदिर में आयोजित कांवड़ सेवा शिविर में एचआरडीए सचिव मनीष सिंह व कांवड़ लेने आए शिवभक्तों को भगवद् गीता भेट की। श्रीमहंत रविंद्रपुरी महाराज ने कहा कि संत समाज मुख्यमंत्री के निर्णय का स्वागत करता है। स्कूलों में भगवद् गीता का पाठ व इसके अध्ययन से छात्रों में संस्कारों का विकास होगा। सनातन धर्म संस्कृति का संरक्षण संवर्द्धन होगा। उन्होंने कहा कि मदरसा बोर्ड ने भी स्कूलों में भगवद् गीता पढ़ाए जाने के निर्णय का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी सनातन धर्म को आगे बढ़ाने के लिए लगातार पहल कर रहे हैं। सभी को स्कूलों में गीता पढ़ाए जाने के मुख्यमंत्री के इस निर्णय का स्वागत करना चाहिए। निरंजनी अखाड़े के सचिव श्रीमहंत रामरतन गिरी ने मुख्यमंत्री के निर्णय का स्वागत करते हुए कहा कि कांवड़ मेले के दौरान सभी कांवड़ियों को भगवद् गीता का वितरण किया जाएगा। इस अवसर पर श्रीमहंत रामरतन गिरी, भारत माता मंदिर के महंत महामंडलेश्वर स्वामी ललितानंद गिरी, एसएमजेएन कालेज के प्राचार्य प्रो.सुनील कुमार बत्रा, भोला शर्मा सहित कई लोग मौजूद रहे।

बहादुरपुर जट में हरेला पर्व बड़ी धूमधाम से मनाया

शाह टाइम्स संवाददाता

पथरी। क्षेत्र के गांव बहादुरपुर जट में उत्तराखंड लोक पर्व हरेला बड़ी धूमधाम के साथ मनाया गया।बहादुरपुर जट स्थित बड़े देवता पर और उसी के पास तालाब के किनारे ग्रामवासियो द्वारा फलदार पेड़ के पौधे लगाए गए। ग्राम प्रधान बताया कि आज हरेला पर्व पर ग्राम पंचायत बहादुरपुर जट के द्वारा फलदार पेड़ लगाए गए हैं। और ग्राम पंचायत ने उनकी देखभाल और सुरक्षा की व्यवस्था की जिम्मेदारी ली हे। उन्होंने कहा कि हमें पेड़ों को लगाकर उनकी सुरक्षा की जिम्मेदारी भी लेनी चाहिए। इस अवसर पर प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य किसान मोर्चा धर्मेंद्र सिंह चौहान ने कहा कि हरेला पर्व उत्तराखंड का लोक पर्व है। यह पर्व प्रकृति की रक्षा और पर्यावरण को संतुलित करने का पर्व है। इस दिन हम पर्यावरण को संतुलित करने वाले पेड़ लगाकर प्रतिज्ञा लेते हैं कि हम अपनी प्रकृति और पर्यावरण को संतुलित रखने का काम करेंगे। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड एक ऐसा राज्य है जिसमें 70% वन क्षेत्र हैं और 30% आबादी क्षेत्र है उत्तराखंड प्रदेश पूरे भारत को ऑक्सीजन देने का काम करता है। उन्होंने आशा व्यक्त कि की प्रत्येक व्यक्ति पेड़ों के महत्व को समझेगा। और उन्हें संरक्षित करने का काम करेगा इस अवसर पर ग्राम सभा सदस्य रमेश चंद, संजय सिंघानिया, सचिन आर्य, गुल सनोवर दुष्यंत एडवोकेट जितेंद्र ठाकुर, चौधरी वीर सिंह, राकेश उर्फ पप्पू यादव, चौधरी धर्मेंद्र गुड्डू चौधरी सत्य कुमार, रेनू चौधरी ,चीनू चौधरी, अवधेश एडवोकेट अतर सिंह सैनी, राजेश कश्यप, प्रदीप कश्यप सहित अनेकों ग्रामवासी उपस्थित रहे।

उत्तराखंड की संस्कृति को दर्शाने वाला पर्व है हरेला

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। हरेला पर्व पर निर्मल वर्ग ग्राम उद्योग सेवा संस्थान की ओर से बहादराबाद इंडस्ट्रियल एरिया में पौधारोपण किया गया। निर्मल वर्ग ग्राम उद्योग सेवा संस्थान के अध्यक्ष सुधीर प्रकाश गुप्ता ने कहा कि हरेला पर्व उत्तराखंड की संस्कृति को दर्शाने वाला पर्व है। मनुष्य का जीवन वृक्षों पर निर्भर है। बढ़ते प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए धरा पर पौधारोपण अवश्य करना चाहिए। सुधीर प्रकाश गुप्ता ने लोगों से आवाहन करते हुए कहा कि वृक्षों की सुरक्षा करें। पर्यावरण संतुलित करने मे प्रत्येक नागरिक की सहभागिता होनी चाहिए। वृक्षों को किसी भी प्रकार का नुकसान न होने दें। अपने आसपास अधिक से अधिक पौधारोपण करें। जीवन को सुखमय बनाना है तो वृक्षों की सुरक्षा करें।

आत्महत्या के इरादे से हरकी पैड़ी पहुंचे युवक को पुलिस ने सकुशल बचाया

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। आत्महत्या के इरादे से हरकी पैड़ी पहुंचे युवक को पुलिस ने आत्मघाती कदम उठाने से पहले ही सकुशल बचा लिया और परिजनों के सुपुर्द कर दिया।

देहरादून निवासी एक व्यक्ति ने हरिद्वार पुलिस कंट्रोल रूम में फोन कर बेटे के आत्महत्या के इरादे से हरकी पैड़ी पहुंचने की सूचना दी थी। बेटे को बचाने की गुहार लगाते हुए व्यक्ति ने बताया कि उसका बेटा गौरव हरकी पैड़ी पर मौजूद है और वीडियो कॉल कर आत्महत्या करने की बात कर रहा है। वीडियो में उसके पीछे काले सफेद रंग की टाइल्स और गंगा भी दिखाई दे रही है। पुलिस कंट्रोल रूम में ड्युटी पर तैनात कर्मी ने लोकेशन की पहचान कर हरकी पैड़ी मुख्य प्रवेश द्वार पर तैनात अपर उपनिरीक्षक हरि प्रसाद एवं चौकी हरकी पैड़ी को सूचना नोट करायी तथा जल्द से जल्द युवक की तलाश करने के निर्देश दिए। इस पर पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए युवक की तलाश शुरू की और उसे ढूंढ कर चौकी ले आए। सूचना मिलने पर परिजन भी चौकी पहुंच गए। पुलिस ने युवक को समझा बुझाकर परिजनों के सुपुर्द कर दिया। बेटे के सकुशल मिलने पर वृद्ध पिता और परिजनों ने पुलिस को आभार व्यक्त किया।

सूचना (संबंध विच्छेद)

मेरा पुत्र शादाब व इसकी पत्नी श्रीमति सोनम गलत आचरण के कारण हमारे कहने सुनने में नही है, इसलिये तंग आकर अपनी समस्त चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल कर संबंध विच्छेद कर लिये है, इनके किसी भी कृत्य व लेन देन की मेरी व मेरे परिवार की कोई जिम्मेदारी नही होगी। जहीर हसन पुत्र स्व. श्री शब्बीर, निवासी ग्राम बोडाहेडी मोहिउद्दीनपुर, थाना पथरी, जिला हरिद्वार।

सूचना (संबंध विच्छेद)

मेरा पुत्र दिलनवाज व पुत्रवधु समरीन गलत आचरण के कारण मेरे कहने सुनने ने नहीं है इसलिये तंग आकर अपनी समस्त चल अचल संपत्ति से बेदखल कर इनसे संबंध विच्छेद कर लिये है। भविष्य ने इनके किसी भी कृत्य व लेन देन की जिम्मेदारी मेरी व मेरे परिवार की नही होगी। सईद अहमद पुत्र श्री जहूर अहमद निवासी आशियाना होटल के पीछे, गायत्री विहार, ग्राम सराय, थाना ज्वालापुर हरिद्वार।

हरेला पर्व पर शिक्षा विभाग ने रोपे 1.5 लाख से अधिक पौधे

■ पर्यावरण संरक्षण को छात्र-छात्राओं व शिक्षकों ने दिया अनूठा संदेश, विभागीय मंत्री डॉ रावत ने दिया 5 लाख पौधे लगाने का लक्ष्य

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून: उत्तराखंड के पारंपरिक लोकपर्व हरेला के अवसर पर शिक्षा विभाग द्वारा आज व्यापक वृक्षारा. पण अभियान चलाया गया। प्रदेशभर के राजकीय विद्यालयों में विद्यार्थियों, शिक्षकों और कर्मचारियों के सहयोग से अब तक 1.5 लाख से अधिक पौधे रोपे जा चुके हैं।

विभागीय मंत्री डॉ. धन सिंह रावत के नेतृत्व व प्रेरणा से इस अभियान की शुरुआत की गई है, जिसका उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण को जनआंदोलन बनाना है। मंत्री डॉ. रावत ने शिक्षा विभाग को बरसात के पूरे मौसम में कुल 5 लाख पौधे लगाने का लक्ष्य दिया है, जिसमें छात्र-छात्राओं, शिक्षकों व अभिभावकों की भागीदारी भी

सुनिश्चित कराने को कहा है।

माध्यमिक शिक्षा निदेशक डॉ. मुकुल सती ने बताया कि आज हरेला पर्व के अवसर पर प्रदेशभर के विद्यालयों में पूरे उत्साहपूर्वक वृक्षारोपण किया गया। जिसमें माध्यमिक व प्राथमिक स्तर पर 1.5 लाख से अधिक पौधे लगाए गए। जिसमें पौड़ी जनपद में 8500, देहरादून 16859, हरिद्वार 15000, टिहरी 7836, चमोली 6400, रुद्रप्रयाग 7502, उत्तरकाशी 3710, अल्मोडा 11438, नैनीताल 11900, ऊधमसिंह नगर 31000, पिथौरागढ़ 9789, चम्पावत 12000 तथा बागेश्वर में 15926 पौधे रोपे गये। जिनमें आड़ू, खुमानी, नाशपाती, चुल्लू, अखरोट, आम, अमरूद फलदार वृक्ष तथा स्थानीय प्रजातियों में बांज, बुरांश आदि शामिल है। डॉ. सती ने बताया कि विद्यालय परिसरों और आसपास के क्षेत्रों में पौधरोपण के लिए सभी अधिकारियों, शिक्षकों एवं शिक्षणेत्तर कार्मिकों को जिला और ब्लॉक स्तर पर आवश्यक दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि विभागीय मंत्री द्वारा निर्धारित लक्ष्य समय से पूर्व ही पूरा कर लिया जाएगा।

लोकपर्व हरेला के अवसर पर विद्यालय परिसर व आसपास 1.5 लाख पौधे रोपने का लक्ष्य रखा था। छात्र-छात्राओं व शिक्षकों ने लक्ष्य से अधिक वृक्षारोपण कर पर्यावरण प्रेम में अनूठा संदेश दिया। बरसाती सीजन में विद्यालयों में 5 लाख वृक्षारोपण का लक्ष्य रखा गया है जिसे विशेष अभियान के तहत पूरा किया जाएगा।यह अभियान उत्तराखंड को हरित और समृद्ध बनाने की दिशा में एक प्रेरक प्रयास होगा।

डॉ धन सिंहरावत ,शिक्षा मंत्री उत्तराखंड

जजरेट पहाड़ी जौनसार बावर के लिए बन चुकी नासूर

पहाड़ी का मलबा सड़क पर गिरने से तीन घंटे रहा मार्ग बंद

पहाड़ी के दोनों ओर लोडर, दुपहिया, यात्री वाहनों की लगी रही लंबी कतार

शाह टाइम्स संवाददाता

सहिया। भारी बारिश के कारण जौनसार बावर का मुख्य मोटर मार्ग करीब तीन घंटे बंद रहा। बुधवार दोपहर में हुई भारी बारिश से जजरेट पहाड़ी का मलबा सड़क पर गिरने से मार्ग अवरुद्ध हो गया। जिससे सडक की दोनों ओर लोडर, दुपहिया, यात्री वाहनों की लंबी कतार लगी रहीं।

पहाड़ी से रुक रुक कर बड़े बड़े पत्थर और मलबा सड़क पर आने से लैंड स्लाइड जोन जजरेट तीन घंटे बंद रहा। तीन घंटे तक लोग सडक खुलने के इंतजार में जजरेड में फंसे रहे। दिवान सिंह, पूरन सिंह, सरदार सिंह आदि लोगों का कहना है कि जजरेट पहाड़ी का ट्रीटमेंट प्लान कई सालो से सुनने में आ रहा है लेकिन आजतक इस पर कोई कार्यवाही नहीं हो पाई है जिससे क्षेत्र के लोगों को परेशानियां झेलनी पड रही है। मार्ग बंद रहने से लोग समय से अपने गंतव्य तक नहीं पहुंच पाते।

करीब तीन घंटे बाद लोक निर्माण विभाग सहिया की अधिशासी अभियंता रचना थपलियाल ने बताया कि बुधवार दोपहर भारी वर्षा के कारण जजरेड पहाड़ी से रुक रुक कर मलबा आ रहा है मार्ग से मलबा हटा दिया गया है मार्ग यातायात के लिए सुचारू कर दिया गया है।

अस्पताल को प्रो-पेशेंट मॉडल के रूप में विकसित करें: डीएम

शाह टाइम्स संवाददाता

बागेश्वर। हरेला पर्व के अवसर पर जिलाधिकारी आशीष भटगांई ने जिला अस्पताल परिसर में वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इसके बाद उन्होंने अस्पताल का निरीक्षण कर पूर्व दिए गए निर्देशों की प्रगति की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अस्पताल की साफ-सफाई में सुधार की सराहना की, लेकिन व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाने की बात भी कही। उन्होंने मरीजों से वार्ड में जाकर संवाद किया और अस्पताल प्रशासन को निर्देश दिए कि मरीजों की सुविधाओं को प्राथमिकता दी जाए। जिलाधिकारी ने सभी उपकरणों को क्रियाशील रखने, सीसीटीवी कैमरे

और अग्निशमन उपकरणों की नियमित जांच सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। एक्स-रे मशीनों की बार-बार खराबी पर नाराजगी जताते हुए उन्होंने शीघ्र मरम्मत के आदेश दिए। डॉक्टरों व स्टाफ से बातचीत कर उन्होंने उनकी समस्याएं सुनीं और शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया। उन्होंने अस्पताल को प्रो-पेशेंट मॉडल के रूप में विकसित करने पर जोर देते हुए किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतने की चेतावनी दी।

हाई कोर्ट में सुनवाई के बाद नामांकन रदद करने पर लगी रोक

शाह टाइम्स संवाददाता

नैनीताल । उत्तराखण्ड हाईकोर्ट ने जिला टिहरी निवासी ग्राम प्रधान की प्रत्याशी कुसुम कोठियाल के घर मे सुलभ शौचालय नहीं होने के कारण उनका नामांकन रद्द करने के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई की। मामले की सुनवाई के बाद मुखय न्यायधीश की अध्यक्षता वाली खण्डपीठ ने उनका नामांकन रद्द करने के आदेश पर रोक लगाई।

बता दें कि बुधवार को मामले की सुनवाई मुखय न्यायधीश जी नरेंद्र व न्यायमूर्ति आलोक महरा की खण्डपीठ में हुई।

कोर्ट ने राज्य चुनाव आयोग को निर्देश दिए हैं कि उनको जल्द चुनाव चिह्न जारी करें। कोर्ट मे सुनवाई के दौरान आयोग की तरफ से कहा गया कि नामांकन भरने व

उनकी जांच हो चुकी है।

नामांकन पत्र के शपथ पत्र के मुता. बिक उनका नामांकन सही नहीं पाया गया। कमेटी ने उसकी स्क्रूटिनी के बाद नामांकन पत्र को रद्द किया। इस पर विरोध दर्ज करते हुए याचिकर्ता की तरफ से कहा गया कि यह नियमों के विरुद्ध जाकर निरस्त किया गया है। जरूरी नहीं है कि घर के अंदर ही शौचालय हो, उनका सौचालय घर डेढ़ सौ मीटर की दूरी पर है। किस आधार पर उनका नामांकन निरस्त किया जा सकता है। मामले के अनुसार टिहरी जिले की निवासी कुसुम कोठियाल ने याचिका दायर कर कहा कि वे ग्राम प्रधान के पद हेतु पंचायत चुनाव का चुनाव लड़ रही हैं लेकिन चुनाव आयोग ने उनका नामांकन इस आधार पर निरस्त कर दिया कि उनके घर में शौचालय नहीं है याचिका में उनके द्वारा यह भी कहा गया कि ग्रामीण क्षेत्रो में घरों के शौचालय घर के अंदर न होकर बाहर होते हैं जो उनके घर से डेढ़ सौ मीटर की दूरी पर बना है वह भी उनका व्यक्तिगत शौचालय है, न की सार्वजनिक इसलिए उनके नामांकन पत्र को बहाल किया जाय।

एक नजर ....

एंबुलेंस की सुरक्षा व्यवस्था जांची

बागेश्वर। सहायक परिवहन अधिकारी अमित कुमार ने जिले के एंबुलेंस की सुरक्षा व्यवस्था जांची। एक एंबुलेंस पर शिकायत मिलने पर जिला प्रभारी का स्पष्टीकरण मांगा है। भविष्य में इस तरह की शिकायत मिलने पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी है। दो अन्य वाहन सीज किए हैं। बुधवार की सुबह से ही विभाग ने विभिन्न मार्गों पर चलने वाली एंबुलेंसों की जांच की। उसकी फिटनेस जांची। इस दौरान अधिकतर एंबुलेंस सही हालत में पाए गए। एक में शिकायत मिली है। इस मामले में 108 के जल प्रभारी का स्पष्टीकरण लिया है। उचित रखरखाव के निर्देश दिए। अधिकारी ने बताया कि जिले में संचा. लित एंबुलेंस परिवहन कार्यालय देहरादून में पंजीकृत हैं।

शराब के नशे में नेपाली ने साथी को पटक दिया

बागेश्वर। जिला अस्पताल के पास बुधवार को शराब के नशे में एक नेपाली मजदूर ने दूसरे को जमीन पर पटक दिया। दूसरा युवक बेहोश हो गया। यहां से गुजर रहे वृक्ष पुरुष किशन मलड़ा ने बीच बचाव करने के बाद घायल को जिला अस्पताल पहुंचाया। आस पास मेडिकल स्टोर, जिला अस्पताल, आदि दुकानें है, क्षेत्र का माहौल खराब न हो इस लिए लोगों ने पुलिस से क्षेत्र में गश्त बढ़ाने की मांग की है। बता दें कि श्रीनौला के पास दो नेपाली मजदूरों में विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ गया कि एक नेपाली मजदूर ने दूसरे नेपाली को सिर के बल जमीन पर पटक दिया। इसमें नेपाल निवासी 42 वर्षीय हरक लहूलुहान हो गया। उसके सिर में चोट आई है। वह काफी देर तक बेहाश रहा। पास ही खड़े वृक्ष पुरुष किशन सिंह मलड़ा ने घायल को लहूलुहान हालत में देखा तो बीच बचाव किया और घायल को अस्पताल पहुंचाया। इस दौरान नेपाली किशन सिंह मलड़ा पर भी गुस्सा उतारने लगा। अन्य लोगों को देखकर वह चुप हो गया। डा. नसीम अहमद ने बताया कि नेपाली के सिर में चोट थी। प्राथमिक उपचार के बाद उसे घर भेज दिया है।

समर्थ से 26 जुलाई तक पंजीकरण करेंगे छात्र

अल्मोड़ा। सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय अल्मोड़ा समेत अन्य विश्वविद्यालयों में स्नातकोत्तर में प्रवेश के लिए पंजीकरण शुरू हो गए हैं। छात्र छात्राएं समर्थ पोर्टल के माध्यम से 26 जुलाई तक आवेदन कर सकते है। एसएसजे विवि, कुमाऊं विश्वविद्यालय और श्रीदेव सुमन विश्वविद्यालय में इस बार भी स्नातकोत्तर में प्रवेश के लिए पंजीकरण समर्थ पोर्टल पर ही किए जा रहे हैं। पंजीकरण के लिए शासन की ओर से पोर्टल खोल दिया गया है। पोर्टल खुलने से पंजीकरण शुरू हो गए हैं। पंजीकरण के बाद प्रवेश प्रक्रिया शुरू होगी। संबंधित कॉलेजों में मैरिट के आधार पर छात्रों के प्रवेश किए जाएंगे। एसएसजे विवि में समर्थ पोर्टल के नोडल अधिकारी डा. मनोज कुमार बिष्ट ने बताया कि पंजीकरण शुरू हो गए हैं। पंजीकरण के लिए अंतिम तिथि 26 जुलाई रखी गई है। छात्र छात्राएं अंतिम तिथि से पहले पंजीकरण कर लें। ताकि वह प्रवेश से वंचित ना रह सकें। वहीं, एसएसजे परिसर में स्नातक प्रथम सेमेस्टर में प्रवेश प्रक्रिया भी जारी है।

शराब की तस्करी का आरोपी गिरफ्तार

अल्मोड़ा। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव को लेकर पुलिस की सख्ती जारी है। मादक पदार्थों की तस्करी करने वालों की धरपकड़ को पुलिस ने अभियान तेज कर दिया है। अब धौलछीना पुलिस ने शराब की तस्करी कर रहे एक आरोपी को धर दबोचा। धौलछीना थानाध्यक्ष विजय नेगी की अगुवाई में पुलिस टीम ने बाड़ेछीन कस्बे में चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान पालिटेक्निक तिराहे के एक व्यक्ति शक होने पर रोककर चेक किया गया। चेक करने पर आरोपी पुष्कर सिंह सिराड़ी निवासी सिराड़ के कब्जे से 16 बोतल अंग्रेजी शराब बरामद हुई। जिसके बाद आरोपी को गिरफ्तार करते हुए थाना धौलछीना में आबकारी अधिनियम के तहत अभियोग पंजीकृत किया गया। एसएसपी देवेंद्र पींचा ने बताया कि पंचायत चुनाव को शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने को पुलिस की संदिग्धों पर नजर है। अराजकता फैलाने वालों और मादक पदार्थों की तस्करी करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

हरेला पर्व पर 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत पौधारोपण

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। भाजपा नगर कार्यालय मंत्री दीपांशु शर्मा ने हरेला पर्व के अवसर पर वार्ड नंबर 16 के बाजार क्षेत्र मंगल पड़ाव में स्थानीय परिवारों के साथ पौधारोपण किया। यह कार्यक्रम माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किए गए एक पेड़ माँ के नाम तथा हरेला का त्योहार मनाओ, धरती माँ का ऋण चुकाओ अभियान के अंतर्गत आयोजित किया गया। दीपांशु शर्मा ने इस मौके पर नागरिकों से अपील की कि वे हरेला पर्व पर अधिक से अधिक पौधे लगाएं और उनके संरक्षण का भी संकल्प लें। उन्होंने कहा कि वृक्षारोपण न केवल पर्यावरण की रक्षा करता है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए एक हरित भविष्य का मार्ग भी प्रशस्त करता है।

हरियाली को बताया प्राणवायु

हल्द्वानी। उत्तराखंड के प्रकृति संरक्षण और हरियाली के प्रतीक लोकपर्व हरेला के अवसर पर श्री सनातन धर्म संस्कृत महाविद्यालय में विभिन्न प्रकार के पौधों का रोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। इस अवसर पर संस्कृत शिक्षा निदेशक डा. आनंद भारद्वाज ने अपने संदेश में कहा, हरियाली हमारे जीवन की प्राण है, जो विभिन्न रूपों में हमारी धरती को समृद्धि प्रदान करती है।

पौधों के बिना जीवन की कल्पना अधूरी है, इसलिए हमें अधिक से अधिक पौधे लगाकर उन्हें संरक्षित करना चाहिए। महाविद्यालय के प्राचार्य मनोज कुमार पांडेय ने पौधरोपण का महत्व बताते हुए कहा, पेड़ों की देखभाल करना माता-पिता की सेवा के समान है। एक पौधे को रोपित कर उसकी निरंतर देखभाल करना हमारी जिम्मेदारी है। इस अवसर पर विद्यार्थियों के साथ-साथ जगतप्रकाश त्रिपाठी, अशोक वार्ष्णेय समेत कई अन्य शिक्षण व सामाजिक क्षेत्र से जुड़े लोग मौजूद रहे।

घुश्मेश्वर महिला समिति ने मनाया हरेला पर्व

अल्मोड़ा। घुश्मेश्वर महिला समिति अल्मोड़ा ने नन्दा देवी मंदिर में वृहद हरेला पर्व मनाया। इस अवसर पर सैकड़ों महिलाएं हरेले को लेकर नन्दा देवी मंदिर पहुंची जहां कुमाऊंनी गीतों के द्वारा सबका स्वागत किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए समिति की अध्यक्ष लता तिवारी ने कहा कि इस हरेला कार्यक्रम को करने का मुख्य उद्देश्य अपनी पर्वतीय संस्कृति को बढ़ावा देना है।

उन्होंने कहा कि आधुनिकता के इस दौर में आज बेहद आवश्यक हो गया है कि हमारी पर्वतीय संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए इस तरह के कार्यक्रमों को आयोजित किया जाए। इस कार्यक्रम में विधायक मनोज तिवारी, नगरपालि. का अध्यक्ष प्रकाश चन्द्र जोशी, प्रीति बिष्ट, राधा तिवारी, दीपा बिष्ट, कमला कार्की, कमला पांडे, तारा तिवारी, राधा बिष्ट, हेमा तिवारी, लीला जोशी, पूनम आर्या, ज्योति जोशी, माधवी बिष्ट, रेखा रौतेला, पुष्पा पांडे, पुष्पा मेहरा, प्रेमा बिष्ट, प्रेमा बोरा, सपना समेत कई महिलाएं मौजूद रहीं।

एआरटीओ कार्यालय में 150 पौधे रोपे, देखभाल का संकल्प

शाह टाइम्स ब्यूरो

ऋषिकेश। हरेला पर्व के तहत एआरटीओ कार्यालय परिसर में 150 छायादार पौधे रोपे गए। कार्यक्रम में नगर निगम और सामा. जिक संगठनों के सदस्यों के साथ ही स्कूली बच्चे भी शामिल हुए। नमामि गंगे परियोजना की ओर से आयोजित कार्यक्रम में पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। पौधों की देखभाल का संकल्प भी लिया गया।

बुधवार को हरिद्वार बाइपास मार्ग स्थित एआरटीओ कार्यालय में आयोजित पौध रोपण में मेयर शंभू पासवान शामिल हुए। उन्होंने नमामि गंगे परियोजना और संभागीय परिवहन विभाग के अधिकारियों के साथ परिसर में पौधे

रोपे। सामाजिक व व्यापरिक संगठनों ने भी इस अभियान में सहभाग किया। श्रीहेमकुंड साहिबत की यात्रा से पूर्व एआरटीओ कार्यालय में आवश्यक कार्यों को पहुंचे लुधियाना के श्रद्धालुओं ने भी पौधे रोपे। सरस्वती विद्या मंदिर आदर्शग्राम के छात्र-छात्राओं ने भी पर्व में पौधे रोप उनके संरक्षण का संकल्प लिया। मेयर शंभू पासवान ने कहा कि यह पर्व नहीं, बल्कि धरती पर जीवन को सुरक्षित रखने का महत्वपूर्ण कार्य है। पौध रोपण से ही पर्यावरण का संरक्षण और धरती पर जीवन को सुरक्षित रखना संभव है। उन्होंने स्थानीय लोगों से अधिक से अधिक संख्या में पौधे रोपने के साथ ही उनकी देखभाल करने की अपील भी की।

वहीं, जिला परियोजना अधिकारी नमामि गंगे रविकांत पांडेय ने बताया कि ऋषिकेश क्षेत्र में पांच हजार पौधे रोपने का लक्ष्य निर्धारित है। इसमें बैराज, श्रीदेव सुमन विवि का ऋषिकेश कैंपस व आसपास के क्षेत्र चिन्हित हैं।

इनमें औषधीय, फलदार व छायादार पौधे रोपे जाने हैं। मौके पर एआरटीओ रावत सिंह कटारिया, रश्मि पंत, परिवहन कर अधिकारी सुनील कुमार, व्यापार मंडल अध्यक्ष ललित मोहन मिश्र, दीपक तायल, अभिषेक शर्मा, शिवकुमार गौतम आदि मौजूद रहे।

उधर, नरेंद्रनगर नगरपालिका प्रशासन ने भी हरेला पर्व की थीम हरेला का त्योहार मनाओ, धरती मां का ऋण चुकाओ के तहत पौधरोपण अभियान चलाया। नरेंद्रनगर बाइपास तिराहा से राजम. हल व आसपास नींबू, अनार, आवंला, बांज, अमरूद्व, जामून, गुलाब, चमेली, गुडहल और अखरोट के एक हजार पौधे रोपे। पौधों की सुरक्षा के लिए पालिका ने ट्री गार्ड भी लगाए। मौके पर प्रशासन व एसडीएम आशीष घिल्डियाल, तहसीलदार एपी उनियाल, ईओ एलम सिंह रावत आदि मौजूद रहे।

बड़ी दुर्घटना की आशंका

काशीपुर। बरसात के मौसम में शहर में प्रतिवर्ष होने वाले जलभराव से जनता को निजात दिलाने के लिए नगर निगम प्रशासन द्वारा की गई तैयारियों के चलते स्टेशन रोड स्थित नाले पर तोड़ी गई स्लेब भारी खतरे का सबब बन रही हैं। कई बार गाड़ी का पहिया भी इसमें गिरते देखा गया है। यहां के व्यापारियों की मांग है कि इसे तत्काल बंद कराया जाये ताकि कोई अनहोनी न हो सके। उल्लेखनीय है कि बरसात के दौरान प्रतिवर्ष शहर में जबर्दस्त जलभराव से इस वर्ष आमजन को निजात दिलाने के लिए नगर निगम द्वारा व्यापक तैयारियां की गई हैं। विभिन्न स्थानों पर नाले-नालियों की सफ़ाई की जा रही है। इसके चलते एमपी चौक से रामनगर रोड व स्टेशन रोड की ओर सर्विस रोड से सटे नाले की सफ़ाई के लिए नाले पर पड़ी स्लेब तोड़ी गईं लेकिन इन्हें दुरुस्त कर पुनः न लगवाये जाने से भारी खतरे की आशंका बलवती हो रही है।

पर्यावरण संरक्षण का संकल्प

शांतिपुरी। राजकीय कन्या हाईस्कूल शांतिपुरी में हरेला पर्व को पर्यावरणीय चेतना के संदेश के साथ उल्लासपूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय संरक्षक एवं पूर्व दर्जा राज्यमंत्री डा. गणेश उपाध्याय मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय परिसर में पौधरोपण किया गया और सभी ने इन पौधों की नियमित देखभाल करने का संकल्प लिया। डा. उपाध्याय ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण आज की आवश्यकता है और हमें प्रकृति के साथ सामंजस्य स्थापित कर ही स्वच्छ व सुरक्षित भविष्य की दिशा में आगे बढ़ना होगा। उन्होंने बच्चों को अधिक से अधिक पेड़ लगाने और उनकी देखभाल करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में विद्यालय की प्रधानाचार्या ब्रजेश गुप्ता, शिक्षिका लीला देओपा, प्रेमा बोहरा, बीरा अनीता चंद, सुनीता सिंह, रवीना जोशी, संजीव गुप्ता एवं माध्वानंद बहुगुणा ने भी सक्रिय रूप से भाग लिया और पौधरोपण किया। विद्यालय परिवार द्वारा हरेला पर्व को प्रकृति संरक्षण और जागरूकता के रूप में मनाना एक सराहनीय पहल रही, जो बच्चों में पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करने का कार्य करेगी।

डीएफओ नीरज को पहला वन मृदा स्वास्थ्य कार्ड

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड की सांस्कृतिक आत्मा हरेला पर्व पर देहरादून के गोरखा मिलिट्री इंटर कॉलेज में वन विभाग की और से कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, विशिष्ट अतिथि वन मंत्री सुबोध उनियाल, कार्यक्रम अध्यक्ष कैबिनेट मंत्री व मसूरी विधायक गणेश जोशी शरीक रहे।

मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री के अभियान "एक पेड़ माँ के नाम" व "हरेला का त्योहार मनाओ, धरती माँ का ऋण चुकाओ" के तहत रुद्राक्ष का पौधा रोपित कर शुभारंभ किया। वन विभाग की और से देहरादून वन प्रभाग के डीएफओ नीरज कुमार को पहला वन मृदा

स्वास्थ्य कार्ड सौंपा गया।

मुख्यमंत्री ने इसे पर्यावरण संरक्षण की दिशा में क्रांतिकारी कदम बताया। वन मंत्री सुबोध उनियाल ने बताया कि इस वर्ष 1 करोड़ पौधों के रोपण का लक्ष्य है।

कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने अभियान में सहभागिता करते हुए पर्यावरणीय संकल्प दोहराया। प्रमुख सचिव वन आर.के. सुधांशु ने राज्य भर में हरेला पर्व की गति. विधियों पर प्रकाश डाला।

इस मौके पर राज्यमंत्री कुलदीप कुमार, महापौर देहरादून सौरभ थपलियाल, विधायक राजपुर खजानदास, विधायक कैंट सविता कपूर, मुख्य सचिव आनंद वर्धन, डीजीपी दीपम सेठ, प्रमुख वन संरक्षक डा. समीर सिन्हा, पर्यावरणविद् पद्मश्री कल्याण सिंह रावत, पीसीसीएफ बी.पी. गुप्ता, जी.एस. पाण्डे,पीसीसीएफ वन्यजीव आर.के. मिश्रा, एस.पी. सुबुद्धि (निदेशक पर्यावरण निद. शालय)

विवेक पाण्डे (अपर पीसीसीएफ, वन्यजीव), मीनाक्षी जोशी (अपर पीसीसीएफ), सुशांत पटनायक (मुख्य वन संरक्षक, परियोजनाएं), डॉ. पराग मधुकर धकाते (सदस्य सचिव, प्रदूषण बोर्ड), पी.के. पात्रो (ईको-टूरिज्म, जायका परियोजना), राहुल (मुख्य वन संरक्षक, अनुश्रवण व आईटी), राजीव धीमान (वन संरक्षक, शिवा. लिक वृत्त) धर्म सिंह मीणा (वन संरक्षक, भागीरथी वृत्त) व नीतीश मणि त्रिपाठी (सदस्य सचिव, जैव विविधता बोर्ड) आदि मौजूद रहे।

लावारिस गोवंश से राहगीरों को भारी परेशानी

काशीपुर। शहर की सड़कों से लेकर बाजारों तक घूमने वाले लावारिस गौवंश केवल हादसों के लिए ही जिम्मेदार नहीं हैं, इनसे कारोबार भी प्रभावित हो रहा है। कारोबारी चाहते हैं कि बाजार क्षेत्र को लावारिस मवेशियों से जल्द मुक्ति दिलाई जाए। इसके लिए सरकार और नगर निगम अपने-अपने स्तर पर ठोस प्रयास करें। उनका कहना है कि लावारिस गौवंश के लिए पर्याप्त गौशालाएं बनाई जाएं ताकि आमजन भी परेशान न हों और व्यापार भी सुगमता से चलता रहे। बाजार की गलियों में इनके झुंड में चलने पर लोग वहां से खरीदारी करने से बचते हैं। बाजार में रोजाना लावा. रिस जानवरों के झुंड नजर आते हैं। इनके बाजार में आने से कई बार भगदड़ की स्थिति पैदा हो जाती है।

अंतर्राज्यीय असलहा तस्कर गिरफ्तार

काशीपुर में ही पॉलीटेक्निक का सिविल ट्रेड में अंतिम वर्ष का छात्र है आरोपी युवक

शाह टाइम्स संवाद्दाता

काशीपुर। एसटीएफ ने यहां आईटीआई थाना पुलिस के साथ संयुक्त कार्रवाई करते हुए ऑटोमैटिक पिस्टल और दो मैगजीन के साथ एक अंतर्राज्यीय तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुता. बिक मास्टर माइंड न्यूजीलैंड में बैठकर हथियारों का बड़ा नेटवर्क चला रहा था। एसटीएफ के एसएसपी नवनीत सिंह भुल्लर ने बताया कि प्रभारी निरीक्षक एमपी सिंह की टीम ने आईटीआई थाना पुलिस के साथ आर्य नगर स्थित डॉ. सिंह वाली गली में छापा मारकर हर्ष शर्मा को दो अवैध पिस्टल व दो मैगजीन और .32 बोर के कारतूस के साथ गिरफ्तार

किया। बताया गया कि आरोपी पर इनाम घोषित था। संयुक्त कार्रवाई में हत्थे चढ़ा हथियार सप्लायर व्हाट्सएप पर न्यूजीलैंड में बैठे गुरविन्दर सिंह बाजवा उर्फ गूरी के संपर्क में रहता था। गूरी के कहने पर वह असलहे डिलीवर करता था और एक असलहा डिलीवर करने के एवज में उसे 10 हजार रुपये मिलते थे। अभियुक्त से बरामद दो अवैध पिस्टल मेरठ में तैयार होना बताया जा रहा है। एसटीएफ के एसएसपी नवनीत सिंह भुल्लर ने बताया कि गिरफ्तार अंतर्राज्जीय असलहा तस्कर से कुछ जानकारियां मिली हैं। इस पर टीम काम कर रही है। ऊधमसिंहनगर में बड़े पैमाने पर असलहों की सप्लाई की जानकारी एसटीएफ को मिल रही थी। करीब दो महीने से सप्लायर की तलाश में जुटी एसटीएफ ने आईटीआई थाना पुलिस के साथ हथियार सप्लायर हर्ष शर्मा निवासी आर्यनगर, काशीपुर को गिरफ्तार किया। उसके कब्जे से .32 बोर के दो अवैध पिस्टल व दो मैगजीन बरामद की गई थी। वह बरामद असलहे डिलीवर करने के लिए जा रहा था। संयुक्त टीम ने उससे पूछताछ की तो पता चला कि 22 साल का हर्ष काशीपुर में ही पॉलीटेक्निक का सिविल ट्रेड में अंतिम वर्ष का छात्र है। उसके पिता किसी फैक्टरी में इंजी. नियर हैं। हर्ष काशीपुर के खरमासा निवासी गुरविंन्दर सिंह बाजवा उर्फ गूरी के निर्देश पर काम कर रहा था। गुरविंदर ही उसे असलहा कहां से उठाकर किसे देना है, यह बताता था। वह करीब एक साल से गूरी के संपर्क में था। उसे प्रति पिस्टल डिलीवरी की एवज में रुपये मिलते थे। उसने काशीपुर और आसपास के क्षेत्र के अलावा रामपुर और मुरादाबाद में ही एक दर्जन से अधिक असलहा डिलीवर करने की बात स्वीकारी है। गूरी डेढ़ साल पहले ही न्यूजीलैंड गया था। एसटीएफ को अंदेशा है कि गूरी असलहा तस्करी का नेटवर्क चला रहा है।

स्कूटी सवार परिवार को ट्रक ने कुचला

गोरापड़ाव के पास हादसे में पति की मौत, पत्नी व दो बच्चे घायल

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। तीनपानी बाईपास के पास उस समय सड़क हादसा हुआ जब एक युवक अपनी पत्नी व बच्चों के साथ स्कूटी में सवार होकर अपने ससुराल किच्छा जा रहा था। जैसे ही वह तीनपानी बाईपास के पास पहुंचा तो तभी तेज गति से आ रहे ट्रक ने उसे अपनी चपेट में ले लिया। इस सड़क हादसे में स्कूटी सवार युवक की मौत हो गई और उसकी पत्नी व दो बच्चे घायल हो गए। घायलों को आनन फानन में लोगों द्वारा सुशीला तिवारी अस्पताल लाया गया। जबकि मृतक युवक के शव का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया। घटना के बाद से मृतक के घर में कोहराम मच गया। जानकारी के अनुसार मूलरूप से स्यूड़ा हैड़ाखान में रहने वाला 31 वर्षीय कन्नू सिंह सम्मल पुत्र राम सिंह सम्मल

मृतक कन्नू (फाइल फोटो)

गौलापार स्थित देवला तल्ला पजाया बागजाला में अपनी बूढ़ी मां, व 26 वर्षीय पत्नी ममता, बेटी 11वर्षीय गौरी व 7 वर्षीय रुद्रांश के साथ रहता था। बताया जाता है कि कानू का ससुराल किच्छा में है में और हरेला मनाने के लिए वह अपनी पत्नी व बच्चों के साथ स्कूटी में सवार होकर आज बुधवार की सुबह किच्छा को निकल गया। बताया जा रहा कि कन्नू जैसे ही गोरापड़ाव स्थित चंद्रावती इंटर कॉलेज के पास पहुंचा ही था तभी उसकी स्कूटी के पीछे से तेज गति से आ रहे ट्रक ने टक्कर मार दी। इस सड़क हादसे में कन्नू की पत्नी व बच्चे सड़क के बायीं ओर गिर गए और कन्नू बायी ओर ट्रक की तरफ गिर गया। कन्नू का सिर ट्रक के पहिये के नीचे आ गया और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई और यातायात बाधित हो गया। घटना के बाद ट्रक चालक ट्रक छोड़ फरार हो गया। सूचना पर पहुंची मंडी चौकी पुलिस ने एंबुलेंस के जरिये घायलों को अस्पताल और मृतक को पोस्टमार्टम हाउस पहुंचाया। इधर कोतवाल राजेश कुमार यादव ने बताया कि ट्रक को कब्जे में ले लिया गया है। घटना के कारणों की जांच की जा रही है। तहरीर मिलने पर मुकदमा दर्ज किया जाएगा।

हेलमेट भी नहीं बचा सका कन्नू की जान

जिस स्कूटी पर परिवार सवार था, उसे कन्नू ने एक माह पहले ही खरीदा था। घटना के वक्त स्कूटी सवारों को पता ही नहीं लगा कि हुआ क्या। संभले तो सभी सड़क पर इधर-उधर पड़े थे। ममता की नजर पति कन्नू पर पड़ी तो पति का कुचला सिर देखकर वह सदमे में चली गई। पोस्टमार्टम हाउस में चिकित्सक भी हैरान थे। कन्नू ने हेलमेट तो लगाया था, लेकिन वह उसकी जान नहीं बचा। ट्रक के पहिये के नीचे आने पर हेलमेट चकनाचूर होकर कन्नू के सिर में घुस गया था। हेलमेट के टुकड़ों को सिर से निकालने में चिकित्सकों को भी काफी मुश्किल हुई।

पौधारोपण के साथ सफाई अभियान

शाह टाइम्स संवाद्दाता

नैनीताल। कोर एसेन्स लाइफ रूट फाउंडेशन की ओर से बुधवार को वृहद सफाई अभियान के साथ ही पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम कृष्णापुर रोड हनुमान गढ मंदिर के पास आयोजित किया गया था। टीम द्वारा पांगर, बांज और पईया के लगभग 70 पौधे लगाए और लगभग 4 कट्टे कूड़ा निकाला गया। इस अभियान में राजेंद्र प्रसाद, ज्योति दुर्गापाल, प्रमोद उपाध्याय, प्रियांशु प्रसाद, गीतांजलि चंद, दिया आर्या, बीना बसेरा, शिवानी आर्या, हिमांशी आर्या, असरफ अली, पायल जोशी तथा याति बिष्ट, आद्रिका जोशी, साक्षी लोहनी व ध्रुव लोहनी व किरन आर्या एवं स्थानीय लोग शामिल थे। कृष्णापुर वार्ड के सभासद सुरेंद्र कुमार और वार्ड नंबर एक के सभासद रमेश प्रसाद भी कार्यक्रम में शामिल हुए। टीम के सदस्यों ने अपील की सभी लोग अपने आसपास के क्षेत्र को हरा-भरा बनाए रखें और कूड़ा-करकट खुले में न फेंके।

नुमाइश के खिलाफ धरना

यूकेडी ने आंदोलन को और तेज करने की चेतावनी दी

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। एमबी इंटर कॉलेज मैदान में प्रस्तावित नुमाइश के विरोध में उत्तराखंड क्रांति दल (यूकेडी) और

स्थानीय पार्षद रवि बाल्मीकि के नेतृत्व में बीते 10 दिनों से चल रहा सांकेतिक धरना बुधवार को भी जारी है। धरनास्थल पर संबोधित करते हुए पार्षद रवि बाल्मीकि ने कहा कि किसी भी कीमत पर इस मैदान में नुमाइश नहीं लगने देंगे। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि नुमाइश के बहाने खेल मैदान को व्यावसायिक गतिविधियों का केंद्र बनाया जा रहा है, जो छात्रों और आम नागरिकों के हितों के खिलाफ है। धरने में शामिल हुए यूकेडी के केंद्रीय महामंत्री सुशील उनियाल ने कहा कि, एमबी इंटर कॉलेज मैदान के पास दो बड़े अस्पताल स्थित हैं, फिर भी इस क्षेत्र को जाम और भीड़ का केंद्र बना दिया गया है। चार से पांच सड़कों पर हमेशा लंबा ट्रैफिक जाम लगता है। उन्होंने इसे आम जनता की परेशानी और सरकारी अव्यवस्था का प्रतीक बताया। नगर अध्यक्ष हरीश जोशी ने चेतावनी दी कि यदि प्रशासन ने नुमाइश रद्द नहीं की, तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। उन्होंने कहा, यह तो सिर्फ शुरुआत है, आगे बड़ा जनआंदोलन होगा। जब तक नुमाइश बंद नहीं होती, तब तक यूकेडी का संघर्ष जारी रहेगा। धरना प्रदर्शन करने वालों में रितेश संभल, हेमा सती, पूजा सती, प्रेम बोरा, भावना शर्मा, गुंजन, किशोर रावत, प्रेम बाल्मीकि, जीवन मनराल, निशांत, विशाल कुमार, हर्ष राजौर, प्रिंस, सरपंच रेशु राही, केतन, वंश, रितिक आदि शामिल रहे।

चोरों ने दिल्ली पुलिस के दरोगा का घर खंगाला

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। शातिर चोरों ने ट्रांसपोर्ट नगर चौकी क्षेत्र में बड़ी घटना को अंजाम देते हुए यहां रहने वाले दिल्ली पुलिस के एक दरोगा का घर खंगाल डाला। घटना के वक्त घर में ताला लगा था और घर में अकेली रहने वाली दरोगा की मां पड़ोस में रहने वाले अपने बेटे के घर पर थी। टीपीनगर पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के मुताबिक बजवालपुर टीपीनगर निवासी सुरेंद्र सिंह दिल्ली पुलिस में दरोगा के पद पर तैनात हैं और वह पत्नी व बच्चों के साथ दिल्ली में ही रहते हैं। जबकि बजवालपुर में उनकी मां अकेली रहती है। हालांकि पास में ही सुरेंद्र का दूसरा भाई भी रहता है। बताया जाता है कि सोमवार रात सुरेंद्र की मां पास ही रहने वाले अपने दूसरे बेटे के घर चली गई। घर में ताला लगा था और सुबह पांच बजे जब सुरेंद्र की मां वापस घर लौटी तो होश फाख्ता हो गए। घर में लगे ताले टूटे पड़े थे और घर के अंदर का सारा सामान बिखरा पड़ा था। चोरों को घर से कुछ भी नहीं मिला। जिसके बाद बाद उन्हें घर में खड़ी स्कूटी की चाबी मिल गई और अंत में चोर स्कूटी लेकर ही फरार हो गए। टीपीनगर चौकी प्रभारी मनोज कुमार ने बताया कि घटना संज्ञान में है और मामले की जांच की जा रही है। तहरीर मिलने पर मामला दर्ज किया जाएगा।

रकसिया व कलसिया नाला पर सीमांकन

अतिक्रमण हटाने के लिए चरणबद्ध अभियान की शुरुआत

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। रकसिया और कलसिया नालों पर संचालित अतिक्रमण हटाने की चरणबद्ध कार्य योजना के तहत बुधवार को एसडीएम राहुल शाह के निर्देशन में संबंधित क्षेत्रों में अतिक्रमण चिन्हीकरण, भौतिक सीमांकन और अभिलेखीय सत्यापन की प्रक्रिया शुरू की गई। कार्यवाही का उद्देश्य नालों की वास्तविक सीमाओं की पहचान कर अवैध कब्जों को चिन्हित करना है, ताकि आगामी चरण में विधिक कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। बुधवार को एसडीएम शाह ने स्वयं सीमांकन कार्य का स्थलीय निरीक्षण किया और स्थानीय लोगों से बातचीत कर उनकी

आपत्तियों को भी सुना। उन्होंने कहा पूर्व में देवखड़ी और रकसिया नालों के किनारे अतिक्रमणों की प्राथमिक पहचान की जा चुकी थी। चिन्हित मामलों में संबंधितों को नोटिस जारी किए गए थे। इसके बाद आपत्तियों के समाधान के लिए शिविरों का आयोजन किया गया और मौके पर भौतिक सत्यापन किया गया। देवखड़ी नाले में संजय नगर और आवास विकास क्षेत्र में कुल 58 अतिक्रमणों की नपाई और स्थलीय मार्किंग की गई। रकसिया नाले में बिठौरिया नंबर 1 और चंबल पुल क्षेत्र में 20 अतिक्रमणों को चिन्हित कर लाल निशान लगाया गया। एसडीएम राहुल शाह ने स्पष्ट किया कि यह कार्रवाई पूरी तरह पारदर्शी, विधिक प्रक्रिया और जनसुनवाई की भावना के अनुरूप की जा रही है, जिससे स्थानीय लोगों को नाले की सीमा के बारे में जानकारी भी मिल सके। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि कार्यवाही में सटीकता और निष्पक्षता बरती जाए। इस अवसर पर तहसीलदार मनीषा बिष्ट, लालकुआं के कुलदीप पांडेय, जीआईएस विश्लेषक, कानूनगो, और राजस्व विभाग की टीम मौजूद रही।

ई-रिक्शा में शराब, चालक धरा

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। अवैध शराब के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत काठगोदाम पुलिस ने एक सफलता हासिल की है। काठगोदाम पुलिस ने बीती रात्रि चैकिंग के दौरान गौलापुल के पास एक ई-रिक्शा चलाक को रोका और तलाशी के

दौरान उसके पास से 7 पेटी अवैध शराब बरामद हुई। पुलिस ने शराब तस्करी में प्रयुक्त ई-रिक्शा को सीज करते हुए शराब तस्कर के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत कार्रवाई कर न्यायालय में पेश करने की तैयारी कर रही है। जानकारी के अनुसार बीते मंगलवार की रात्रि काठगोदाम थानाध्यक्ष पंकज जोशी के नेतृत्व में पुलिस टीम क्षेत्र में गश्त व चैकिंग कर रही थी। तभी कुमाऊंनी महफिल के आगे गौलापुल रोड के पास एसआई रविन्द्र सिंह मय टीम के साथ चैकिंग कर रहे थे। इसी बीच ई-रिक्शा संख्या यूके04ईआर-3831 आता दिखाई दिया। जिससे पुलिस ने रोककर उसमे रखे सामान की चैकिंग की गई तो उसमे अवैध रूप रखी अंग्रेजी शराब की सात पेटी बरामद हुई। इस दौरान पुलिस ने मौके से देव सिंह पुत्र मोहन सिंह निवासी पटरानी खन्स्यू को गिरफ्तार किया। शराब तस्करी में प्रयुक्त ई-रिक्शे को सीज करते हुए शराब तस्कर के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत कार्रवाई कर न्यायालय में पेश करने की तैयारी कर रही है।

ज्योतिष विद्या गहन सागर के समान

ज्योतिष विज्ञान परिषद के पुस्तकालय एवं पुस्तक का विमोचन

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। भारतीय ज्योतिष विज्ञान परिषद, चेन्नई के हल्द्वानी चैप्टर द्वारा बुधवार को श्री सनातन धर्म संस्कृत महाविद्यालय में ज्योतिष विषयक पुस्तकों और पुस्तकालय का विधिवत वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ उद्घाटन किया गया। इस मौके पर ज्योतिष विद्या के महत्व और इसकी आधुनिक समाज में उपयोगिता पर चर्चा की गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्राचार्य मनोज कुमार पांडेय ने कहा, ज्योतिष विद्या एक अथाह और गहन सागर के समान है, जिसका अध्ययन सीमाओं में नहीं बंधा है। इसकी गहराई को जितना खोजा जाए, उतना ही नया ज्ञान प्राप्त होता है। कार्यक्रम अध्यक्ष ज्योतिषाचार्य अशोक वार्ष्णेय ने कहा कि ज्योतिष

समाज को दिशा देने और सही मार्ग दिखाने का कार्य करता है। यह केवल भविष्यवाणी नहीं, बल्कि एक वैज्ञानिक दृष्टिकोण से जीवन की व्याख्या है। चैप्टर चेयरमैन जगतप्रकाश त्रिपाठी ने जानकारी दी कि उत्तराखंड में यह पहला ज्योतिष विज्ञान परिषद का चौप्टर है, जिसे जनवरी 2024 में हल्द्वानी में प्रारंभ किया गया। उन्होंने बताया कि देशभर में इस समय परिषद के लगभग 60 चैप्टर कार्यरत हैं, और हल्द्वानी चैप्टर में इस वर्ष 40,000 मूल्य की ज्योतिषीय पुस्तकों की व्यवस्था कर पुस्तकालय की स्थापना की गई है। इस अवसर पर विद्यालय के छात्र, शिक्षाविद और विभिन्न अतिथि मौजूद रहे।

अतिक्रमण: निगम की दुकानों के सामने ठेलों का कब्जा

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। नगर निगम द्वारा हाल ही में जेल रोड तिराहे से हटाए गए ठेले अब पास ही नगर निगम की दुकानों के बाहर लगने लगे हैं। इससे एक बार फिर से राहगीरों को आने-जाने में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। पिछले दिनों नगर

निगम ने अभियान चलाकर जेल रोड तिराहे पर बेतरतीब तरीके से खड़े ठेलों को हटाया था। यह ठेले उस स्थान पर लगाए गए थे जहां तिराहे का सौंदर्यीकरण कर लाखों रुपये खर्च किए गए थे। अतिक्रमण हटाने के बाद ठेलेबाजों ने नगर निगम की दुकानों के सामने डेरा डाल लिया है। इस मामले को लेकर पार्षद रवि जोशी ने नगर निगम प्रशासन से शिकायत करते हुए कहा कि आस-पास व बेहतरीन ढंग से लगे ठेले हटाने की मांग की है। उनका कहना है कि ये ठेले निगम की दुकानों के किराएदारों के संरक्षण में लगाए गए हैं। नगर आयुक्त ऋचा सिंह ने मामले पर सख्त रुख अपनाते हुए कहा, अतिक्रमण किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। निगम की दुकानों के बाहर ठेले लगवाने वाले किराएदारों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यह भी बताया कि जल्द ही दोबारा अभियान चलाकर इन ठेलों को हटाया जाएगा।

महिला समाजसेवियों का सम्मान

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। कात्यायनी फाउंडेशन द्वारा फतेहपुर में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें

महिलाओं की सामाजिक भूमिका और योगदान को सराहते हुए कई पदाधिकारियों को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। यह कार्यक्रम फाउंडेशन की प्रदेश अध्यक्ष पूर्णिमा रजवार के नेतृत्व में संपन्न हुआ। मुख्य अतिथि आशा शुक्ला ने कार्यक्रम में मोहिनी रौतेला, बिना अधिकारी, गीता रोटला, विक्रम सिंह बोरा, दीपा रावत और ज्योति पांडे सहित कई सामाजिक कार्यकर्ताओं को सम्मानित किया। कार्यक्रम के दौरान अतिथियों ने महिला सशक्तिकरण, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक जागरूकता जैसे मुद्दों पर अपने विचार रखे। आशा शुक्ला ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा हर व्यक्ति को अपने आसपास पौधारोपण करना चाहिए और उसकी नियमित देखभाल करनी चाहिए। पेड़ हमारे जीवन का आधार हैं और इनके संरक्षण की जिम्मेदारी हम सभी की है। कार्यक्रम का उद्देश्य न केवल महिलाओं को सम्मानित करना था, बल्कि समाज को पर्यावरण के प्रति जागरूक करना भी था। फाउंडेशन की ओर से जल्द ही एक वृहद पौधारोपण अभियान चलाने की भी घोषणा की गई।

हल्द्वानी में उत्तराखंड के लोकपर्व हरेला की धूम

बच्चों को दिया गया आशीर्वाद, शिव-पार्वती की पूजा के साथ की गई हरेले की गुड़ाई

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। देवभूमि उत्तराखंड का पारंपरिक लोकपर्व हरेला बुधवार को पूरे उल्लास और श्रद्धा के साथ मनाया गया। प्रकृति और हरियाली से जुड़ा यह पर्व खास तौर पर कुमाऊं अंचल में हर्षोल्लास से मनाया जाता है। पर्व के मौके पर बच्चों के सिर पर हरेला रखकर उन्हें आशीर्वाद दिया गया और अच्छी फसल के लिए भगवान शिव-पार्वती से प्रार्थना की गई। पर्व की पूर्व संध्या पर घर-घर में मिट्टी से बनी गणेश, शिव और पार्वती की मूर्तियों जिन्हें डिकारे कहा जाता है घरों में उगाए गए हरेले की गुड़ाई कर डिकारों के पास रखकर पूजा-अर्चना की गई। मान्यता है कि यह परंपरा शिव और पार्वती के विवाह की स्मृति में निभाई जाती है। हरेला पर्व सावन मास के आगमन का प्रतीक है। इस दिन घरों में नौ दिन पहले बोए गए हरेले (सात प्रकार के अनाज) को काटा जाता है। गेहूं, जौ, उड़द, सरसों, मक्का, भट्ट, मसूर और गहत जैसे अनाजों को टोकरियों में बोया जाता है। हरेला की हरियाली को देखकर आगामी फसल की गुणवत्ता का अनुमान लगाया जाता है। पर्व के दिन घर के बुजुर्ग हरेला काटकर उसे मंदिरों में अर्पित करते हैं, फिर परिवार के सदस्यों के सिर पर रखकर आशीर्वाद दिया जाता है। इस अवसर पर फल, सब्जियों के पौधे और बीज भी बोए जाते हैं। मान्यता है कि हरेला के दिन बोवाई करने से फसल अच्छी होती है। हरेला केवल एक धार्मिक पर्व नहीं बल्कि पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी देता है। यह पर्व लोगों को धरती माता और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर प्रदान करता है। इसके माध्यम से समाज को हरियाली, समृद्धि और सतत विकास की प्रेरणा मिलती है।

सांसद, मेयर व मंडलायुक्त ने किया पौधारोपण

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। उत्तराखंड की समृद्ध लोक परंपरा और पर्यावरण संरक्षण के प्रतीक हरेला महापर्व के शुभ अवसर पर बुधवार को जनपद के विभिन्न क्षेत्रों में व्यापक पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किए गए। मुख्य कार्यक्रम हल्द्वानी स्थित सिटी पार्क में संपन्न हुआ, जहां कुमाऊं आयुक्त दीपक रावत एवं कालाढूंगी विधायक बंशीधर भगत ने पौधारोपण कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया। आयुक्त दीपक रावत ने इस अवसर पर कहा कि हरेला केवल एक पर्व नहीं, बल्कि यह प्रकृति के प्रति हमारे दायित्व का प्रतीक है। प्रत्येक व्यक्ति को एक पेड़ माँ के नाम अवश्य लगाना चाहिए। उन्होंने हरेला महोत्सव के सांस्कृतिक और पर्यावरणीय महत्व पर भी प्रकाश डाला। विधायक बंशीधर भगत ने भी लोगों से पर्यावरण संरक्षण के लिए सक्रिय भागीदारी की अपील की और कहा कि हरेला हमें प्रकृति से जुड़ने और उसे संरक्षित करने की प्रेरणा देता है। वहीं दूसरी ओर हरेला महापर्व के अवसर पर बुधवार को पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं सांसद अजय भट्ट, भाजपा जिलाध्यक्ष प्रताप बिष्ट तथा महापौर गजराज सिंह बिष्ट ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। सांसद अजय भट्ट ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए हरेला महापर्व के महत्व पर प्रकाश डाला और एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत हर नागरिक से एक पौधा लगाने की अपील की। कार्यक्रम में मुख्य विकास अधिकारी अनामिका, अपर जिलाधिकारी विवेक राय, नगर आयुक्त ऋचा सिंह, सिटी मजिस्ट्रेट गोपाल सिंह चौहान, उप जिलाधिकारी राहुल शाह, तहसीलदार मनीषा बिष्ट समेत अनेक जनप्रतिनिधि, अधिकारी, स्कूली बच्चे और सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

पुलिस कर्मियों ने मां के नाम पर लगाए 369 पौधे

हल्द्वानी। हरेला का त्योहार मनाओ, धरती मां का ऋण चुकाओ एक पेड़ मां के नाम थीम को साकार करने के उद्देश्य से नैनीताल पुलिस ने मंगलवार को जिलेभर में वृक्षारोपण अभियान चलाया। यह अभियान एसएसपी पीएन मीणा के नेतृत्व में संचालित किया गया। इस अवसर पर जनपद के सभी थानों, इकाइयों, शाखाओं और कार्यालयों में एक साथ पौधरोपण किया गया। हल्द्वानी के काठगोदाम थाना परिसर में एसपी क्राइम/ट्रैफिक डा. जगदीश चंद्र और एसपी सिटी प्रकाश चंद्र ने अधीनस्थ पुलिस बल के साथ मिलकर पौधे रोपे। कार्यक्रम के दौरान सीओ सिटी नितिन लोहनी, प्रतिसार निरीक्षक हरकेश सिंह, थानाध्यक्ष काठगोदाम पंकज जोशी सहित बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी मौजूद रहे। सभी पुलिस कर्मियों को पर्यावरण संरक्षण में अपनी सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया गया। उन्हें उत्तराखंड की जैव विविधता और वनस्पति धरोहर को संरक्षित रखने के महत्व को भी बताया गया। इस विशेष अभियान में प्रत्येक पुलिसकर्मी ने एक पेड़ मां के नाम के संकल्प के साथ पौधरोपण किया, ताकि धरती को सकारात्मक ऊर्जा और स्वच्छ पर्यावरण प्रदान किया जा सके। नैनीताल पुलिस द्वारा बुधवार को हरेला पर्व में वृक्षारोपण कार्यक्रम में कुल 369 फलदार पौधे लगाए गए।

राजकीय महिला महाविद्यालय में छात्राओं ने किया पौधारोपण

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। हरेला पर्व के अवसर पर राजकीय महिला महाविद्यालय हल्द्वानी में नमामि गंगे के तहत अनूठी पर्यावरणीय पहल की गई। छात्राओं ने न केवल वृक्षारोपण किया, बल्कि पिछले वर्ष लगाए गए पौधों को अपनी मां के नाम से गोद लेकर उनकी देखभाल का संकल्प भी दोहराया। एनएसएस प्रभारी डा. रितुराज पंत ने बताया कि 70 से अधिक पौधे लगाए गए थे, जिनमें से 45 सफलतापूर्वक विकसित हुए हैं। प्रभारी प्राचार्य प्रो. एके श्रीवास्तव ने इस पहल को प्रेरणादायी बताया। योग प्रशिक्षिका ज्योति चुफाल, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी मंजू मेहरा और कंचन पाठक ने भी कार्यक्रम को सराहा। दिनेश लोशाली के मार्गदर्शन में परिसर में गुलमोहर, चम्पा, करौंदा, नींबू, सर्पगंधा आदि के पौधे लगाए गए। कार्यक्रम का संचालन डा. प्रभा साह ने किया।

हरियाली की नई पहचान: तिकोनिया चौराहे पर बना पहला वर्टिकल गार्डन

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। हरेला पर्व के शुभ अवसर पर नगर निगम द्वारा शहर को एक

अनोखी सौगात दी है। पहली बार शहर के तिकोनिया चौराहे पर नेचुरल वर्टिकल गार्डन का निर्माण कराया गया है, जो न केवल नागरिकों के लिए आकर्षण का केंद्र बन गया है, बल्कि शहर की हरित छवि को भी नया आयाम दे रहा है। नगर निगम द्वारा स्थापित इस वर्टिकल गार्डन में विभिन्न प्रकार के ऑर्नामेंटल पौधे और लताएं लगाई गई हैं, जो दीवारों पर सजी हरियाली की परतों के रूप में शहर की सुंदरता को निखार रही हैं। यह पहल न केवल सौंदर्यीकरण तक सीमित है, बल्कि प्रदूषण नियंत्रण और तापमान संतुलन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इस परियोजना को जिलाधिकारी की वित्तीय सहायता से सफलतापूर्वक पूरा किया गया। नगर निगम ने इसे हरेला पर्व पर विशेष रूप से संपन्न कर एक स्थायी पर्यावरणीय संदेश देने का कार्य किया है हर दीवार बने हरियाली की मिसाल। जो न सिर्फ शहर की सुंदरता बढ़ा रही है, बल्कि प्रदूषण नियंत्रण और तापमान संतुलन में भी सहायक होगी।

छात्र हरिद्वार से बरामद

हल्द्वानी। बीते पांच दिन पूर्व संस्कृत महाविद्यालय के छात्रावास से लापता हुआ 11वीं का छात्र हरिद्वार से बरामद कर लिया है। जिसके बाद पुलिस ने छात्र को परिजनों के सुपुर्द कर दिया। बता दें कि बीते 11 जुलाई को संस्कृत महाविद्यालय के छात्रावास से 11वीं का छात्र फटकार के डर से हास्टल छोड़कर भाग निकला था। पुलिस के मुताबिक छात्र की लगातार बदलती मोबाइल लोकेशन ने तलाश में कफी चुनौतियां खड़ी कीं। पहले उसकी लोकेशन हरिद्वार, फिर देहरादून, सहारनपुर और दिल्ली में पाई गई। जिसके बाद उसे हरिद्वार से बरामद कर लिया। इधर कोतवाल राजेश यादव ने बताया कि बुधवार सुबह शिव मूर्ति चौक हरिद्वार से पुलिस ने छात्र को बरामद कर लिया। पूछताछ में छात्र ने बताया कि वह कुछ दिनों से महाविद्यालय नहीं जा रहा था और फटकार के डर से हॉस्टल छोड़कर निकल गया था। छात्र को बरामद करने के बाद पुलिस ने परिजनों के सुपुर्द कर दिया।

शाह टाइम्स

स्वामी शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक एस.एन. राना द्वारा शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. सुजड़ू चुंगी, मेरठ रोड, मुजफ्फरनगर से मुद्रित एवं 63/9 ई-राजपुर रोड देहरादून से प्रकाशित।

सम्पादक:
एस.एन. राना
*कार्यकारी सम्पादक
आनन्द बत्रा 'सुमन'
स्थानीय सम्पादक
चेतन गुरूंग
देहरादून कार्यालय 63/9 ई-राजपुर रोड देहरादून
☎0135-2743363
R.N.I. No.UTTHIN2001/05656
मोबाइल-9720007290
www.shahtimesnews.com
email:shahtimes2015@gmail.com

*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु PRB एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद मुजफ्फरनगर न्यायालय के अधीन ही होंगे।

सीरीज फतह करने की तैयारी में हरमनप्रीत ब्रिगेड

● इंग्लैंड की धरती पर पहली बार टी-20 सीरीज जीतने के बाद भारतीय टीम का आत्मविश्वास शीर्ष पर

साउथम्प्टन, वार्ता। भारतीय महिला क्रिकेट टीम इंग्लैंड में अपनी ऐतिहासिक टी-20 सीरीज जीत के बाद, अब एक नई चुनौती के लिए तैयार है। इंग्लैंड की धरती पर पहली बार टी-20 सीरीज (3-2 से) जीतने का कारनामा करने के बाद, भारतीय टीम का आत्मविश्वास सातवें आसमान पर होगा, और अब उनकी निगाहें वनडे प्रारूप में भी अपनीधाक जमाने पर टिकी हैं। साउथम्प्टन के रोज बाउल में वनडे सीरीज का पहला मैच खेला जाएगा, जहां दोनों टीमें एक मजबूत शुरुआत करना चाहेंगी। साउथम्प्टन का रोज बाउल मैदान आमतौर पर एक संतुलित पिच प्रदान करता है। यहां की पिच बल्लेबाजों के लिए अनुकूल मानी जाती है, जहां गेंद बल्ले पर अच्छे से आती है और उछाल भी समान रहता है। हालांकि, शुरुआती ओवरों में तेज गेंदबाजों को स्विंग और कुछ मूवमेंट मिल सकती है, खासकर यदि मौसम में नमी हो। जैसे-जैसे मैच आगे बढ़ता है, स्पिनर बीच के ओवरों में अपनी भूमिका निभा सकते हैं। कुल मिलाकर, यहां एक उच्च स्कोरिंग मुकाबले की उम्मीद की जा सकती है। भारत हाल ही में शानदार फॉर्म में है। टी-20 सीरीज में इंग्लैंड को उनके घर में हराना एक बड़ी उपलब्धि थी, जिसने टीम की गहराई और जुझारूपन को दिखाया। इसके ठीक पहले, भारतीय महिला टीम ने श्रीलंका में खेली गई त्रिकोणीय वनडे सीरीज में भी विजेता का खिताब अपने नाम किया था, जहां फाइनल में स्मृति मंधाना के शानदार शतक (116 रन) ने भारतीय बल्लेबाजी की ताकत को दर्शाया था। सितंबर में होने वाले घरेलू वनडे वर्ल्ड कप से पहले, भारत के पास अपनी टीम संयोजन रणनीतियों को आजमाने के लिए केवल छह मुकाबले बचे हैं। इंग्लैंड में शुरू हो रही यह सीरीज टीम की योजनाओं की एक अहम झलक दिखा सकती है। कप्तान हरमनप्रीत कौर इसे एक 'सकारात्मक चुनौती' मानती हैं, जिसका श्रेय वे टीम में बढ़ती गहराई और संतुलन को देती हैं। वनडे वर्ल्ड कप के लिए टीम को अंतिम रूप देने की तैयारी में जुटे भारत के पास हर विभाग में कुछ अहम चयन दुविधाएं हैं। प्रतिका रावल बनाम हरलीन और शेफाली की ओपनिंग जोड़ी के चयन से जुड़े कुछ अहम सवालों का जवाब देना होगा। साथ तेज गेंदबाजी और स्पिन विभाग में भी उन्हें सही विकल्पों का चुनाव करना होगा। वहीं इंग्लैंड की टीम टी-20 में मिली हार के बाद वनडे में वापसी करने का भरपूर प्रयास करेगी।

शेफाली वर्मा

खेल विशेष

आरसीबी भगदड़ रिपोर्ट सार्वजनिक की जाए: कर्नाटक हाईकोर्ट

लॉड्र्स, वार्ता। बेंगलुरु, वार्ता। कर्नाटक हाई कोर्ट ने राज्य सरकार को आदेश दिया है कि वह चार जून को हुई भगदड़ की घटना पर अपनी स्थिति रिपोर्ट सार्वजनिक करे, जिसने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की एम चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर हुई आईपीएल जीत के जश्न को गहरा धक्का पहुंचाया था। इस त्रासदी में 11 लोगों की मौत हुई थी और 50 से अधिक लोग घायल हुए थे। राज्य सरकार ने हाई कोर्ट से इस रिपोर्ट को गोपनीय रखने का अनुरोध किया था, लेकिन कोर्ट ने सोमवार, 14 जुलाई को स्पष्ट रूप से कहा कि इस तरह की गोपनीयता के लिए कोई कानूनी आधार नहीं है, और ये केवल 'सरकार की दृष्टि में तथ्यों की प्रस्तुति' है। कोर्ट ने सरकार को यह रिपोर्ट मामले के अन्य पक्षों - आरसीबी, कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ (केएससीए) और डीएनए एंटरटेनमेंट नेटवर्क्स, जो फ्रेंचाइजी के इवेंट पार्टनर हैं - को सौंपने का भी निर्देश दिया है।

जितेश शर्मा घरेलू सत्र से पहले विदर्भ से बड़ौदा चले गए

नई दिल्ली, वार्ता। विदर्भ और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के विकेटकीपर जितेश शर्मा आगामी सत्र में बड़ौदा का प्रतिनिधित्व करेंगे। 31 वर्षीय जितेश शर्मा 2024-25 रणजी ट्रॉफी के दौरान किसी भी मैच में नहीं खेले और कप्तान और पहली पसंद विकेटकीपर अक्षय वाडकर के बाद दूसरे स्थान पर रहे। वह करुण नायर की अगुवाई वाली विदर्भ की सीमित ओवरों की टीम का हिस्सा बने रहे। बड़ौदा में स्थानांतरण की योजना पिछले कुछ समय से चल रही थी, और माना जा रहा है कि बड़ौदा के कप्तान क्रुणाल पांड्या के साथ जितेश के घनिष्ठ संबंधों ने इस कदम को आसान बनाया।

लॉर्ड्स में धीमी ओवर गति के लिए इंग्लैंड पर जुर्माना

● इंग्लैंड के अब डब्ल्यूटीसी तालिका में 24 की जगह 22 हो गए है और अंक प्रतिशत 61.11 हो गया

दुबई, वार्ता। लॉर्ड्स टेस्ट मेंधीमी ओवर गति के कारण इंग्लैंड के डब्ल्यूटीसी में दो अंक काटे गए हैं, साथ ही उन पर जुर्माना भी लगा है।

इसकी वजह से इंग्लैंड के अब डब्ल्यूटीसी तालिका में 24 की जगह 22 हो गए हैं और उनका अंक प्रतिशत भी 66-67 प्रतिशत से 61.11प्रतिशत हो गया है। इस कारण से अब वे ऑस्ट्रेलिया और श्रीलंका के बाद दूसरे से तीसरे स्थान पर खिसक गए हैं। इंग्लैंड पर मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना भी लगाया गया है। डब्ल्यूटीसी खेल शर्तों के अनुच्छेद 16-11-2 के अनुसार, समय को ध्यान में रखने के बाद प्रत्येक ओवर के लिए एक अंक का दंड दिया जाता है। इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने अपनी गलती मानी है, जिसके बाद कोई आधिकारिक सुनवाई की जरूरत नहीं पड़ी। तीसरे टेस्ट को जीतकर इंग्लैंड ने सीरीज में 2-1 की बढ़त बना ली। यह एक उच्च दबाव और रोमांच वाला मैच रहा, जिसमें खिलाड़ियों के बीच गर्मागर्मी भी देखी गई। व्यक्तिगत प्रदर्शन में जोफ्रा आर्चर का सबसे तेज स्पैल, जो रूट और केएल राहुल का शतक और जसप्रीत बुमराह का पांच विकेट शामिल रहा। मैच की तीव्रता जल्द ही बढ़ गई जब दोनों टीमें पहली पारी में 387 के समान स्कोर पर रह गई, जिससे टेस्ट दूसरी पारी में भी बराबरी पर आ गया। जब भारत को जीत के लिए 193 रनों का लक्ष्य मिला, तो उन्होंने निचले क्रम की महत्वपूर्ण साझेदारियों के साथ खेल को आखिरी सत्र तक पहुंचाया।

टॉप-10 बल्लेबाजों में लौटी शेफाली

● इंग्लैंड के खिलाफ टी-20 सीरीज में 176 रन बनाकर शेफाली वर्मा दूसरी सबसे ज्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ी रही

दुबई, वार्ता। भारतीय सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा आईसीसी महिला टी-20 खिलाड़ी रैंकिंग में शीर्ष 10 बल्लेबाजों में वापस आ गईं हैं।

इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी-20 श्रृंखला में 158-56 के स्ट्राइक रेट से 176 रन बनाकर, शेफाली साथी सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना के बाद दूसरी सबसे ज्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ी रहीं। 21 वर्षीय शेफाली ने बल्ले से शानदार प्रदर्शन किया। पांचवें मैच में भारत की आखिरी गेंद पर हार में 41 गेंदों पर 75 रन बनाकर शीर्ष स्कोरर रहीं और 655 अंकों के साथ चार स्थान की छलांग लगाकर नौवें स्थान पर पहुंच गईं। भारत की 3-2 से श्रृंखला जीत में एक और अहम योगदान देने वाली अरुंधति रेड्डी, जिन्होंने श्रृंखला के दौरान छह विकेट लिए, ने भी बढ़त हासिल की। अंतिम टी-20 मैच में दो विकेट लेने वाली रेड्डी गेंदबाजी रैंकिंग में चार स्थान की छलांग लगाकर 39वें और ऑलराउंडरों की सूची में 26 स्थान की छलांग लगाकर 80वें स्थान पर पहुंच गईं। इंग्लैंड के कई सितारों ने भी सकारात्मक प्रगति की है। स्पिनर चार्ली डीन ने पिछले मैच में 23 रन देकर 3 विकेट लेकर 'प्लेयर ऑफ द मैच' का खिताब जीतकर गेंदबाजी रैंकिंग में शीर्ष 10 में जगह बनाई। वह आठ स्थान की छलांग लगाकर नशरा संधू और जॉर्जिया वेयरहैम के साथ संयुक्त छठे स्थान पर पहुंच गईं। लिंसे स्मिथ भी नौ स्थान की छलांग लगाकर 38वें स्थान पर पहुंच गईं, जबकि तेज गेंदबाज इस्सी वोंग सात स्थान की छलांग लगाकर 50वें स्थान पर पहुंच गईं। एमिली अर्लट, जिन्होंने इसी साल गर्मियों में वेस्टइंडीज के खिलाफ इंग्लैंड के लिए पदार्पण किया था, 15 स्थान के सुधार के साथ 67वें स्थान पर पहुंच गईं। सोफिया डंकले, जो 151 रनों के साथ इंग्लैंड की शीर्ष स्कोरर रहीं, पिछले दो मैचों में 22 और 46 रनों के महत्वपूर्ण योगदान के बाद बल्लेबाजी रैंकिंग में सात अंक की छलांग लगाकर 19वें स्थान पर पहुंच गईं।

जो रूट

टेस्ट रैंकिंग में फिर नंबर-1 जो रूट

● कुमार संगकारा के बाद नंबर-1 पर पहुंचने वाले सबसे उम्रदराज बल्लेबाज बने रूट

दुबई, वार्ता। इंग्लैंड के जो रूट ने अपने शानदार प्रदर्शन की बदौलत लॉड्र्स में भारत पर 22 रनों की जीत के साथ आईसीसी पुरुष टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया है। रूट (888 रेटिंग अंक) ने 104 और 40 रनों की पारी की बदौलत हमवतन हैरी ब्रूक (862) को पछाड़कर नंबर 1 स्थान हासिल किया, जिससे मेजबान टीम ने पांच मैचों की सीरीज में 2-1 की बढ़त बना ली। रूट का यह आठवां शीर्ष स्थान है और 34 साल की उम्र में, वह दिसंबर 2014 में 37 वर्षीय कुमार संगकारा के बाद से नंबर 1 पर पहुंचने वाले सबसे उम्रदराज बल्लेबाज हैं। ऑस्ट्रेलियाई स्टीव स्मिथ (816) भी जमैका में वेस्टइंडीज के खिलाफ कम स्कोर वाले मैच में किए गए शानदार प्रदर्शन की बदौलत शीर्ष 10 में एक स्थान ऊपर चढ़े हैं। स्मिथ ने मेहमान टीम की जीत में 48 रन बनाए, जबकि उनके साथी कैमरन ग्रीन 46 और 42 रन की पारी की बदौलत 16 स्थान की छलांग लगाकर 29वें (619) स्थान पर पहुंच गए। कैरेबियन में गुलाबी गेंद से गेंदबाजों ने दूधिया रोशनी में शानदार प्रदर्शन किया, स्कॉट बोलैंड के टेस्ट में छह विकेट (और एक हैट्रिक) लेने के प्रयास ने उन्हें करियर के सर्वश्रेष्ठ छठे स्थान पर पहुंचा दिया।

लक्ष्य सेन, सात्विक-चिराग शेट्टी जापान ओपन के राउंड ऑफ-16 में

टोक्यो, वार्ता। लक्ष्य सेन और सात्विक साईराज रंकीरेड्डी तथा चिराग शेट्टी की भारतीय जोड़ी ने बुधवार को अपने-अपने मुकाबलों में जीत दर्ज कर जापान ओपन 2025 के अगले दौर में जगह बना ली है। सेन ने संयमित प्रदर्शन करते हुए चीन के वांग झेंग लजग को 21-11, 21-18 से हराया। सेन का दूसरे दौर में जापान के स्टार खिलाड़ी कोडाई नाराओका से मुकाबला होगा। वहीं पुरुष युगल के मुकाबले में, सात्विक और चिराग ने अपने अभियान की शानदार शुरुआत की और दक्षिण कोरिया के कांग मिन-ह्युक और की डोंग-जू की जोड़ी को 21-18, 21-10 से हराकर अंतिम 16 में प्रवेश किया।

शास्त्री ने बताए हार के दो अहम पल

● भारतीय उप-कप्तान ऋषभ पंत का रन आउट और करुण नायर का आउट होना

लंदन, वार्ता। लॉड्र्स में खेला गया तीसरा टेस्ट मैच इंग्लैंड और भारत के बीच एक जबरदस्त मुकाबला रहा, जिसमें ज्यादातर समय दोनों टीमों के बीच कोई घस फर्क नहीं पड़ा। लेकिन आखिरकार मेजबान टीम ने बढ़त हासिल कर ली और कड़े मुकाबले में जीत हासिल की। जोफ्रा आर्चर और बेन स्टोक्स की अगुवाई में इंग्लैंड के गेंदबाजों ने चौथे दिन के आखिरी और पांचवें दिन के शुरुआती सत्र में नाटकीय रूप से भारतीय टीम कोधराशायी कर दिया और 193 रनों के लक्ष्य का पीछा कर रही भारत की टीम को 170 रनों पर समेट दिया।

हालांकि आईसीसी के नंबर 1 टेस्ट ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा ने जबरदस्त वापसी की। एक रोमांचक टेस्ट मैच में, जो लगातार आगे-पीछे होता रहा, शास्त्री ने उन अहम पलों की ओर इशारा किया जिन्होंने पलड़ा इंग्लैंड के पक्ष में झुका दिया, ठीक उस समय जब भारत का पलड़ा भारी लग रहा था। रवि शास्त्री ने आईसीसी रिव्यू के नवीनतम संस्करण में कहा कि इस टेस्ट मैच में मेरे

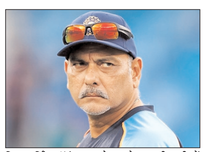

लिए टर्निंग पॉइंट, सबसे पहले, पहली पारी में ऋषभ पंत का आउट होना था। बेन स्टोक्स, लंच के समय दाहिने छोर पर हिट करने और उसे सफलतापूर्वक आउट करने के लिए अद्भुत सूझबूझ का परिचय देते हैं। क्योंकि भारत बढ़त बना सकता था और वे ड्राइवर सीट पर थे। भारतीय उप-कप्तान पंत 74 रन बनाकर खेल रहे थे, लेकिन स्टोक्स की शानदार फीलल्डग ने उन्हें तीसरे दिन लंच के समय ड्रेसिंग रूम वापस भेज दिया। शास्त्री ने कहा कि यह कहने के बाद, दूसरी पारी में एक बार फिर 40/1 के स्कोर पर, मुझे लगा कि करुण नायर की एकाग्रता में बहुत बड़ी चूक थी, एक सीधी गेंद, एक न चलने वाली गेंद, को छोड़ देना और इंग्लैंड के लिए रास्ता खोल देना। मुझे लगता है कि उस आउट होने के समय ने स्थिति बदल दी। उन्होंने कहा कि क्योंकि आपने देखा होगा कि जब सिराज ने बल्लेबाजी की, जब बुमराह ने बल्लेबाजी की, जब जडेजा ने बल्लेबाजी की, एक बार जब गेंद 40 ओवर पुरानी हो गई, तो उन्होंने मुश्किल से कोई गलती की। शास्त्री ने कहा कि 'उनका डिफेंस मज़बूत था और लंच के समय 82 रनों का लक्ष्य हासिल करने के लिए, आपको लगता था कि अगले 10 मिनट में यह काम पूरा हो जाएगा। लेकिन उस 82 या 83 रनों को 22 रनों पर लाना एक बड़ी उपलब्धि थी। उन्होंने कहा कि 'इससे पता चलता है कि अगर चौथे दिन, अंत में, शीर्ष क्रम थोड़ा और मजबूत और मानसिक रूप से मजबूत होता, तो यह मैच भारत का होता। शास्त्री का मानना है कि मैच के कुछ चरणों में भारत शीर्ष पर था, लेकिन इंग्लैंड को जरूरी मौकों का फायदा उठाने के लिए पूरा श्रेय दिया जाना चाहिए।

फौजा सिंह को कार से टक्कर मारने के आरोप में प्रवासी गिरफ्तार

जालंधर, वार्ता। मैराथन धावक फौजा सिंह (114) को कार से टक्कर मारकर घायल करने के आरोप में पुलिस ने प्रवासी (एनआरआई) अमृतपाल सिंह ढिल्लों (26) को गिरफ्तार किया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) हरिवंदर सिंह विर्क ने बुधवार को यहां एक प्रेस सम्मेलन में बताया कि पुलिस ने घटना के तीस घंटों के भीतर मामले को सुलझाते हुए आरोपी ढिल्लों को मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया था। ढिल्लों करतारपुर के दसूपुर गाँव का निवासी है और कनाडा में रहता है। वह आठ दिन पहले ही भारत आया था।

उन्होने कहा कि पूछताछ में ढिल्लों ने अपना गुनाह कबूल कर लिया है और बताया है कि घटना के समय वह अकेला था और भोगपुर से किशनगढ़ की ओर जा रहा था। जब वह ब्यास लपड के पास पहुंचा तो एक बुजुर्ग उनकी गाड़ी की चपेट में आ गया। उन्हें ये नहीं पता था कि बुजुर्ग फौजा सिंह हैं। जब देर रात खबरें आनी शुरू हुई तो फौजा सिंह की मौत के बारे में पता चला। पुलिस ने उसकी फॉर्च्यूनर कार को भी जब्त कर लिया है। ढिल्लों को आज अदालत में पेश किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि आरोपी ढिल्लो ने 14 जुलाई को सड़क पार करते समय अपनी फॉर्च्यूनर एसयूवी कार से फौजा सिंह को टक्कर मार दी थी जिससे वह गंभीर रुप से घायल हो गए थे। बाद में श्री फौजा सिंह ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। एसएसपी ने बताया कि मामले की जांच के लिए बनाई गई टीम ने कुछ गाड़ियां लिस्ट आउट की थीं। उन्होंने बताया कि उनमें से एक फॉर्च्यूनर गाड़ी की पहचान मंगलवार देर शाम की गई। नंबर से पता चला कि गाड़ी कपूरथला के अठौली गांव के रहने वाले वरिंदर सिंह के नाम पर रजिस्टर्ड है। जिसके बाद जालंधर पुलिस की टीमें कपूरथला रवाना हुई और वरिंदर तक पहुंचीं।

भारत के खिलाफ आखिरी दो टेस्ट मैचों में खेल सकते हैं: आर्चर

लंदन, वार्ता। जोफ्रा आर्चर ने कहा कि लॉड्र्स में जीत के साथ शानदार वापसी करने के बाद, वह भारत के खिलाफ इंग्लैंड की श्रृंखला के आखिरी दो टेस्ट मैचों में खेल सकते हैं। चोटों के कारण यह तेज गेंदबाज चार साल से ज्यादा समय तक टेस्ट क्रिकेट से दूर रहा, लेकिन 22 रनों की रोमांचक जीत में अहम भूमिका निभाई जिससे इंग्लैंड को श्रृंखला में 2-1 की बढ़त मिली। 30 वर्षीय आर्चर ने अपनी वापसी की तीसरी गेंद पर एक विकेट लिया, फिर भारत की दूसरी पारी में तीन विकेट लिए, जब इंग्लैंड ने 192 रनों के लक्ष्य का बचाव किया।

उन्होंने 39-2 ओवर पूरे किए और पूरी पारी में तेज गति से गेंदबाज़ी की - उनकी औसत गति कभी भी 87 मील प्रति घंटे से कम नहीं रही और ससेक्स के इस खिलाड़ी ने 41 गेंदें 90 मील प्रति घंटे से ज्यादा की रफ़्तार से फेंकी। टेस्ट क्रिकेट में वापसी के दौरान आर्चर का बहुत ध्यान रखा गया था और उन्होंने लगभग सिर्फ सफ़ेद गेंद वाले मैच ही खेले थे। ओल्ड ट्रैफर्ड में चौथा टेस्ट और ओवल में पांचवां टेस्ट एक के बाद एक हैं, इसलिए यह सुझाव दिया गया है कि इंग्लैंड को उनके कार्यभार को नियंत्रित करना होगा। लेकिन आर्चर ने कहा कि 'अगर वे मुझे अनुमति दें तो मैं बाकी दो मैच भी खेल सकता हूँ। मैं यह सीरीज नहीं हारना चाहता। मैंने कहा था कि मैं गर्मियों में टेस्ट मैच खेलना चाहता हूँ और एशेज भी खेलना चाहता हूँ।

आर्चर ने कहा कि एक टेस्ट मैच पहले ही हो चुका है और मैं नवंबर में ऑस्ट्रेलिया जाने वाली फ्लाइट में बैठने के लिए हरसंभव कोशिश करूंगा। आर्चर ने लॉड्र्स में अपना 14वां टेस्ट कैप जीता। उनका 13वां टेस्ट मैच 2021 की शुरुआत में अहमदाबाद में भारत के खिलाफ आया था। इस बीच, पीठ और कोहनी की गंभीर चोटों के कारण उनका करियर खतरे में पड़ गया था। जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्हें कभी टेस्ट क्रिकेट में वापसी पर संदेह हुआ, तो उन्होंने जवाब दिया: "नहीं।

दीपिका और विक्टर वेगनेज ने जीता शीर्ष पुरस्कार

स्विट्ज़रलैंड, वार्ता। एक और रोमांचक एफआईएच हॉकी प्रो लीग सीजन के समापन के बाद, दुनिया भर के हॉकी प्रशंसकों ने दीपिका (भारत) व विक्टर वेगनेज (बेल्जियम) को पोलिग्रास मैजिक स्किल अवार्ड्स का विजेता चुना है। एफआईएच ग्लोबल सप्लायर पोलिटन द्वारा प्रदान किए गए इस पुरस्कार में, प्रशंसकों ने 4 से 13 जुलाई तक हॉकी के जादू को दर्शाने वाले पलों को चुनने के लिए वोट किया। पोलिग्रास मैजिक स्किल अवार्ड के लिए शॉर्टलिस्ट में छह शानदार प्रदर्शन शामिल थे -3 महिला और 3 पुरुष- जिन्होंने 'लीग ऑफ द बेस्ट' सीजन के दौरान मैदान की शोभा बढ़ाई। आखिरकार, पोलिग्रास मैजिक स्किल अवार्ड दीपिका को उनकी शानदार ड्रैगिंग और फ्लिकिंग क्षमता के लिए मिला, जिसमें उन्होंने एक शानदार सोलो गोल किया।

जडेजा इंग्लैंड में1000 रन पूरे करने के करीब

लंदन, वार्ता। दुनिया के नंबर एक आलराउंडर भारत के रवींद्र जडेजा इंग्लैंड में 1000 रन पूरा करने के करीब पहुंच गए हैं। जडेजा ने लॉड्र्स में इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट में भारत की दूसरी पारी में नाबाद 61 रन बनाये लेकिन भारत यह मुकाबला 22 रन से हार गया। जडेजा का यह लगातार चौथा अर्द्धशतक था। उन्होंने बर्मिंघम और लॉड्र्स दोनों में जुड़वां फिफ्टी लगाई।

उनसे पहले इंग्लैंड में लगातार चार 50+ स्कोर बनाने वाले केवल दो भारतीय बल्लेबाज हैं - सौरव गांगुली (2002) और ऋषभ पंत (2022 और 2025)। लॉड्र्स में आखिरी दिन उनकी नाबाद 61 रन की पारी टेस्ट की चौथी पारी में उनका पहला 50+ स्कोर था। इंग्लैंड में जडेजा ने टेस्ट में नंबर 6 या उससे नीचे बल्लेबाजी करते हुए 942 रन बनाए हैं। इस लिस्ट में मेहमान बल्लेबाजों में उनसे ज्यादा रन सिर्फ गैरी सोबर्स (1097) ने बनाए हैं। इंग्लैंड में उनके नाम एक शतक और सात अर्द्धशतक हैं, गैरी सोबर्स (9) के बाद दूसरे स्थान पर हैं। भारत ने सोमवार को सातवां विकेट गिरने के बाद जितनी गेंदें (301) खेलीं। यह टेस्ट की चौथी पारी में आखिरी तीन साझेदारियों में खेली गई सबसे अधिक गेंदें हैं। इससे पहले रिकॉर्ड 294 गेंदों का था, जो इंग्लैंड ने 2015 में दुबई में पाकिस्तान के खिलाफ बनाया था (नोट: गेंदों का डेटा 1998 से उपलब्ध है)। जडेजा और जसप्रीत बुमराह ने 22 ओवर तक साझेदारी निभाई। यह पिछले दस वर्षों में भारत के लिए 9वें या 10वें विकेट के लिए सबसे लंबी साझेदारी है। इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स लॉड्र्स में टेस्ट में चार बार प्लेयर ऑफ द मैच बने हैं। यह इस मैदान पर किसी भी खिलाड़ी के लिए सबसे ज्यादा है। उन्होंने इससे पहले 2015 (न्यूजीलैंड), 2017 (विंडीज) और 2019 (ऑस्ट्रेलिया) में यह अवॉर्ड जीता था। कुल मिलाकर उनके नाम टेस्ट में 11 प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड हैं, जो इंग्लैंड के लिए तीसरे सबसे ज्यादा हैं। उनके आगे जो रूट (13) और इयान बॉथम (12) का नाम आता है। इस लॉड्र्स टेस्ट में इंग्लैंड और भारत के खिलाड़ियों में 15 बल्लेबाज बोल्ड हुए, यह 1965 से खेले गए 2000 से अधिक मैचों में सबसे अधिक है। पिछली बार टेस्ट में 1965 में जॉर्जटाउन में विंडीज और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेले गए टेस्ट में 15 या उससे अधिक खिलाड़ी बोल्ड हुए थे।

हर तरफ रही हरेला पर्व की धूम, खूब लगाए गए पौधे

मैथोडिस्ट गर्ल्स पीजी कॉलेज में हरेला पर्व पर लगाए पौधे

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। मैथोडिस्ट गर्ल्स पीजी कॉलेज रुड़की की राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा कार्यक्रम अधिकारी डॉ. पायल अग्रवाल के नेतृत्व में हरेला पर्व बड़े उत्साह और पर्यावरण संरक्षण के संकल्प के साथ मनाया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्रबंधिका मिस जे.सिंह और प्राचार्या डॉ. अमिता श्रीवास्तव विशेष रूप से उपस्थित रहीं। उन्होंने अपने कर-कमलों से विभिन्न प्रकार के फलदार वृक्षों का रोपण किया। और छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि हरेला पर्व केवल एक परंपरा नहीं, बल्कि प्रकृति के प्रति हमारी जिम्मेदारी का प्रतीक है।इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य छात्राओं में पर्यावरण के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना और वृक्षारोपण के महत्व को समझाना था। महाविद्यालय की सभी शिक्षिकाओं ने भी इस अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लिया और हरियाली को बढ़ावा देने का संकल्प लिया।महाविद्यालय परिवार ने सभी छात्रों, अभिभावकों और समुदाय से अनुरोध किया कि वे पर्यावरण की रक्षा हेतु अधिक से अधिक वृक्ष लगाएं और हरेला पर्व की भावना को सजीव बनाए रखें।

❖हरेला पर्व परंपरा नहीं, प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी: डॉ. अमिता

आईआईटी में एक पेड़ मां के नाम अभियान

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। आईआईटी परिसर को हरा भरा रखने का कर्मचारियों ने संकल्प लिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक पेड़ मां के नाम से अभियान की शुरुआत की गई। परिसर में नीम के पेड़ लगाए गए। कर्मचारियों ने पेड़ों के रखरखाव की शपथ ली।

बुधवार दोपहर दो बजे आईआईटी कर्मचारियों ने प्रधानमंत्री के आह्वान पर एक पेड़ मां के नाम अभियान की शुरुआत की है। अभियान में आईआईटी कर्मचारी यूनियन अध्यक्ष नवीन कुमार और महासचिव सचिन कुमार के नेतृत्व में परिसर में अलग-अलग जगह पर नीम के छायादार पेड़ लगाए गए। इस मौके पर आईआईटी कर्मचारियों और छात्रों को भी पर्यावरण को प्रदूषण मुक्त रखने के लिए प्रेरित किया गया। अध्यक्ष नवीन कुमार ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण और प्रकृति के प्रति समर्पण की भावना को सभी को अपने अंदर जागृत रखना है। उन्होंने कहा कि एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत आईआईटी में पर्यावरण जागरूकता और हरित पहल को बढ़ावा देने की दिशा में काम किया है। उन्होंने कहा कि यह आयोजन हमारे लिए प्रकृति के प्रति अपनी जिम्मेदारी को समझने और उसे निभाने का एक महत्वपूर्ण अवसर है। इस मौके पर राजीव वर्मा, हसनैन, रेखा मंडोलिया, सुशील कुमार चमोली, विकास त्यागी, शानू चोपड़ा, सुशील कुमार, अविनाश चौधरी, रमेश, बृजेश दीक्षित, अंकुर शर्मा, अनुराग, संजीव, नितिन प्रधान, रूपक गर्ग, विशाल कश्यप और सुरजीत सिंह आदि मौजूद रहे।

भाजपा कार्यालय में किया गया पौधरोपण

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। पर्यावरण संरक्षण के प्रति जनजागृति एवं हरित क्रांति को बढ़ावा देने के उद्देश्य से भारतीय जनता पार्टी द्वारा हरेला पर्व के अवसर पर एक विशेष पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। ग्राम बिझोली स्थित भाजपा कार्यालय पर जिला अध्यक्ष डॉ. मधु सिंह के नेतृत्व में सम्पन्न हुआ।

भाजपा जिला अध्यक्ष डॉ. मधु सिंह ने स्वयं पौधारोपण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया और उपस्थित कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों से अधिक से अधिक पौधे लगाने एवं उनकी देखरेख का आह्वान किया। डॉ. सिंह ने कहा कि हरेला पर्व उत्तराखंड की सांस्कृतिक धरोहर का प्रतीक है, जो हमें प्रकृति से प्रेम और उसके संरक्षण का संदेश देता है। आज के समय में बढ़ते प्रदूषण और ग्लोबल वार्मिंग जैसी समस्याओं से निपटने के लिए हमें अधिकाधिक वृक्षारोपण कर धरती को हरा-भरा बनाना होगा।

कार्यक्रम के जिला संयोजक देवी सिंह राणा ने कहा कि हरेला केवल पर्व नहीं, बल्कि प्रकृति से जुड़ाव और आने वाली पीढ़ियों के लिए हरियाली का संकल्प है। उन्होंने लोगों से अपील की कि प्रत्येक व्यक्ति अपने जीवन में कम से कम एक पौधा अवश्य लगाए और उसे पेड़ बनने तक उसकी देखभाल करे।

जिला महामंत्री प्रवीण संधू ने कहा कि भाजपा संगठन सदैव सामाजिक और पर्यावरणीय दायित्वों के प्रति सजग रहा है। इसी कड़ी में हर वर्ष हरेला पर्व पर जिलेभर में वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया जाता है। मंडल अध्यक्ष सुमित अग्रवाल ने कहा कि वृक्षारोपण के माध्यम से हम न केवल प्राकृतिक सौंदर्य बढ़ाते हैं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ हवा और बेहतर वातावरण भी प्रदान करते हैं। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे आगे आकर इस अभियान को जन आंदोलन का रूप दें। कार्यक्रम में सोनू धीमान, प्रदीप पाल,सतीश सैनी, सौरभ गुप्ता, पंकज नंदा , विवेक चौधरी,ममता राणा।सागर गोयल,प्रतिभा चौहान, बीएल अग्रवाल, संजीव तोमर, अवनीश त्यागी , कविश मित्तल, आदर्श गुप्ता, रीना अग्रवाल, संजय त्यागी, संजय पाल, कदम सिंह, ललित पाल सहित भाजपा के वरिष्ठ पदाधिकारी, कार्यकर्ता, महिला मोर्चा, युवा मोर्चा एवं बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों ने भाग लेकर पौधारोपण किया और पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। अंत में सभी ने मिलकर पौधों की नियमित देखभाल एवं संरक्षण का संकल्प लिया और अधिक से अधिक लोगों को वृक्षारोपण से जोड़ने का प्रण लिया।

पुलिस ने एक फरार वारंटी को पकड़ा

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। पुलिस ने कोर्ट की पेशी से फरार वारंटी को गिरफ्तार किया है। हनी कश्यप निवासी पश्चिमी अंबर तालाब कोतवाली गंगनहर के खिलाफ कोर्ट में एक मुकदमा विचारधीन है। हनी काफी समय से कोर्ट की पेशी से फरार चल रहा था। आदेश मिलने पर बुधवार को फरार वारंटी को गिरफ्तार कर संबंधित कोर्ट में पेश किया गया। वारंटी को गिरफ्तार करने में उप निरीक्षक नवीन कुमार और कांस्टेबल राकेश राणा शामिल रहे।

लक्सर पुलिस ने नाबालिग से दुष्कर्म का आरोपी दबोचा

शाह टाइम्स संवाददाता

लक्सर। लक्सर पुलिस के द्वारा नाबालिक से दुष्कर्म करने वाले फरार आरोपी को मुखबिर की सूचना पर गिरफ्तार किया गया है। राजीव रौथाण कोतवाली प्रभारी लक्सर ने जानकारी देते हुए बताया 27 मई 2025 को श्रीमती आरती पत्नी अजब सिंह निवासी ग्राम खेड़ी कला कोतवाली लक्सर द्वारा थाने पर तहरीर देकर बताया के उसके गांव के जगबीर उर्फ गुड्डू पुत्र रोहला द्वारा उसके नाबालिक पुत्र के साथ दुष्कर्म किया गया जिस पर तुरंत ही अभियोग पंजीकृत किया गया घटना की गंभीरता को देखते हुए एसएसपी हरिद्वार द्वारा जनपद हरिद्वार पुलिस को वांछित अभियुक्त के विरुद्ध न्यायालय द्वारा जारी वारंटी की धर पकड़ गिरफ्तारी के लिए कार्रवाई करने के लिए पुलिस को निर्देशित किया था। जिसमें अलग-अलग पुलिस टीम गठित की गई। गठित पुलिस टीम के द्वारा दुष्कर्म आरोपी जगबीर उर्फ गुड्डू के संभावित ठिकानों पर बाहरी राज्यों पर जाने वाले ठिकानों पर नजर रखना शुरू कर दिया अभियुक्त अपनी गिरफ्तारी से बचने के लिए लगातार ठिकाने बदल रहा था मुखबिर की सूचना पर पता करते हुए अभियुक्त को हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले से गिरफ्तार किया गया जिसका नाम जगबीर उर्फ गुड्डू पुत्र रोहला निवासी खेड़ी कला उसको पकड़ने वाली पुलिस टीम में उप निरीक्षक दीपक चौधरी उप निरीक्षक डिंपल जोशी हेड कांस्टेबल विनोद कुमार रियाज अली शामिल रहे। पकड़े गए व्यक्ति को संबंधित मुकदमे में दाखिल कर संबंधित न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है।

हरेला धरती मां को हमेशा हरा भरा रखने का देता है संदेश : डा. राजेन्द्र

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की रोटरी क्लब रुड़की द्वारा ढ़डेरा रेलवे स्टेशन से श्रीमती नीमा देवी काला पब्लिक स्कूल तक आज हरेला पर्व के उपलक्ष में इस संकल्प के साथ वृक्षारोपण किया गया कि जिस वृक्ष को लगायेंगे उसकी बच्चे की तरह पूरी देखरेख करेंगे। इस अवसर पर पर मुख्य अतिथि रुड़की प्रसिद्द वरिष्ठ चिकित्सक डॉ राजेन्द्र पाल ने कहा कि यह धरती मां हमारी जन्म दाता मां से भी महान है इसलिए हमें अपने स्वयं को स्वस्थ रखने के लिए वृक्षारोपण जरुरी है जिससे हमें अपने को स्वस्थ रखने के लिए आक्सीजन मिलती रहे। प्रसिद्ध चिकित्सक डॉ सुधीर चौधरी ने कहा एक वृक्ष सौ पुत्र समान,वृक्ष लगाना है। कार्य महान इसलिए अधिक से अधिक वृक्ष लगाना चाहिए। कार्यक्रम संयोजक रोटे हर्ष प्रकाश काला एवं श्रीमती कुसुम काला ने सभी का धन्यवाद किया।

ड्यूटी के साथ मानवीय जिम्मेदारी भी निभा रही मित्र पुलिस

शाह टाइम्स संवाददाता

पिरान कलियर कांवड़ यात्रा के दौरान मित्र पुलिस कानून-व्यवस्था बनाए रखने के साथ-साथ मानवीय पहलुओं को भी बराबर महत्व दे रही है। ऐसे ही एक सराहनीय कार्य में धनौरी चौकी प्रभारी पुष्कर सिंह चौहान ने संवेदनशीलता और तत्परता का परिचय दिया।कावड़ पटरी पर पानी भरने की सूचना पर खुद पहुंचे और जल निकासी कराई ताकि शिव भक्तों को कोईपरेशानी ना हो।

हाल ही में हुई भारी बारिश के कारण तीरछे पुल मुख्य पथ पर जलभराव हो गया था, जिससे कांवड़ियों को मार्ग पार करने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। जैसे ही इस स्थिति की सूचना पुलिस को मिली, चौकी प्रभारी पुष्कर सिंह चौहान बिना विलंब मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया।

जलभराव की समस्या को देखते हुए उन्होंने तुरंत नाली की सफाई और जल निकासी की व्यवस्था कराई, जिससे रास्ता साफ हो गया और कांवड़ियों को राहत मिली। उनकी तत्परता और सेवा भावना की स्थानीय लोगों व यात्रियों ने खुले दिल से सराहना की।

ढंडेरा फाटक पर अब आवाम को जाम से मिलेगी निजात

विधायक की पहल पर रेलवे ओवरब्रिज निर्माण को मिली हरी झंडी

शाह टाइम्स संवाददाता

रूडकी। रुड़की स ढंडेरा फाटक पर वर्षों से लगने वाले भीषण जाम से क्षेत्रवासियों को जल्द राहत मिलने जा रही है। नगर विधायक प्रदीप बत्रा के प्रयासों से इस समस्या का स्थायी समाधान निकलता नजर आ रहा है। जिस बाबत विधायक बत्रा ने रुड़की स्थित बीईजी के कमांडेंट से विशेष बैठक कर रेलवे ओवरब्रिज निर्माण के विषय पर गंभीर चर्चा की।

बैठक के दौरान ढंडेरा फाटक पर प्रस्तावित ओवरब्रिज के लिए आवश्यक डिफेंस लैंड (रक्षा भूमि) को पीडब्ल्यूडी (लोक निर्माण विभाग) को हस्तांतरित करने पर सहमति जताई गई। यह सहमति इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है, जिससे ओवरब्रिज निर्माण का मार्ग प्रशस्त हो गया है।

अवगत करादें कि ढंडेरा फाटक पर रेलवे क्रॉसिंग के कारण प्रतिदिन हजारों लोगों को जाम की समस्या से दो-चार होना पड़ता है। स्कूली बच्चे, कार्यालय जाने वाले कर्मचारी, व्यापारी एवं आपातकालीन सेवाएं सभी इस जाम के कारण प्रभावित होते रहे हैं।

विधायक प्रदीप बत्रा ने बताया कि वे लंबे समय से इस मुद्दे को लेकर प्रयासरत थे और अब रक्षा मंत्रालय से मंजूरी की दिशा में सकारात्मक संकेत मिलने के बाद जल्द ही ओवरब्रिज का निर्माण कार्य प्रारंभ कराया जाएगा। उन्होंने बीईजी कमांडेंट के सहयोग और सकारात्मक रुख के लिए आभार जताया।

हरेला पर्व पर लगाए फलदार वृक्ष

शाह टाइम्स संवाददाता

झबरेड़ा। पीएम श्री राजकीय इंटर कॉलेज लाठर देवा हूण मे हरेला पर्व उत्साह पूर्वक मनाया गया हरेला पर्व के दौरान फलदार वृक्ष जिसमें सहजन, बेल , अंगूर, संतरा, माल्टा एवं आवला आदि प्रमुख रहे।

जानकारी के अनुसार इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य चंद्रपाल सिंह ने पर्व पर सभी को बधाई दी। हरेला पर्व पर पीएम प्रभारी विपुल सालार, सुशील कुमार, आदित्य,जितेंद्र पवार, राकेश शर्मा, प्रणव सालार एवं आलोक द्विवेदी ने उपस्थित होकर अपना सहयोग दिया।

ब्राह्मणवाला गांव में दो पक्षों में चलीं गोलियां

शाह टाइम्स संवाददाता

खानपुर। ब्राह्मणवाला गांव में सोमवार रात में दो पक्षों में रंजिश के कारण जमकर फायरिंग हुई। गांव में दहशत का माहौल बन गया। ग्रामीणों ने इसकी जानकारी खानपुर पुलिस को दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जानकारी जुटाई। पुलिस तहरीर का इंतजार कर रही है। खानपुर थाना क्षेत्र के ब्राह्मणवाला गांव निवासी दो परिवारों में पिछले कुछ दिनों से रंजिश चली आ रही है। बताया जा रहा है कि सोमवार देर शाम दोनों पक्षों में फिर से कहासुनी हो गई और दोनों पक्षों ने फोन कर काफी लोगों को मौके पर बुला लिया। मौके पर दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर फायरिंग की। गनीमत रही कि किसी को गोली नहीं लगी। दर्जनों राउंड गोलियां चलने की आवाज से गांव में भय का माहौल बन गया। किसी ग्रामीण ने इसकी जानकारी खानपुर पुलिस को दी। खानपुर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर लोगों से जानकारी ली। पुलिस को आने की जानकारी के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। खानपुर थाना कार्य प्रभारी उपेन्द्र सिंह ने बताया कि गोली चलने की सूचना आई थी। मामले में तहरीर मिलने पर जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस की सूझबूझ से टला कांवड़ यात्रियों का बवाल

रूडकी। कोतवाली पुलिस की सूझबूझ से कांवड़ यात्रियों का बवाल टल गया। बवाल के टल जाने पर पुलिस व आम नागरिकों ने राहत की सांस ली। मंगलवार सुबह किसी ने 112 पर सूचना दी कि कांवड़ पटरी पर सैदपुरा गांव के पास एक यात्री की कांवड़ से किसी ने डंडे निकाल लिए। इसके चलते कांवड़ यात्री के अन्य साथी एकत्र होने शुरू होने लगे हैं। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने उत्तेजित हो रहे कांवड़ यात्रियों को समझाया और नए डंडे बाजार से मंगाकर कांवड़ यात्री को देकर गंतव्य की ओर रवाना किया। कांवड़ियों के जाने पर पुलिस व आम नागरिकों ने राहत की सांस ली। कोतवाल शांति कुमार गंगवार ने बताया कि कांवड़ से डंडे निकाल लिए जाने से यात्री उत्तेजित हो गए थे। उन्हें समझा-बुझाकर उनके गंतव्य को रवाना कर दिए जाने पर मामला शांत हुआ।

वहीं दूसरी ओर स्कॉर्पियो कार में तोड़फोड़ करने वाले तीन कांवड़ यात्रियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पकड़े गए आरोपियों का चालान कर दिया गया है। सुबह सवेरे पुलिस को सूचना मिली थी कि दिल्ली-हरिद्वार हाईवे पर पीरपुरा गांव के पास कुछ कांवड़ यात्रियों ने एक स्कॉर्पियो कार में तोड़फोड़ कर दी। पुलिस ने अज्ञात कांवड़ यात्रियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की छानबीन शुरू कर दी थी। पुलिस ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों को खंगाला तो स्कॉर्पियो कार में तोड़फोड़ करने वाले तीन कांवड़ यात्री प्रकाश में आए।

समर्पण संगठन ने किया निशुल्क चिकित्सा व भंडारा शिविर का आयोजन

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की समर्पण जन कल्याण संगठन द्वारा आयोजित नि:शुल्क चिकित्सा शिविर और भंडारे में हमें नगर विधायक प्रदीप बत्रा की उपस्थिति प्राप्त हुई।

विधायक ने स्वयं उपस्थित होकर कांवड़ियों की सेवा की और प्रसाद वितरण में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। इस अवसर पर समर्पण परिवार अपने सहयोगियों के लिए विभिन्न प्रकार के भोजन प्रसाद के रूप में शिव भक्तों को भोजन प्रसाद ग्रहण कर रहा है! इस अवसर पर बी एस एम पीजी कॉलेज के प्रधानाचार्य मेजर गौतम वीर सिंह आदि सहित बड़ी तादाद में गणमान्य लोग मौजूद रहे।

सावन में शिवभक्तों की सेवा करने से मिलता पुण्य व सकून : सुबोध

शाह टाइम्स संवाददाता

भगवानपुर। आरएनआई इंटर कॉलेज भगवानपुर पर कावड़ सेवा शिविर का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि भाजपा नेता सुबोध राकेश ने कावड़ शिविर का उद्घघाटन कर शिवभक्तों को खाना खिलाया और फल वितरित किए। कावड़ सेवा शिविर का सराहा और इसमें हम सबको अपनी भागीदारी करनी चाहिए।

जानकारी के अनुसार आरएनआई इंटर कॉलेज भगवानपुर पर कावड़ सेवा शिविर का आयोजन किया गया। सुबोध राकेश ने कहा कि शिव भक्तों की सेवा आवश्यक करनी चाहिए। शिव भक्तों की सेवा करने से पुण्य के साथ मां को भी सुकून मिलता है। इस शुभ अवसर पर संजय अग्रवाल, सुधीर अग्रवाल, रविंद्र कुमार, सनी प्रजापति, सरवन लाल, रवि कुमार, इत्यादि लोग मौजूद रहे।

झबरेड़ा नगर पंचायत में अध्यक्ष व व सदस्यों ने लगाए पौधे

हरेला पर्व हरियाली व खुशहाली का प्रतीक : किरण

शाह टाइम्स संवाददाता

झबरेड़ा। नगर पंचायत झबरेड़ा अध्यक्ष किरण चौधरी ने कहा कि हरेला पर्व हरियाली व खुशहाली का प्रतीक है। साथ साथ वृक्षारोपण तथा पर्यावरण के प्रति भी जागरूक करने का काम करता है। सभी लोगों को । वर्ष में कम से कम एक बार एक पेड़ अवश्य लगाना चाहिए। इस अवसर पर कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को नगर पंचायत की ओर से ।2। पेड़ नीम के बांटे गए।

जानकारी के अनुसार नगर पंचायत अध्यक्ष झबरेड़ा किरण चौधरी हरेला पर्व पर कहा श्रावण मास में वर्षा ऋतु के अवसर पर सभी लोगों को एक पेड़ लगाकर उसे संरक्षित करना चाहिए। वर्षा ऋतु के चलते जहां भी पेड़ को लगा दिया जाता है वह हरा भरा रहता है। उन्होंने बताया कि पेड़ पौधा लगाने मात्र से ही काम नहीं चल जाता पेड़ पौधों को बच्चों की तरह पालना होता है। हरेला परव हमारी संस्कृति का हिस्सा है। इस अवसर पर कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को नगर पंचायत की ओर से ।2। पेड़ नीम के बांटे गए।

इस अवसर पर डॉक्टर गौरव चौधरी प्रदेश अध्यक्ष ओबीसी कांग्रेस रमेश सैनी चौधरी बिरम सिंह महेंद्र शर्मा सभासद जसवीर सिंह सत्तर अहमद अनुज सैनी सलीम अहमद कन्हैया अतुल जैन राव बिलावर अतुल जैन राजेंद्र सिंह ओमपाल सिंह, तरुण कुमार आदि उपस्थित अनेक लोग रहे। ग्राम खजुरी में स्थित मां दुर्गा बाला सुंदरी मंदिर परिसर में हरेला पर्व पर प्रयास फाउंडेशन ट्रस्ट द्वारा पीपल बेलपत्र अमरूद सागवान तथा सहजन के पेड़ लगाकर उन्हें संरक्षित करने की शपथ भी ली गई।

वहीं दूसरी ओर इस अवसर पर विकास त्यागी योगेश त्यागी आकाश हरेंद्र त्यागी गौरव मनोज शर्मा बृजमोहन प्रदीप त्यागी विक्रांत पुंडीर सुशील कुमार गोपाल भूपेंद्र सिंह आदि अनेक लोग उपस्थित रहे।

सम्पादकीय

गुरुवार, 17 जुलाई 2025

नाटो का टैरिफ राग

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने व्यापार करने की जो नई राह दिखाई, उस पर अब नाटो भी चलता दिखाई दे रहा है। नाटो ने भारत, चीन और ब्राजील पर सौ प्रतिशत टैरिफ लगाने की धमकी दी है। नाटो के महासचिव मार्क रूट ने बुधवार को बेहद बेबाक तरीके से कहा कि भारत के प्रधानमंत्री हों या ब्राजील के राष्ट्रपति हों या चीन के राष्ट्रपति हों, इससे उनको कोई फर्क नहीं पड़ता। अगर कोई भी देश रूस के साथ व्यापार करता है, तो उसको भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है। वह यह सलाह भी देते दिखाई दिए कि चीन, भारत और ब्राजील को रूस पर दबाव डालना चाहिए। जिससे वह शांति वार्ता को गंभीरता से लें और अगर यह ऐसा नहीं करते और रूस से तेल और गैस खरीदना जारी रखते हैं तो इन देशों पर सौ प्रतिशत सेकेंडरी प्रतिबंध लगाया जाएगा। रूस ने नाटो महासचिव की इस धमकी को पूरी तरह खारिज किया है। रूस के विदेश मंत्री सर्गेई रियाबकोव ने हालांकि कहा कि रूस ट्रम्प के साथ बातचीत के लिए तैयार है, लेकिन इस तरह के अल्टीमेटम मंजूर नहीं हैं और अगर नाटो व अमेरिका व्यापार को लेकर ऐसा ही रवैया अपनाएंगे, तो रूस भी ऑप्शनल बिजनेस रूट तलाशेगा यानि नए साथी बनाएगा। डोनाल्ड ट्रम्प पहले ही व्यापार को लेकर बेहद आक्रामक मुद्रा में दिखाई दे रहे हैं। वह व्यापार को लेकर किस तरह का नजरिया रखते हैं, इसका पता उनके यह कहने से चल जाता है कि वह ट्रेड को कई चीजों के लिए इस्तेमाल करते हैं, लेकिन यह युद्ध खत्म करने के लिए बहुत अच्छा है। वह अपने इस अल्टीमेटम का बचाव कर रहे थे जो उन्होंने रूस को कहकर दिया कि अगर राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन 50 दिन में यूक्रेन के साथ शांति समझौता नहीं करते, तो उस पर सौ प्रतिशत टैरिफ लगाया जाएगा। भारत-पाक के बीच जो सीज फायर हुआ था, उसका श्रेय भी ट्रम्प ने यह कहकर कई बार लेने की कोशिश की कि उन्होंने दोनों देशों से व्यापार की धमकी देकर युद्ध को रुकवाया था। यह बात अलग है कि भारत ने कभी भी यह स्वीकार नहीं किया और ट्रम्प के दावे को खारिज किया, लेकिन ट्रम्प के व्यवहार में कोई कमी आती दिखाई नहीं दी। इसमें कोई दोराय नहीं कि हर देश को यह हक है कि वह अपने हितों को देखकर व्यापार करे। इसमें कोई बुराई भी नहीं है। बुराई तब पैदा होती है जब कोई देश दूसरे के हित की अन्देखी करता है और अपने ही हितों को साधने की कोशिश करता है, जैसाकि अमेरिका इस समय करता दिखाई दे रहा है और अब तो उसके साथ नाटो भी लग गया है। अमेरिका चाहता है कि उसके लिए दुनियाभर के बाजार खुलें। वह भी बिना कुछ दिए, यानि उसके सामानों पर किसी तरह का कोई टैक्स न लगे, लेकिन जो सामान अमेरिका आए उस पर भारी टैक्स लगाया जाए। इसे कहीं से भी तर्कसंगत नहीं कहा जा सकता और यूं भी अमेरिका अभी भी विश्व की सबसे बड़ी आर्थिक महाशक्ति है। इस नाते तो उसका और भी कर्तव्य बढ़ जाता है कि वह छोटे व विकासशील देशों का ध्यान रखे। भारत के साथ अभी तक यूं तो उसकी कोई ट्रेड डील सामने नहीं आई, लेकिन ट्रम्प खुद ही उम्मीद जताते दिखाई दे रहे हैं कह रहें कि हमें इंडियन मार्केट में पहुंच मिलने वाली है।

इसी दिन का भी इंतजार कर रहे थे

मैं मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी का आभारी हूं कि उन्होंने केंद्र के समक्ष जम्मू-कश्मीर के राज्य के दर्जे का मुद्दा उठाया, हम तो इसी दिन का भी इंतजार कर रहे थे जब विपक्ष संसद और दिल्ली में हमारी आवाज उठाएगा, हम ऐसी कोई चीज नहीं मांग रहे, जिसका हमसे वादा न किया गया हो, संसद में और संसद के बाहर सार्वजनिक कार्यक्रमों में और शीर्ष न्यायालय में भी बार-बार कहा गया है कि उचित समय पर जम्मू- कश्मीर को राज्य का दर्जा दिया जाएगा, जब शीर्ष न्यायालय ने अपना फैसला सुनाया था, तो उसने कहा था कि जम्मू-कश्मीर को जल्द से जल्द राज्य का दर्जा दिया जाना चाहिए, जितनी जल्दी हो सके वाले वाक्य का अब औचित्य नहीं रहा और समय आ गया है कि जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा दिया जाए। **-उमर अब्दुल्ला, मुख्यमंत्री, जम्मू-कश्मीर**

'एक्सोलोटल' की अंग पुनर्जनन क्षमता का रहस्य उजागर

जैव-विज्ञान के इतिहास में कुछ ऐसे क्षण आते हैं, जब विज्ञान केवल प्रयोगशालाओं की सीमा से बाहर निकलकर मानव भविष्य को बदलने की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम उठाता है। जून 2025 का महीना भी ऐसा ही एक ऐतिहासिक समय बन गया, जब वैज्ञानिकों ने दुनिया के सबसे आश्चर्यजनक जीवों में से एक एक्सोलोटल की अंग-पुनर्जनन क्षमता का रहस्य उजागर कर दिया। यह खोज न केवल वैज्ञानिक दृष्टिकोण से महान उपलब्धि है, बल्कि यह भविष्य में मानव शरीर के अंगों की मरम्मत, अंग पुनः उत्पत्ति और चोटों के बाद अंगों की पुनर्रचना के लिए मार्ग प्रशस्त कर सकती है।

एक्सोलोटल, जिसे मेक्सिकन वॉकिंग फिश भी कहा जाता है, वास्तव में एक उभयचर (Amphibian) है और यह विशेष रूप से अपनी असाधारण क्षमता के लिए जाना जाता है। यह अपने शरीर के कटे हुए अंगों को पुनः विकसित कर सकता है, चाहे वह हाथ-पैर हो, रीढ़ की हड्डी हो, मस्तिष्क का भाग हो या यहां तक कि दिल का कुछ हिस्सा भी। वैज्ञानिकों ने दशकों से इस रहस्य को सुलझाने की कोशिश की थी कि आखिर कैसे एक्सोलोटल बिना किसी जख्म या निशान के पूरे अंग को फिर से उगा लेता है, लेकिन जून 2025 में नॉर्थईस्टर्न यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने इस गूढ़ रहस्य की जड़ तक पहुंचने में सफलता प्राप्त की।

इस अनुसंधान की मुख्य खोज रही CYP26B1 एंजाइम की भूमिका। इस एंजाइम का कार्य शरीर के एक विशेष अणु, रेटिनोइक एसिड (Retinoic Acid) को तोड़ना है। यह अणु शरीर के विभिन्न हिस्सों को यह स्थिति संकेत देता है कि वे शरीर के किस भाग में स्थित हैं जैसे कि कंधे, कोहनी या अंगुलियां। जब एक्सोलोटल का कोई अंग कटता है, तो पुनर्जनन प्रक्रिया शुरू होती है। इस प्रक्रिया में कोशिकाएं एक ब्लास्टेमा नामक संरचना बनाती हैं, जो मूल रूप से स्टेम सेल्स से भरी एक निर्माण इकाई होती है। अब प्रश्न यह था कि ए स्टेम सेल्स कैसे जानती हैं कि उन्हें क्या बनाना है? कोहनी? अंगुली? या पूरा हाथ?

CYP26B1 एंजाइम इस प्रक्रिया में मुख्य भूमिका निभाता है। यह एंजाइम रेटिनोइक एसिड को कंधे की ओर अधिक मात्रा में रहने देता है और हाथ की ओर इसे तोड़ता है। इस कारण एक प्रकार का जैविक केमिकल मैप बनता है जो कोशिकाओं को यह दिशा देता है कि वे कहां हैं और उन्हें कौन सा अंग बनाना है। इस खोज ने पहली बार यह वैज्ञानिक प्रमाण दिया कि अंग-पुनर्जनन में रासायनिक संकेतों की दिशा और तीव्रता किस प्रकार निर्णायक होती है।

इस शोध में एक और दिलचस्प प्रयोग किया गया। वैज्ञानिकों ने एक दवा टालारोजोल (Talarozole) का उपयोग किया, जो CYP26B1 एंजाइम को अवरुद्ध कर देती है। जब इस दवा का उपयोग कर एक्सोलोटल की कोहनी की कोशिकाओं में रेटिनोइक एसिड का स्तर बढ़ा दिया गया, तो वे कोशिकाएं यह समझने लगीं कि वे शरीर के ऊपरी हिस्से जैसे कंधे में हैं। परिणामस्वरूप उन्होंने एक नया पूरा हाथ विकसित कर लिया यानी एक अंग से दो अंग निकल आए। यह घटना वैज्ञानिकों के लिए अत्यंत चौंकाने वाली थी, क्योंकि यह पहली बार हुआ कि कोशिकाओं की स्थिति की समझ को कृत्रिम रूप से बदला गया और उससे पूर्ण अंग का निर्माण हुआ।

इस खोज में एक अन्य महत्वपूर्ण जीन Shox की भूमिका भी स्पष्ट हुई। यह जीन मानवों और अन्य प्राणियों में हाथ-पैर की लंबाई और हड्डियों के विकास में भूमिका निभाता है। वैज्ञानिकों ने जब इस जीन को निष्क्रिय किया, तो एक्सोलोटल के पुनर्जीवित अंगों में विकृति देखी गई। विशेष रूप से ऊपरी हड्डियां अधूरी और असामान्य थीं। इसका तात्पर्य यह है कि Shox जीन अंग की संरचना और विस्तार को निर्देशित करता है। यदि यह जीन निष्क्रिय हो जाए, तो कोशिकाएं जानती तो हैं कि वे कौन सा अंग बना रही हैं, लेकिन वे उसे सही रूप में नहीं बना पातीं। यह शोध इसलिए भी अद्भुत है क्योंकि यह मानवों के लिए अप्रत्यक्ष रूप से एक नई दिशा दिखाता है। मनुष्य का शरीर भी रेटिनोइक एसिड, CYP26B1 और Shox जैसे जीन और एंजाइम से युक्त होता है, लेकिन हमारे शरीर की चोटों पर प्रतिक्रिया जख्म और दाग-धब्बों के रूप में होती है न कि अंग के पुनः निर्माण के रूप में।

इस शोध से यह संभावना बनती है कि यदि हम इन जैविक सिग्नलों को कृत्रिम रूप से नियंत्रित कर सकें, तो हम भी भविष्य में स्कारलेस वाउंड हीलिंग, अंग पुनर्रचना और स्टेम सेल आधारित उपचार विकसित कर सकते हैं। यह खोज केवल जैविक दृष्टिकोण से ही नहीं, बल्कि नैतिक, सामाजिक और चिकित्सा दृष्टिकोण से भी अत्यंत गहन है। मान लीजिए भविष्य में मानव हाथ या पैर कट जाने पर पुनः उगाए जा सकें, तो इसकी चिकित्सा, बीमा, पुनर्वास और कानून से संबंधित समस्याएं भी उत्पन्न होंगी, लेकिन साथ ही यह उन लोगों के लिए आशा की किरण होगी जो दुर्घटनाओं, जन्मजात विकारों या युद्धों में अपने अंगों को खो चुके हैं।

इस शोध का तकनीकी पक्ष भी उतना ही प्रभावशाली है। वैज्ञानिकों ने RNA अनुक्रमण, CRISPR तकनीक, इन-विवो इमेजिंग और जनरल स्टेम सेल विश्लेषण का प्रयोग करके पूरे पुनर्जनन प्रक्रिया को सूक्ष्मतम स्तर पर समझा। उन्होंने एक्सोलोटल के शरीर में रासायनिक संकेतों की दिशा, समय और घनत्व का सटीक मानचित्र तैयार किया, जो किसी भी पुनर्जीवन चिकित्सा के लिए आधारभूत उपकरण बन सकता है। वर्तमान में वैज्ञानिक मानव त्वचा की मरम्मत, यकृत ऊतकों के पुनर्निर्माण और रीढ़ की हड्डी की मरम्मत जैसे प्रयोग कर रहे हैं, लेकिन अंग-पुनर्जनन एक अलग ही स्तर की चिकित्सा क्रांति होगी। एक्सोलोटल की यह खोज इसमें नींव का पत्थर सिद्ध हो सकती है। यह भी ध्यान देने योग्य है कि इस खोज के प्रभाव केवल चिकित्सा तक सीमित नहीं हैं। सेना, अंतरिक्ष विज्ञान, खेल जगत, औद्योगिक दुर्घटनाओं से पीड़ित व्यक्तियों, और यहां तक कि कृत्रिम अंग उद्योग पर भी इसका प्रभाव पड़ सकता है। जब मनुष्य स्वयं अंग पुनः उत्पन्न करने में सक्षम हो जाएगा, तो कृत्रिम अंगों की आवश्यकता में कमी आ सकती है। साथ ही इस दिशा में अनैतिक प्रयोगों की आशंका भी बढ़ेगी, जिसके लिए नीति-निर्माताओं और वैज्ञानिक समुदाय को पहले से ही तैयारी करनी होगी। जून 2025 की यह खोज केवल एक अंग पुनर्जनन का रहस्य उजागर नहीं करती, बल्कि यह एक व्यापक क्रांति की शुरुआत है एक ऐसा समय, जब विज्ञान और प्रकृति के अद्भुत समन्वय से हम अपने शरीर की मरम्मत स्वयं कर सकने में सक्षम होंगे। यह उस विज्ञान की जीत है जो प्रकृति के सिद्धांतों को समझकर उन्हीं सिद्धांतों का उपयोग करके जीवन को बेहतर बनाने का प्रयास करता है।

विज्ञान में यह खोज एक नए अध्याय की शुरुआत है मॉलिक्यूलर पॉजिशनल आइडेंटिटी का युग। जहां यह समझना संभव होगा कि कोशिकाएं कैसे अपने स्थान को जानती हैं, कैसे अंग की दिशा और रूपरेखा तय होती है और कैसे हम इन संकेतों को नियंत्रित करके शरीर में किसी भी प्रकार की जैविक मरम्मत कर सकते हैं।

यदि हम इस दिशा में शोध को आगे बढ़ाते हैं, तो संभवतः एक दिन हम न केवल अंग, बल्कि आंख, लीवर या यहां तक कि मस्तिष्क के कुछ हिस्सों को भी पुनः उत्पन्न करने में सफल होंगे। यह विज्ञान और चिकित्सा की सबसे बड़ी जीत होगी जब शरीर स्वयं को स्वयं ठीक कर सकेगा। एक्सोलोटल ने हमें वह झरोखा दिया है जिससे झांककर हम पुनर्योजन की दुनिया को देख सकते हैं। अब यह मनुष्य पर है कि वह उस झरोखे को दरवाजे में बदलता है या केवल प्रशंसा करके वहीं रुक जाता है।

मानसून में भारत की इन जगहों पर घूमने न जाएं

मानसून में बहुत लोग पहाड़ों पर घूमने का प्लान बना रहे हैं, लेकिन हादसे और बादल फटने की खबर से घबरा भी रहे हैं। ऐसे में अगर आप भी मानसून में कुछ दिनों में पहाड़ों पर घूमने का प्लान कर रही हैं, तो आपको भी अलर्ट हो जाना चाहिए, क्योंकि इस समय हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड की कुछ जगहों पर जाना बिल्कुल भी सुरक्षित नहीं है।

एक ओर जहां शहरों में लोग तपती गर्मी से परेशान हो रहे हैं तो वहीं दूसरी तरफ पहाड़ों पर बारिश और बादल फटने आदि की घटनाएं परेशानी का कारण बन गई हैं। मानसून में बहुत लोग पहाड़ों पर घूमने का प्लान बना रहे हैं, लेकिन हादसे और बादल फटने की खबर से घबरा भी रहे हैं। ऐसे में अगर आप भी मानसून में कुछ दिनों में पहाड़ों पर घूमने का प्लान कर रही हैं, तो आपको भी अलर्ट हो जाना चाहिए। क्योंकि इस समय हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड की कुछ जगहों पर जाना बिलकुल भी सुरक्षित नहीं है। वहीं मौसम विभाग ने भी आने वाले दिनों के लिए अलर्ट जारी किया है।

इन जगहों पर जाना सेफ नहीं

इन दिनों कुल्लू घूमने जाना खतरनाक साबित हो सकता है। क्योंकि कुल्लू में बादल फटने के कारण पानी का रौद्र रूप देखने को मिला है। कुल्लू में बादल फटने के बाद बाढ़ जैसे हालात हो गए हैं, जिसकी वजह से जान-माल को काफी नुकसान हुआ है। ऐसे में मानसून में कुल्लू घूमने जाना सेफ नहीं है।

कांगड़ा

कांगड़ा में भी बादल फटने की वजह से काफी नुकसान देखने को मिला है। पानी के तेज बहाव में कई गाड़ियां भी बह गईं। ऐसे में अगर आप भी कांगड़ा घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो सेफ्टी के लिहाज से आपको लो. केशन बदल लेनी चाहिए। आप मानसून में पहाड़ी इलाकों से दूर अन्य हिल स्टेशन पर घूमने के लिए जा सकते हैं। क्योंकि मानसून में किसी भी पहाड़ी इलाके में यात्रा करना सुरक्षित नहीं है।

मंडी

कुल्ली में बादल फटने की खबर के बाद मंडी जिला प्रशासन द्वारा अलर्ट जारी किया गया है। प्रशासन की ओर से कहा गया है कि ब्यास नदी के किनारे से दूर रहें। क्योंकि पानी के बहाव और बारिश के कारण हादसा हो सकता है। ऐसे में यात्रियों को इन बातों का खास ध्यान रखना चाहिए।

मणिकर्ण

मानसून में मणिकर्ण साहिब दर्शन का प्लान बनाना भी काफी खतरनाक साबित हो सकता है। बीते दिनों ब्रह्मगंगा और गड़सा के गोमती नदी में बादल के फटने से पानी का स्तर अचानक से तेज हो गया। ऐसे में अगर आप मणिकर्ण जाने का प्लान बना रहे हैं, तो इस समय यहां जाना सुरक्षित नहीं है। वहीं अगर आप मणिकर्ण में हैं और ज्यादा बारिश हो रही है, तो प्रयास करें कि होटल में रहे।

इस एक्ट को भी कोई नाम दीजिए जनाब

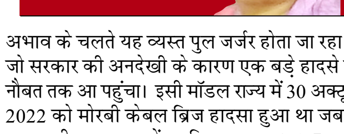

याद कीजिए 31 मार्च, 2016 को राज्य में हो रहे चुनावी दंगल के बीच कोलकाता में विवेकानंद फ्लाईओवर गिरने की घटना और उसके बाद इस हादसे पर हुई जबरदस्त राजनैतिक बयानबाजी को। इस हादसे को लेकर बंगाल की ममता सरकार पर कटाक्ष करते हुए पीएम मोदी ने जबरदस्त हमला बोला था। उस हादसे में 25 लोग मारे गए थे। पुल निर्माता कम्पनी ने इस हादसे को दैवीय कृत्य बताकर हादसे के कारण पर पर्दा डालने की कोशिश की थी परन्तु उसी दौरान बंगाल में अपनी चुनावी सभाओं में इस हादसे को जोरदार चुनावी मुद्दा बनाते हुए तरह-तरह की बातें की थीं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर मौत की राजनीति करने का आरोप लगाया था। मोदी ने कहा था कि कोलकाता में हुआ फ्लाई ओवर हादसा दैविक संदेश है कि लोग बंगाल को तृणमूल कांग्रेस से बचाएं। यह एक्ट ऑफ गॉड नहीं एक्ट ऑफ फ्रॉड है। प्रधानमंत्री ने उस समय कहा था कि वामपंथ और दक्षिणपंथ को भूल जाइए, उनके बारे में चिंता कीजिए जो मर रहे हैं। कम से कम मृतकों को तो सम्मान दीजिए, लेकिन दीदी को मरते लोग नहीं, कुर्सी दिखाई पड़ती है। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा था कि उनकी (ममता) बेशर्मी तो देखिए। यह एक बड़ा हादसा था, लेकिन उन्होंने आरोप-प्रत्यारोप का खेल शुरू कर दिया। उन्होंने यहां तक कह दिया कि ठेका पिछली वाम मोर्चा की सरकार के शासनकाल में दिया गया था। मैं दीदी से यह बात पूछना चाहता हूं कि पुल निर्माण कार्य पूरा होने के बाद इसके उद्घाटन के वक्त उन्होंने क्या यह बात कही कि इसका ठेका वाम मोर्चे की सरकार ने दिया था? नहीं, आपने इसका श्रेय लिया। अब चूंकि यह गिर चुका है, इसलिए आप दूसरों पर आरोप लगा रहे हैं। यह आपकी पैसे और मौत की राजनीति का एक हिस्सा है। उसी समय मोदी ने बड़े गर्व से यह भी फरमाया था कि जिस राज्य में भाजपा की सरकार है, वहां चौतरफा विकास हो रहा है। आपने बंगाल में वाम और तृणमूल को बहुत देखा और दोनों ने बंगाल को बर्बाद करने के लिए सब कुछ किया। भाजपा को एक मौका दीजिए और हम आपको दिखाएंगे कि विकास का मतलब क्या होता है परन्तु इत्तेफाक से मोदी के इस भाषण के बाद ही भाजपा शासित राज्यों के कथित विकास मॉडल की जो पोल खुलनी शुरू हुई वह परत दर परत खुलती ही जा रही है।

खासकर भाजपा शासित उस गुजरात राज्य की जिस के विकास मॉडल का नाम पर 2013 से लेकर देश को ठगा जा रहा था परन्तु एक के बाद एक कई बड़े हादसे होने के बाद अब गुजरात मॉडल का नाम लेना कम हो गया है। अन्य भाजपा शासित राज्यों की तो बात ही छोड़िए केवल गुजरात में ही हाल के वर्षों में कई पुल टूटने की घटनाएं सामने आई हैं। इनमें अभी ताजातरीन घटना महिसागर नदी पर बने वडोदरा और आणंद को जोड़ने वाले गंभीरा ब्रिज के ढह जाने की हुई। गत 9 जुलाई को यह विशाल एवं व्यस्त पुल ढह गया जिसके चलते 5 वाहन नदी में गिर गए। इस हादसे में 17 लोगों की मौत की खबर है जबकि कई लोग अभी भी लापता बताए जा रहे हैं। बताया जा रहा है कि रखरखाव के अभाव के चलते यह व्यस्त पुल जर्जर होता जा रहा था जो सरकार की अनदेखी के कारण एक बड़े हादसे की नौबत तक आ पहुंचा। इसी मॉडल राज्य में 30 अक्टूबर 2022 को मोरबी केबल ब्रिज हादसा हुआ था जबकि मच्छू नदी पर बना सस्पेंशन ब्रिज टूट गया था। 7 महीने के नवीनीकरण के बाद पर्यटकों हेतु यह पुल खोला गया था। इस सस्पेंशन ब्रिज टूटने के हादसे के समय पुल पर 300 से अधिक लोग मौजूद थे, जो इसकी क्षमता से ज्यादा थे। इस हादसे में 135 लोगों की मौत हुई थी और 56 लोग घायल हुए थे। उस समय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राहत कार्यों का निर्देश दिया था और मृतकों के लिए 2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि की घोषणा की थी। इसी तरह गुजरात में ही 24 सितंबर 2023 को सुरेंद्रनगर ब्रिज हादसा हुआ था, जबकि सुरेंद्रनगर, राष्ट्रीय राजमार्ग को चूड़ा से जोड़ने वाला 40 साल पुराना पुल टूट गया था। इस हादसे में एक ट्रक सहित कई वाहन नदी में गिर गए थे।

यह पुल भी जर्जर संरचना और भारी वाहनों के दबाव के चलते ध्वस्त हुआ था। इसी तरह बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट के लिए निर्माणाधीन एक पुल वासद, आणंद में टूट गया। 5 नवम्बर 2024 को हुए इस हादसे में 3 मजदूरों की मौत हुई थी। इस हादसे का कारण भी निर्माण में खामियों की संभावना बताई गए थी। इसी तरह 24 जनवरी 2020 को मेहसाणा में खारी नदी पर बना पुल टूट गया था तो 21 दिसम्बर 2021 को अहमदाबाद में मुमतपुरा पुल का एक भाग टूट गया। जबकि जून 2025 में बोटाद में पाटलिया नदी पर बना पुल बारिश के कारण क्षतिग्रस्त हो गया था। सवाल यह है कि मॉडल राज्य गुजरात में होने वाले ऐसे हादसे क्या भ्रष्टाचार और प्रशासनिक लापरवाही का परिणाम नहीं? निश्चित रूप से गुजरात में पुल टूटने की इस तरह की घटनाएं संरचनात्मक सुरक्षा और रख-रखाव की कमी को उजागर करती हैं। और बार-बार होने वाले ऐसे हादसों से जनता में सरकार के प्रति अविश्वास बढ़ता है।

इसी तरह उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश या राजस्थान इन सभी भाजपा शासित राज्यों में कहीं निर्माणाधीन सड़कें बह रही हैं कहीं उद्घाटन से पूर्व कोई प्रोजेक्ट धराशाई हुआ जा रहा है। याद कीजिए महाराष्ट्र के सिंधुदुर्ग जिले के मालवन में स्थित राजकोट किले में केवल आठ माह पूर्व छत्रपति शिवाजी महाराज की जिस 35 फुट ऊंची मूर्ति का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों गया था वह प्रतिमा 26 अगस्त 24 को ताश के पत्तों की तरह ढह गई। उस समय चुनावी बेला में समय को भांपते हुए शिवाजी महाराज की इस प्रतिमा ढहने के मामले पर स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को छत्रपति शिवाजी से माफी मांगने के लिए सार्वजनिक रूप से सामने आना पड़ा था। उस समय मोदी ने कहा था कि छत्रपति शिवाजी महाराज न केवल हमारे लिए एक महान व्यक्ति हैं, बल्कि वह हमारे आदर्श हैं। मैं उस मूर्ति के चरणों में झुक रहा हूं और अब उनसे सिर झुकाकर माफी मांग रहा हूं। हमारे लिए शिवाजी आराध्य देव हैं परन्तु भाजपा शासित राज्यों में हुए बड़े से बड़े हादसों पर और आम लोगों की मौत की जिम्मेदारी लेना तो दूर न तो इनके लिए कभी मुआफी मांगी गई न ही खेद जताया गया। सवाल यह है कि जब कोलकाता का एक फ्लाई ओवर ढहना प्रधानमंत्री की नजरों में एक्ट ऑफ फ्रॉड था तो गुजरात व अन्य भाजपा शासित राज्यों में हो रहे रहे इस तरह के श्एक्टश को भी तो कोई नाम दीजिए जनाब?

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

नाटो की भारत पर 100% टैरिफ लगाने की धमकी

कहाः इंडियन पीएम हों या चीनी राष्ट्रपति, रूस को जंग रोकने को कहें, वरना नतीजा भुगतना होगा

- तीनों देशों को रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पर दबाव डालना चाहिए ताकि वह शांति वार्ता को गंभीरता से लें: रूट
- रूट ने तीनों देशों पर सेकेंडरी प्रतिबंध लगाने की भी धमकी दी
- रूसी उप विदेश मंत्री सर्गेई रियाबकोव ने अमेरिका और नाटो की धमकियों को खारिज किया

ब्रसेल्स। नाटो ने भारत, चीन और ब्राजील पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगाने की धमकी दी है। नाटो महासचिव मार्क रूट ने बुधवार को कहा कि अगर आप चीन के राष्ट्रपति, भारत के प्रधानमंत्री या ब्राजील के राष्ट्रपति हैं, तो आपको यह समझना होगा कि रूस के साथ व्यापार जारी रखने का भारी नुकसान हो सकता है।

रूट ने बुधवार को अमेरिकी सीनेटरों से मुलाकात के बाद पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि इन तीनों देशों को रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पर दबाव डालना चाहिए, ताकि वह शांति वार्ता को गंभीरता से लें। रूट ने तीनों देशों पर सेकेंडरी प्रतिबंध लगाने की भी धमकी दी है। उन्होंने कहा कि अगर ये देश रूस से तेल और गैस खरीदना जारी रखते हैं तो इन देशों पर 100 प्रतिशत सेकेंडरी प्रतिबंध लगाए जाएंगे। वहीं, रूसी उप विदेश मंत्री सर्गेई रियाबकोव ने अमेरिका और नाटो की धमकियों को खारिज किया। उन्होंने कहा, रूस ट्रम्प के साथ बातचीत के लिए तैयार है, लेकिन इस तरह के अल्टीमेटम मंजूर नहीं हैं। रियाबकोव ने कहा कि रूस आर्थिक दबाव के बावजूद अपनी नीतियां नहीं बदलेगा और आप्शनल बिजनेस रूट तलाशेगा। नाटो महासचिव की यह चेतावनी उस समय आई है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने यूक्रेन को नए हथियार देने और रूस के व्यापारिक साझीदारों पर भारी टैक्स लगाने की घोषणा की है।

अमेरिकी रक्षा विभाग ने 2000 नेशनल गार्ड को लॉस एंजिल्स छोड़ने का दिया आदेश

लॉस एंजिल्स। अमेरिकी रक्षा विभाग ने लॉस एंजिल्स में तैनात लगभग 4000 कैलिफ़ोर्निया नेशनल गार्ड में से करीब आधे यानी कि 2000 गार्ड को अपने मूल कमान में लौटने का आदेश दिया है। अमेरिका के रक्षा विभाग के प्रवक्ता सीन पार्नेल ने एक बयान में रक्षा मंत्री पेटे हेगसेथ द्वारा नेशनल गार्ड सदस्यों की तैनाती कम करने के फैसले की घोषणा करते हुए कहा कि 'हमारे सैनिकों के आह्वान पर आगे आने के लिए धन्यवाद, लॉस एंजिल्स में तनाव और अराजकता कम है। बयान में कहा कि संघीय सुरक्षा मिशन ने अपने तात्कालिक लक्ष्य हासिल कर लिए हैं। बयान में यह नहीं बताया गया है कि नेशनल गार्ड के सदस्य कब तक वापस लौटेंगे। जबकि कुछ अधिकारियों ने कहा कि इकाइयां व्यवस्थित तरीके से फिर से तैनात होंगी। कैलिफ़ोर्निया नेशनल गार्ड ने पुष्टि की है कि उसने उन सैनिकों के लिए परिवहन की व्यवस्था करने के लिए कमांडरों से संपर्क करना शुरू कर दिया है।

सीरिया। स्वेदा शहर से वापस आकर दक्षिणी सीरिया के दारा राजमार्ग से गुजर रहे सीरियाई सरकारी बलों के लिए एक टैंक को ट्रक पर ले जाते हुए।

अफगानिस्तान के हजारों नागरिक गुप्त योजना के तहत ब्रिटेन पहुंचे

लंदन। अफगानिस्तान में तालिबान के सत्ता में आने के बाद लोगों की व्यक्तिगत जानकारी लीक होने पर हज़ारों नागरिक एक गुप्त योजना के तहत ब्रिटेन आ गए हैं। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार अफ़ग़ानिस्तान में तालिबान के सत्ता में आने के बाद ब्रिटेन जाने के लिए आवेदन करने वाले लगभग 19,000 लोगों की व्यक्तिगत जानकारी फरवरी 2022 में लीक हो गई थी। तत्कालीन कंज़र्वेटिव सरकार को इसकी सूचना अगस्त 2023 में सोशल मीडिया से मिली। रिपोर्ट के अनुसार लीक हुई सूची में शामिल लोगों के लिए नौ महीने बाद एक नई पुनर्वास योजना शुरू की गई जिससे लगभग 19000 आवेदकों में से अब तक 4500 अफगानी ब्रिटेन पहुंच चुके हैं।

अमेरिका ने ब्राजील के खिलाफ जांच की शुरू

न्यूयॉर्क। अमेरिका ने ब्राजील के खिलाफ 1974 के व्यापार अधिनियम की धारा 301 के तहत व्यापार नीतियों की जाँच शुरू की है। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय ने मंगलवार को यह घोषणा की। कार्यालय ने एक बयान में अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जेमीसन ग्रीर के हवाले से कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के निर्देशन में शुरू की गई यह जांच अमेरिकी सोशल मीडिया कंपनियों पर ब्राज़ील के हमलों के साथ-साथ अन्य अनुचित व्यापारिक नीतियों की जांच करेगी जो अमेरिकी कंपनियों, श्रमिकों, किसानों और प्रौद्योगिकी नवप्रवर्तकों को नुकसान पहुंचाती हैं। बयान में कहा गया है कि ग्रीर ने अन्य सरकारी एजेंसियों, स्वीकृत सलाहकारों और कांग्रेस के साथ परामर्श के बाद यह तय किया कि ब्राज़ील के टैरिफ और गैर-टैरिफ अवरोधों की गहन जांच और संभावित रूप से प्रतिक्रियात्मक कार्रवाई की जानी चाहिए।

आतंकवाद-अलगाववाद से निपटने के लिए बना एससीओ

- जयशंकर ने पहलगाम हमले की फिर निंदा की कहाः इसके दोषियों को सजा दी जानी चाहिए

बीजिंग। ऑपरेशन सिंदूर के बाद पहली बार, भारत और पाकिस्तान के विदेश मंत्री 15 जुलाई को चीन के तियानजिन में आमने-सामने आए। शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) समिट में भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने पहलगाम हमले के निंदा की।

जयशंकर ने कहा कि यह हमला जम्मू-कश्मीर की पर्यटन अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचाने और धार्मिक विभाजन पैदा करने के लिए किया गया था। उन्होंने एससीओ से आतंकवाद के खिलाफ कड़ा रुख अपनाने की मांग की। उन्होंने कहा-एससीओ तीन बुराइयों से निपटने के लिए बना, वे हैं आतंकवाद, अलगाववाद और उग्रवाद। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) के बयान का भी जिक्र किया, जिसमें हमले में जिम्मेदार लोगों को सजा देने की बात कही गई थी। जयशंकर ने कहा: यह जरूरी है कि एससीओ आतंकवाद पर कोई समझौता न करे। भारत-पाकिस्तान विवाद के अलावा जयशंकर ने अफगानिस्तान का मुद्दा भी उठाया और एससीओ सदस्यों से विकास सहायता बढ़ाने का आग्रह किया, जिसके लिए भारत ने भी प्रतिबद्धता जताई। जयशंकर ने कहा-भारत ने एससीओ में स्टार्टअप और नवाचार से लेकर पारंपरिक चिकित्सा और डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर तक, कई क्षेत्रों में कई पहल की हैं। इससे पहले जयशंकर ने चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात की थी।

शांति सैनिकों पर हमलों की जवाबदेही बेहद जरूरीः भारत

न्यूयॉर्क। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थाई प्रतिनिधि राजदूत पी. हरीश ने कहा है कि शांति सैनिकों पर हमलों के मामले में जवाबदेही का होना न केवल इंसाफ के लिए बल्कि दुनियाभर में इस संगठन के शांति अभियानों के लिए भी जरुरी है। हरीश ने यहां संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि संयुक्त राष्ट्र शांति सैनिकों को खतरनाक क्षेत्रों में भारी मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। लेकिन कई मामलों में उनके खिलाफ हुए अपराधों की कोई सजा नहीं मिलती। जवाबदेही की यह कमी अंतर्राष्ट्रीय शांति प्रयासों को कमजोर बनाती है और इससे अपराधियों का मनोबल बढ़ता है। यह कार्यक्रम 'ग्रुप ऑफ फ्रेंडस' नाम के एक समूह ने आयोजित किया था।

US को भारतीय मार्केट में मिलेगी पहुंचः ट्रम्प

अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहाः ट्रेड डील पर बातचीत जारी, इंडोनेशिया पर 19 प्रतिशत टैरिफ लगाया

- इसके अलावा ट्रम्प ने इंडोनेशिया के साथ एक नए व्यापार समझौते की घोषणा की

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि अमेरिका भारतीय मार्केट में पहुंच हासिल करने के लिए एक समझौते पर काम कर रहा है। इसके अलावा, उन्होंने इंडोनेशिया के साथ एक नए व्यापार समझौते की घोषणा की। इसके तहत इंडोनेशिया से आने वाले सामान पर अमेरिका 19 प्रतिशत टैरिफ लगाएगा। ट्रम्प ने भारत को लेकर कहा: हमें इंडियन में मार्केट में पहुंच मिलने वाली है। पहले हमें इन देशों में कोई पहुंच नहीं थी।

हमारे लोग वहां व्यापार नहीं कर पाते थे। अब टैरिफ के जरिए हम पहुंच हासिल कर रहे हैं। ट्रम्प ने बताया कि इंडोनेशिया के राष्ट्रपति जोको विडोडो से बात करने के बाद एक व्यापार समझौता हुआ है। इस समझौते के तहत इंडोनेशिया अमेरिकी इम्पोर्ट पर कोई टैरिफ नहीं लगाएगा, जबकि अमेरिका, इंडोनेशिया के निर्यात पर 19 प्रतिशत टैरिफ लगाएगा। ट्रम्प ने यह बयान पेनसिल्वेनिया जाते वक्त दिया। इस दौरान व्हाइट हाउस की प्रेस सेक्रेटरी कैरोलिन लेविट भी उनके साथ मौजूद थीं। ट्रम्प ने पत्रकारों से कहा: हमने इंडोनेशिया के साथ समझौता किया। मैंने उनके बहुत लोकप्रिय और मजबूत राष्ट्रपति से बात की। अब हमें इंडोनेशिया में पूरी पहुंच मिलेगी। हम कोई टैरिफ नहीं देंगे। उन्होंने आगे कहा: इंडोनेशिया हमें अपने बाजार में एक्सेस दे रहा है, जो पहले कभी नहीं थी। यह समझौते का सबसे बड़ा हिस्सा है। इसके बदले वे 19 प्रतिशत टैरिफ देंगे और हम कुछ नहीं देंगे। यह दोनों पक्षों के लिए अच्छा सौदा है। ट्रम्प ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफार्म ट्रुथ सोशल पर इस समझौते को 'पक्का' बताया। उन्होंने कहा कि इस समझौते के तहत इंडोनेशिया अमेरिका से 15 अरब डॉलर की एनर्जी, 4.5 अरब डॉलर के कृषि प्रोडक्ट्स और 50 बोइंग जेट विमान खरीदेगा। ट्रम्प ने यह भी बताया कि इंडोनेशिया के पास हाई क्वालिटी वाला कापर (तांबा) है, जो अमेरिका के लिए फायदेमंद होगा। हालांकि मंगलवार दोपहर तक इंडोनेशिया सरकार ने इस बारे में कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की थी। पिछले साल इंडोनेशिया ने अमेरिका को 2 करोड़ डॉलर का तांबा एक्सपोर्ट किया था, जबकि चिली ने 60 करोड़ डॉलर और कनाडा ने 40 करोड़ डॉलर का तांबा एक्सपोर्ट किया था। ट्रम्प ने रूस पर यूक्रेन से जंग खत्म करने का दबाव डालने के लिए भारी टैरिफ लगाने की धमकी दी थी। ट्रम्प ने कहा था: मैं ट्रेड को कई चीजों के लिए इस्तेमाल करता हूं, लेकिन यह युद्ध खत्म करने के लिए बहुत अच्छा है। ट्रम्प ने कहा था कि अगर रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने 50 दिन में यूक्रेन के साथ शांति समझौता नहीं किया, तो उस पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगेगा।

अमेरिका की मोस्ट वांटेड लिस्ट में पाक में ईरानी राजदूत शामिल

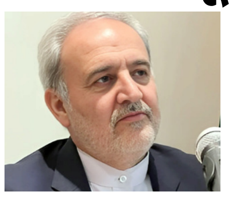

- अमेरिका की जांच एजेंसी एफबीआई के रिटायर्ड अफसर के अपहरण का आरोप, 2007 से लापता

वाशिंगटन। अमेरिका की जांच एजेंसी एफबीआई ने मंगलवार को ईरान के राजनयिक रेजा अमीरी मोगदम को अपनी मोस्ट वांटेड सूची में शामिल किया है।

मोगदम फिलहाल पाकिस्तान में ईरान के राजदूत हैं। मोगदम पर आरोप है कि उन्होंने 2007 में एक रिटायर्ड अमेरिकी एफबीआई एजेंट राबर्ट लेविंसन के अपहरण की योजना बनाने और उसे छिपाने में अहम भूमिका निभाई थी। लेविंसन 8 मार्च 2007 को ईरान के किश द्वीप पहुंचे थे और अगले ही दिन अचानक गायब हो गए थे। अब तक उनकी कोई पुख्ता जानकारी नहीं मिल पाई है। पूर्व एफबीआई एजेंट राबर्ट लेविंसन मार्च 2007 में ईरान के किश द्वीप के पास रहस्यमय परिस्थितियों में गायब हो गए थे। एफबीआई का मानना है कि मोगदम ने उस पूरे ऑपरेशन की निंगरानी की थी जिसमें राबर्ट लेविंसन का अपहरण हुआ था। बाद में उन्होंने इस पूरे मामले की सच्चाई छुपाने का भी काम किया था। रेजा मोगदम, जिन्हें अहमद अमीरिनिया के नाम से भी जाना जाता है, पहले ईरान के खुफिया मंत्रालय (एमओआईएस) में एक सीनियर अधिकारी थे। उनकी निंगरानी में ही यूरोप में ईरान के गुप्त एजेंट काम किया करते थे। एफबीआई ने कहा कि वे अभी भी पता लगा रहे हैं कि लेविंसन का अपहरण किन लोगों ने और कैसे किया। एफबीआई ने मंगलवार को मोगदम के अलावा 2 और सीनियर ईरानी खुफिया अधिकारियों के खिलाफ पोस्टर जारी किए।

गाजा में फूड सेंटर पर भगदड़, 43 की मौत

खाना लेने के दौरान अब तक 870 फलस्तीनी मारे गए, इजरायली सेना पर नरसंहार का आरोप

गाजा। गाजा के खान यूनिस में बुधवार को एक फूड डिस्ट्रीब्यूशन सेंटर पर 43 लोगों की मौत हो गई। इनमें से 21 लोग खाना लेने की कोशिश में मारे गए, जबकि 15 लोगों की मौत भगदड़ में कुचल कर हुई। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि यह हादसा गाजा ह्यूमैनिटेरियन फाउंडेशन (जीएचएफ) सेंटर पर हुआ। मंत्रालय ने इजरायली सेना और अमेरिका पर 'जानबूझकर' भूखे लोगों का नरसंहार करने का आरोप लगाया। जीएचएफ ने भी अब तक 20 लोगों के मारे जाने की बात स्वीकार की है, लेकिन इसके लिए हमास से जुड़े लोगों पर हिंसा भड़काने का आरोप लगाया। यूएन इन जीएचएफ सेंटर्स को मौत का जाल करार दे चुका है। मई के अंत से अब तक इन सेंटर्स पर या आसपास 870 से ज्यादा फलस्तीनी मारे जा चुके हैं।

जीएचएफ का कहना है कि इन सेंटर्स पर हमास की वजह से भगदड़ मची थी, जिससे लोग मारे गए। गाजा के सरकारी मीडिया ऑफिस (जीएमओ) ने पिछले महीने इजरायली आर्मी पर फलस्तीनियों को ड्रग्स देने का आरोप लगाया था। जीएमओ का कहना था कि गाजा ह्यूमैनिटेरियन फाउंडेशन (जीएचएफ) ने फलस्तीनी लोगों को जो आटे की बोरियां दी हैं, उनमें आक्सीकोडोन नाम की नशीली गोलियां मिली हैं। जीएचएफ को इजरायली सेना चलाती है और इसे अमेरिका से सपोर्ट मिलाता है। जीएमओ ने कहा था कि यह लोगों को नशे की लत लगाने की साजिश है। इजरायल नशीली दवाओं को हथियार के तौर में इस्तेमाल कर रहा है। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, अक्टूबर 2023 में शुरू हुए युद्ध के बाद से इजरायली हमलों में गाजा के 58573 लोग मारे गए हैं और 139607 अन्य घायल हुए हैं।

पिछले 24 घंटों में 94 लोगों की मौत हुई है और 252 घायल हुए। 18 मार्च के बाद से अब तक 7750 लोग मारे गए हैं और 27566 घायल हुए हैं। गाजा में जंग के बीच 5 लाख लोगों पर भुखमरी का संकट पैदा हो गया है। गाजा के हालात पर 12 मई को संयुक्त राष्ट्र ने एक रिपोर्ट पेश की थी। इसके मुताबिक अगर इजरायल पाबंदियां नहीं हटाता है तो गाजा में हर 5 में से 1 व्यक्ति भुखमरी की चपेट में आ सकता है। गाजा के मीडिया कार्यालय ने इजरायल पर आरोप लगाया कि वह गाजा पट्टी से फलस्तीनी आबादी खाली करने की साजिश रच रहा है।

रूस ने अमेरिकी अल्टीमेटम खारिज किया

- उनका देश यूक्रेन संघर्ष के कूटनीतिक समाधान का पक्षधर है व बातचीत के लिए तैयारः सर्गेई

मॉस्को/कीव। रूस ने यूक्रेन युद्धविराम पर सहमति के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के 50 दिनों के अल्टीमेटम को खारिज करते हुए अमेरिका की 'कड़े टैरिफ' लगाए जाने की धमकी को अस्वीकार्य करार दिया। रूसी उप विदेश मंत्री सर्गेई रयाबकोव ने मंगलवार को ज़ोर देकर कहा कि उनका देश यूक्रेन संघर्ष के कूटनीतिक समाधान का पक्षधर है और बातचीत के लिए तैयार है।

उन्होंने कहा यदि इसका उचित जवाब नहीं मिलता है और राजनयिक स्तर पर इससे कोई लक्ष्य हासिल नहीं होता है तो हमारा विशेष सैन्य अभियान जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि रूस अपनी बात पर अडिग है और हम उम्मीद करते हैं कि अमेरिका और उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) इसे गंभीरता से लेंगे। ट्रंप ने मंगलवार को उन आरोपों का खंडन किया जिनमें कहा गया था कि उन्होंने यूक्रेन को रूसी क्षेत्रों में घुसकर हमला करने के लिए प्रोत्साहित किया था। उन्होंने कहा कि वह इस संघर्ष में किसी का पक्ष नहीं ले रहे हैं और उन्होंने यूक्रेन को केवल यह सलाह दी कि उसे लंबी दूरी के हथियारों से 'रूस को निशाना नहीं बनाना चाहिए'। गौरतलब है कि इस स्पष्टीकरण से ठीक एक दिन पहले अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा था कि अमेरिका नाटो के ज़रिए यूक्रेन को हथियार भेजेगा और 50 दिनों में युद्धविराम समझौता न होने पर रूस पर 'कड़े टैरिफ' भी लगाएगा।

ADMISSION OPEN
Session 2025-26
न्यू स्टेट नर्सिंग एण्ड पैरामेडिकल कालेज
12 किमी. स्टोन, रुड़की रोड, मुजफ्फरनगर
Affiliated by: U.P. State Medical Faculty Lucknow and recognized by the U.P. Govt.
कोर्स
• डी० पी० टी० • ऑप्टोमैट्री • ओ० टी० टैक्नीशियन
कोर्स अवधि : 2 वर्ष
योग्यता : 12वीं पास बायोलोजी/गणित
हसन नर्सिंग होम
92, उत्तरी सरवट गेट, मुजफ्फरनगर
मो0: 8899777782
9897640744
अखबार की कटिंग साथ लाने वाले को 5000 की छूट

देश/विदेश से एम.बी.बी.एस करें
एडमिशन के लिए सम्पर्क करें
• रशिया
• जॉर्जिया
• कजाखस्तान
• किर्गिज़स्तान
• उज्बेकिस्तान
• बांग्लादेश
• नेपाल
• चाईना
• ईरान
• इजिप्ट
• यू.के.
• कनाडा
• यू.एस.ए.
और भी देशों से
M.B.B.S. ABROAD
Since 2010
अन्जुम कलीम (एम.डी.) 8384872313 9457439020
M.B.B.S./M.D.
BDS, BAMS, BUMS, BEMS
Abroad Admission & Counselling For India
•Top Govt. Universities.
•MCI, WHO Approved Universities.
•Indian Hostel & Mess Available.
•Lowest Price Packages.
•Boys/Girls Hostels Are Separates Available.
अपना एम.बी.बी.एस. 25 से 27 लाख में पूरा करें
जिसमें ट्यूशन फीस, हॉस्टल फीस, खाना 3 टाईम (वेज/नॉनवेज), वीजा एक्सटेंशन, इंश्योरेंस, मेडिकल, ट्रांसपोर्टेशन, लॉन्डरी, एफ.एम.जी. ई. कॉचिंग, 15 इंडियन बेस्ट फैकल्टी के द्वारा दी जा रही है
471 बच्चें जनवरी एफ.एम.जी.ई. एक्जाम में पास हुऐ (अन्य कोई खर्चा नहीं)
www.mbbsbijnor.com
ADD : MBBS ABROAD CONSULTANCY, MOIN KA CHAURAHA, CHAHSHIREEN JAMA MASJID, B-21, BIJNOR (U.P.)